नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, शनिवार, 2 अगस्त 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 77 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1944: तुर्की ने जर्मनी के साथ राजनयिक संबंध तोड़े।
1955: सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया।
1987: विश्वनाथ आनंद ने विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप जीती।
1990: इराक ने कुवैत पर हमला किया।
1999: चीन ने लंबी दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण किया।

संक्षिप्त समाचार

मानसून सत्र में भाग लेकर सीएम हेमंत दिल्ली रवाना

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को दिल्ली के लिए रवाना हुए। इससे पहले उन्होंने झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र में भाग लिया। उनके पिता दिशोम गुरु शिबू सोरेन दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में इलाजरत हैं। विधानसभा के मानसून सत्र के मद्देनजर 31 जुलाई को सीएम हेमंत सोरेन रांची लौटे थे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन लगातार दिल्ली में रहकर अपने पिता की देखभाल कर रहे हैं।

हाथियों के झुंड ने युवक को पटक कर मार डाला

लातेहार(नबिटा ब्यूरो)। शुक्रवार की सुबह जंगली हाथियों का उत्पात देखा गया। हेरहंज थाना क्षेत्र के तासू गांव में जंगली हाथियों के झुंड ने एक युवक की जान ले ली। हाथियों ने युवक को पटक कर मार डाला। इसके बाद हाथी जंगल में चले गए। मृतक की पहचान तासु गांव के 40 वर्षीय विनय भुइयां के रूप में हुई है। मृतक की पत्नी ननकी देवी ने बताया कि उन्हें सरकारी आवास मिला था। वे सड़क किनारे घर का निर्माण कर रहे थे।

युवती ने पुल से नदी में लगाई छलांग

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। सोनारी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक दुखद घटना सामने आई। दोमुहानी डोबो पुल से एक युवती ने नदी में छलांग लगा दी। युवती की पहचान बारीडीह निवासी सुमित्रा प्रमाणिक के रूप में हुई है। सुमित्रा अपनी एक सहेली के साथ दोमुहानी घूमने आई थी। सुमित्रा की दोस्त अलीशा ने बताया कि पुल पर पहुंचने के बाद उसका अपने बॉयफ्रेंड से फोन पर किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। फोन पर तीखी बहस के बाद सुमित्रा ने अचानक नदी में छलांग लगा दी।

संदिग्ध परिस्थितियों में नर्स की मौत

चक्रधरपुर (नबिटा ब्यूरो)। अनुमंडल अस्पताल की नर्स भारती कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। नर्स का शव घर में संदिग्ध हालत में बरामद हुआ। भारती चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में शिशु कुपोषण निवारण केंद्र में पोषाहार विशेषज्ञ के पद पर कार्यरत थीं। वह चक्रधरपुर की गैलन भट्ठी में किराए के घर में पति पुरुषोत्तम महतो के साथ रहती थी। पुरुषोत्तम महतो ने बताया कि उसकी पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। वहीं, भारती के मायके वालों ने पति पर ही हत्या करने का आरोप लगाया है।

सड़क हादसे में शिक्षक की मौत

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। फोरलेन स्थित सिंघानी ओवरब्रिज पर शुक्रवार शाम एक हादसा हो गया। इस हादसे में देवकुली स्कूल के शिक्षक जितेंद्र कुमार सिंह की मालवाहक वाहन (टीपर) की चपेट में आने से मौत हो गई। जितेंद्र इचाक थाना क्षेत्र के भुसाई गांव के मूल निवासी थे। वर्तमान में वे हजारीबाग शहर के सुरेश कॉलोनी में रह रहे थे।

आईआईटी-आईएसएम के 45वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

विश्व की समस्याओं के समाधान के लिए करें कौशल का उपयोग : राष्ट्रपति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शुक्रवार को धनबाद बरवाअड्डा एयरपोर्ट पहुंची। यहां से राष्ट्रपति सीधे आईआईटी-आईएसएम के 45वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आईआईटी-आईएसएम के दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अवसर उनके जीवन की मेहनत, संघर्ष और उपलब्धियों का सम्मान है। उन्होंने सभी उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले छात्रों को बधाई दी और कहा कि दीक्षांत समारोह जीवन के नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। राष्ट्रपति ने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा और कौशल का उपयोग समाज, देश और विश्व की समस्याओं के समाधान के लिए करें। राष्ट्रपति ने कहा कि आज का दिन आईआईटी-आईएसएम के छात्रों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। आप एक विश्वस्तरीय संस्थान से शिक्षा प्राप्त कर दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए तैयार हैं। यह यात्रा नौकरी, उच्च शिक्षा, नवाचार या उद्यमिता की दिशा में हो सकती है। उन्होंने छात्रों, उनके माता-पिता, शिक्षकों और मार्गदर्शकों को भी बधाई दी, जिन्होंने उनके सफर में साथ दिया। राष्ट्रपति ने आईआईटी-आईएसएम की 100 वर्षों की गौरवशाली विरासत की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह संस्थान खनन और भूविज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञ तैयार करने के उद्देश्य से स्थापित हुआ था। समय के साथ इसने अपने शैक्षिक दायरे को विस्तृत कर उच्च शिक्षा और अनुसंधान का अग्रणी केंद्र बन गया है। उन्होंने संस्थान द्वारा तकनीकी विकास और नवाचार में योगदान को भी रेखांकित किया। राष्ट्रपति ने आईआईटी-आईएसएम में जनजातीय समाज के विकास के लिए कार्यरत सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की प्रशंसा की। यह केंद्र

एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल, डिजिटल साक्षरता, कौशल विकास और रोजगार-केंद्रित प्रशिक्षण के माध्यम से झारखंड के जनजातीय युवाओं को सशक्त बना रहा है। उन्होंने संस्थान के फाउंडेशन कौशल विकास कार्यक्रम की भी सराहना की जो वंचित वर्ग की महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार के लिए काम कर रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने छात्रों से इस विकास यात्रा के अग्रदूत बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का अर्थ है एक ऐसा राष्ट्र जहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर, गरिमा और बेहतर जीवन स्तर प्राप्त हो। आपकी शिक्षा केवल तकनीकी उत्कृष्टता तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि राष्ट्र निर्माण से जुड़ी होनी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि किसी राष्ट्र का विकास उसके सभी वर्गों के उत्थान में निहित है। उन्होंने आईआईटी-आईएसएम से उत्कृष्ट इंजीनियर और शोधकर्ताओं के साथ-साथ करुणामय, संवेदनशील और उद्देश्यपूर्ण पेशेवर तैयार करने की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि आईआईटी-आईएसएम जैसे संस्थान स्थायी समाधानों में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने भारत की तकनीकी प्रगति और आईआईटी संस्थानों के योगदान की सराहना की, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं। राष्ट्रपति ने भारत की युवा जनसंख्या को देश की सबसे बड़ी शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा और डिजिटल कौशल का प्रसार भारत को तकनीकी महाशक्ति बनाने की दिशा में अग्रसर कर रहा है। उन्होंने शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, नवाचार-केंद्रित और उद्योग-अनुकूल बनाने पर जोर दिया। साथ ही, इंटर-डिसिप्लिनरी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता बताई, ताकि छात्र जटिल समस्याओं के रचनात्मक समाधान खोज सकें। राष्ट्रपति ने छात्रों से कहा कि अपने ज्ञान को व्यक्तिगत उन्नति तक सीमित न रखें बल्कि इसे जनहित और राष्ट्र निर्माण के लिए उपयोग करें। ग्रीन इंडिया के निर्माण में योगदान दें, जहां विकास प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर हो। उन्होंने जोर दिया कि नवाचार केवल बुद्धिमत्ता से नहीं, बल्कि सहानुभूति और नैतिकता से प्रेरित होना चाहिए। राष्ट्रपति ने छात्रों को भारत के ऐतिहासिक परिवर्तन का सारथी और निर्माता बताया। समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, प्रधानमंत्री के मुख्य सचिव प्रो पीके मिश्रा, झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, राज्य के नगर विकास, आवास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार भी उपस्थिति रहे।

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र शुरू

एसआईआर पर सत्ता पक्ष का विरोध

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र शुक्रवार से शुरू हो गया है जो 7 अगस्त तक चलेगा। सत्र के पहले दिन शोक प्रस्ताव के साथ कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। सत्र के दौरान एसआईआर, जाति जनगणना, सरना कोड और एससी/एसटी आरक्षण जैसे अहम मुद्दों पर सत्ता पक्ष चर्चा कर सकता है, वहीं विपक्ष विधि-व्यवस्था समेत अन्य विषयों पर सरकार को घेरेगा। सत्र शुरू होने से पहले ही सदन के बाहर एसआईआर (सांख्यिकीय निर्वाचन रजिस्टर) को लेकर सत्तापक्ष आक्रामक दिखा। कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप ने चुनाव आयोग और भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग जबरन एसआईआर लागू कर भाजपा को फायदा पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड को वोटर कार्ड से लिंक कर देना चाहिए क्योंकि आधार सबसे विश्वसनीय पहचान पत्र है लेकिन आयोग उसे मान्यता नहीं दे रही। उन्होंने स्पष्ट किया कि झारखंड में किसी भी हाल में एसआईआर लागू नहीं होने दिया जाएगा। वहीं मंत्री इरफान अंसारी, दीपिका सिंह पांडेय, शिल्पी नेहा तिर्की समेत सत्ता पक्ष के अन्य विधायकों ने भी एकजुट होकर एसआईआर का विरोध किया और कहा कि इसे राज्य में लागू नहीं होने दिया जाएगा। इस बीच निर्दलीय विधायक सरयू राय ने एसआईआर का समर्थन करते हुए कहा कि निष्पक्ष चुनाव कराना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है और इसी प्रक्रिया के तहत एसआईआर लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फर्जी वोटरों को रोकना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वहीं भाजपा विधायक सतेंद्र तिवारी ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन का एसआईआर का विरोध बेवजह है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष को चुनाव से पहले ही हार का डर सताने लगा है, इसलिए इस तरह का विरोध किया जा रहा है।

कार्यमंत्रणा समिति में कांग्रेस की अनदेखी, जताया विरोध

रांची (नबिटा ब्यूरो)। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन कार्यमंत्रणा समिति में कांग्रेस को विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत करने पर पार्टी विधायक दल के नेता प्रदीप यादव बिफर पड़े। उन्होंने स्पीकर के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि कांग्रेस इस विधानसभा में तीसरी बड़ी पार्टी है। आपको सभी विधायक दल के नेताओं को पदेन सदस्य बनाना चाहिए था लेकिन कांग्रेस को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाने की बात की गई है। इसलिए यह विरोध जायज है। इसपर स्पीकर ने फौरन कहा कि वे इसको दिखवा लेते हैं। विधानसभा सत्र के मानसून सत्र के पहले दिन की कार्यवाही स्थगित होने और कार्यमंत्रणा समिति में शिरकत करने के बाद कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने मीडिया के सामने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि कार्यमंत्रणा समिति में सभी दलों के नेता पदेन सदस्य होते हैं लेकिन तीसरे नंबर की पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस को दरकिनार कर पदेन सदस्य की जगह विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत कर दिया गया था। इसपर स्पीकर से पुनर्विचार का आग्रह किया गया। उनको बताया गया कि एक निर्दलीय विधायक को जगह दे रहे हैं लेकिन कांग्रेस जैसी पार्टी को तवज्जो नहीं दे रहे हैं। विधायक प्रदीप यादव ने बताया कि स्पीकर ने उनके आग्रह को गंभीरता से लिया है। इसपर पुनर्विचार किया है। उन्होंने कांग्रेस को पदेन सदस्य मनोनीत करने का निर्णय ले लिया है। इसकी अधिसूचना जल्द जारी हो जाएगी। साथ ही कांग्रेस के एक और सदस्य को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाने की बात कही है।

मौत के बाद भी नवजात को रखा वेंटिलेटर पर, जांच का आदेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी में एक मासूम बच्चों की मौत के बाद भी एक निजी अस्पताल के द्वारा उसे वेंटिलेटर पर रखे जाने का मामला सामने आया है। इस मामले को लेकर रांची के अरगोड़ा थाना में एफआईआर दर्ज तो हुआ ही है। साथ ही रांची डीसी के द्वारा मामले के उच्चस्तरीय जांच का आदेश दे दिये गये हैं। रांची के अरगोड़ा स्थित निजी अस्पताल में नवजात की मृत्यु के बाद भी वेंटिलेटर पर रखने के परिजनों के आरोप को जिला प्रशासन द्वारा गंभीरता से लिया गया है। रांची डीसी कर्यालय द्वारा जारी किए गए प्रेस रिलीज में बताया गया है कि विभिन्न मीडिया समाचार माध्यमों से प्राप्त जानकारी के अनुसार नवजात को कथित रूप से उसकी मृत्यु के बाद भी वेंटिलेटर पर रखा गया था। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए विस्तृत जांच के आदेश दिए गए है। रांची डीसी के आदेश पर एक जांच समिति का गठन किया गया है जिसमें कार्यपालक दंडाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम शामिल है। रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री के आदेश में बताया गया है कि यह जांच समिति विभिन्न बिंदुओं पर जांच करेगी। उन्हें स्पष्ट किया कि अगर जांच के बाद अस्पताल प्रबंधन या संबंधित किसी भी व्यक्ति की लापरवाही या दोष सिद्ध होता है तो उनके विरुद्ध नियमसंगत कठोर कार्रवाई की जाएगी। दो दिन पूर्व राजधानी रांची के अरगोड़ा चौक स्थित एक निजी अस्पताल में एक नवजात बच्चे की मौत हो गई थी। बच्चे के पिता मुकेश सिंह के द्वारा अस्पताल प्रबंधन पर यह आरोप लगाते हुए थाना में एफआईआर दर्ज करवाया गया है कि उनके बच्चे की मौत हो जाने के बाद भी उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था। मामला गंभीर होने की वजह से इसकी जांच भी करवाई जा रही है। गुरुवार की देर शाम बच्चे का पोस्टमार्टम भी करवाया गया है।

लाखों की शराब जब्त दो तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। कोयले की आड़ में शराब की तस्करी की कोशिश हुई है। पलामू पुलिस की कार्रवाई में कई बड़े खुलासे हुए हैं और लाखों की शराब की खेप जब्त हुई है। शराब की खेप के साथ हरियाणा के दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन को सूचना मिली थी कि शराब की एक बड़ी खेप की तस्करी होने वाली है, इसी सूचना के आलोक में नेशनल हाइवे 98 पर पुलिस की निगरानी बढ़ाई गई थी। इसी क्रम में नावाबाजार थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे 98 पर एक कंटेनर को रोका गया। पूछताछ में कंटेनर पर सवार लोगों ने बताया कि प्लाइवुड लोड है। पुलिस ने तलाशी ली तो कंटेनर के अंदर भारी मात्रा में शराब की खेप मौजूद थी, जबकि कंटेनर में कोयला भी था। पुलिस को यह भी इनपुट मिली थी कि कोयले की आड़ में शराब की तस्करी होने वाली है। शराब की यह खेप हरियाणा से झारखंड होते हुए बिहार के इलाके में जा रही थी। कंटेनर से अलग-अलग ब्रांड के 1068 शराब की पेटी बरामद हुई है जिसकी कीमत लाखों में है। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि शराब की खेप पकड़ी गई है और मौके से दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूरे मामले में आगे की छानबीन कर रही है। दरअसल शराब की खेप के साथ पुलिस हरियाणा के जींद जिला के सूचना थाना क्षेत्र के संगलपुर के रहने वाले विजय सिंह और हरियाणा के ही भिवानी जिला के भवानी खेड़ा थाना क्षेत्र के रोहनात के रहने वाले राम नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

दक्षिण पूर्व रेलवे ने स्वच्छता गतिविधियों का किया आयोजन

अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिलाई गयी स्वच्छता की शपथ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। दक्षिण पूर्व रेलवे ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर 1 से 15 अगस्त तक मुख्यालय और मंडलों में स्वच्छता गतिविधियों की शुरुआत की है। इस क्रम में दक्षिण पूर्व रेलवे के अपर महाप्रबंधक सौमित्र मजूमदार ने आज गार्डनरीच स्थित दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। दक्षिण पूर्व रेलवे के अधिकारियों ने स्वच्छता बनाए रखने और भारत को स्वच्छ और सुंदर देश बनाए रखने की शपथ ली। दक्षिण पूर्व रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्ध रहने और इसके लिए समय समर्पित करने की प्रतिज्ञा की। दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय के विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे। आगे भी स्वच्छता गतिविधियां, मुख्यालय और दक्षिण पूर्व रेलवे के चारों मंडलों में आयोजित की जाएंगी तथा सभी अधिकारी एवं कर्मचारी स्वच्छता अभियान में भाग लेंगे।

कोडरमा घाटी में टाइल्स लदा ट्रक पलटा, चालक की मौत

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के रांची-पटना मुख्य मार्ग पर स्थित कोडरमा घाटी के नौवां माइल के पास शुक्रवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। टाइल्स से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक ट्रक के नीचे दब गया और उसकी मौत हो गई। वहीं ट्रक के सड़क पर पलटने से रांची-पटना मुख्य मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं और कई लोग जाम में फंस गए। ट्रक राजस्थान से टाइल्स लोड करके बिहारशरीफ जा रहा था। कोडरमा घाटी के नौवां माइल के पास ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना के कारण ट्रक में लदे सभी टाइल्स सड़क पर बिखर गए। कोडरमा घाटी की सड़कें अत्यधिक घुमावदार हैं, जिसके कारण यहां अक्सर सड़क हादसे होते रहते हैं।

9 सितंबर को होगा उपराष्ट्रपति पद का चुनाव

21 अगस्त तक होगा नामांकन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति के चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, चुनाव के लिए जरूरत पड़ने पर वोटिंग 9 सितंबर को होगी और इसी दिन रिजल्ट भी जारी कर दिया जाएगा। 21 अगस्त तक उपराष्ट्रपति के पद के लिए नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। उम्मीदवारों के नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 25 अगस्त निर्धारित की गई है। यह चुनाव जगदीप धनखड़ के पद से इस्तीफा देने के कारण आवश्यक हो गया है। बता दें कि इससे पहले भारत निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल को अंतिम रूप दे दिया था। भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है जिसमें राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य, मनोनीत सदस्य और लोकसभा के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं। निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि उसने 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल की सूची को अंतिम रूप दे दिया है। इसने कहा कि निर्वाचक मंडल की सूची अधिसूचना की तारीख से निर्वाचन आयोग कार्यालय में स्थापित एक काउंटर पर खरीदने के लिए उपलब्ध होगी जिसकी घोषणा जल्द ही होने की संभावना है। श्री धनखड़ ने अपने कार्यकाल की समाप्ति से लगभग दो साल पहले 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 10 अगस्त, 2027 तक के लिए था। संविधान के अनुच्छेद 68 के खंड दो के अनुसार उपराष्ट्रपति के निधन, त्यागपत्र या पद से हटाए जाने या अन्य किसी कारण से होने वाली रिक्ति को भरने के लिए चुनाव 'यथाशीघ्र' कराया जाएगा। रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित व्यक्ति अपने 'पदभार ग्रहण करने की तिथि से पांच वर्ष की पूर्ण अवधि तक' पद धारण करने का हकदार होगा। अधिसूचना जारी होने के दिन (मतदान के लिए निर्वाचक मंडल को बुलाना) से मतदान के दिन तक 30 दिन की अवधि निर्धारित है। कोई व्यक्ति उपराष्ट्रपति के रूप में तब तक निर्वाचित नहीं हो सकता जब तक कि वह भारत का नागरिक न हो, 35 वर्ष की आयु पूरी न कर चुका हो और राज्यसभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित होने के योग्य न हो। आगामी चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को स्पष्ट बढ़त हासिल है। 543 सदस्यीय लोकसभा में पश्चिम बंगाल के बशीरहाट की एक सीट रिक्त है जबकि 245 सदस्यीय राज्यसभा में पांच रिक्तियां हैं। राज्यसभा की पांच रिक्तियों में से चार जम्मू-कश्मीर से और एक पंजाब से है। पंजाब की यह सीट पिछले महीने हुए उपचुनाव में राज्य विधानसभा के लिए चुने जाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजीव अरोड़ा के इस्तीफ़े के बाद खाली हुई थी। दोनों सदनों की प्रभावी सदस्य संख्या 782 है और जीतने वाले उम्मीदवार को 391 मतों की आवश्यकता होगी, बशर्ते सभी पात्र मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

संक्षिप्त समाचार

मोतिहारी में 7 माह की गर्भवती विवाहिता की संदिग्ध मौत

परिजनों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप, ससुराल पक्ष फरार

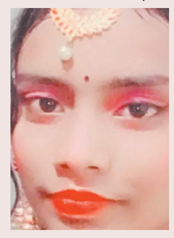

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के मेहसी थाना क्षेत्र के चक फतेउल्लाह गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। गुरुवार संध्या को हुई इस घटना में मृतका की पहचान 22 वर्षीय सहिना खातून के रूप में हुई है। सहिना 7 माह की गर्भवती थी और उसके परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया है। मृतका के पिता मोहम्मद मुस्लिम ग्राम मथुरापूर, थाना तुरकालिया, जिला मोतिहारी के निवासी हैं। सहिना का निकाह 16 नवंबर 2024 को फतेउल्लाह निवासी मोहम्मद इमाम उद्दीन के साथ हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष शानू गौरव के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को अपने कब्जे में ले लिया है। घटना को अंजाम देने के बाद ससुराल पक्ष के सभी लोग फरार हो गए हैं। थानाध्यक्ष ने बताया मृतका के परिजनों की शिकायत मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चार विभागों ने लगाये थे सात स्टॉल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मुजफ्फरपुर प्रवास के दौरान योजना का प्रचार-प्रसार करने के लिए पताही शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के परिसर में चार विभागों ने सात स्टॉल लगाये थे। इनमें जीविका दीदियों और विभिन्न स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा हाथ से बनाए गए सामानों को प्रदर्शित किया गया था। इसके अलावा पंचायत प्रतिनिधियों ने भी अपना एक स्टॉल लगाया था। इनसे जुडें तीन स्टॉल ग्रामीण विकास विभाग के थे। जबकि दो स्टॉल समाज कल्याण विभाग ने लगाये थे। इनमें से एक दिव्यांगजन तो दूसरा सामाजिक सुरक्षा पेंशन और अंतरजातीय विवाह से जुड़ा हुआ था। एक-एक स्टॉल जिला उद्योग विभाग और ऊर्जा विभाग द्वारा लगाया गया था। ऊर्जा विभाग के स्टॉल में लोगों को 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने संबंधी जानकारी दी जा रही थी। उद्योग विभाग के स्टॉल बैग उत्पादन से जुड़ी महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं का था। इसमें मौजूद महिलाओं ने संघर्ष के बाद मिली सफलता से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अवगत कराया। उनके उत्थान में मिली सरकारी मदद के लिए उन्होंने सीएम का आभार जताया। वहीं इन स्टॉलों का सारांश एक रंगोली के माध्यम से दिखाया गया था।

आगे की रणनीति बनाने को आज बैठेगा असंतुष्ट खेमा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। निगम की राजनीति नया मोड़ आ गया है। दो दिनों की चल रही सियासी खींचतान और उठापटक के बाद गुरुवार को छाई खामोशी बड़े सियासी तूफान का संकेत दे रही है। फिलहाल, अगली चाल क्या होगी? इसको लेकर दोनों खेमा वेट एंड वाच की स्थिति में हैं। आदर्श विकास पार्षद समिति की अध्यक्ष अर्चना पंडित के मुताबिक शनिवार को समिति की बैठक में आगे की रणनीति तय होगी। फिलहाल, बोर्ड की बैठक का इंतजार कर रहे हैं। बैठक का समय तय नहीं हुआ तो फिर नगर आयुक्त को लिखेंगे। समिति के साथ 32 से अधिक पार्षद हैं। समिति की मांगों व जनहित से जुड़े मसलों की अनदेखी हुई तो सशक्त स्थायी समिति से पारित प्रस्ताव को बोर्ड में गिरा देंगे। समिति के प्रवक्ता इकबाल हुसैन ने दावा किया कि उनके साथ के सभी पार्षद एकजुट हैं। स्टैंडिंग को लेकर राजनीति गरमाई नगर सरकार की कैबिनेट यानी सशक्त स्थायी समिति (स्टैंडिंग) को लेकर भी राजनीतिक तापमान बढ़ गया है।

एमडीएम रसोईया, नाइट गार्ड का मानदेय हुआ डबलः

फिजिकल टीचर्स को 8 हजार की जगह मिलेंगे 16 हजार

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्कूल के फिजिकल टीचर, नाइट गार्ड का मानदेय डबल कर दिया है। वहीं, मिड डे मील के रसोईया को मिलने वाला मानदेय भी दोगुना हो गया है। रसोइयों को 1650 की जगह अब 3300 रुपए मिलेंगे। सीएम ने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी दी है। सीएम नीतीश ने लिखा- नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हमलोग शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। 2005 में शिक्षा का कुल बजट 4366 करोड़ रूपए था, जो अब बढ़कर 77690 करोड़ रूपए हो गया है।

बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति, नए स्कूल बिल्डिंग के निर्माण के साथ-साथ आधारभूत संरचनाओं के विकास से शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार हुआ है। शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में रसोइयों, नाइट गार्ड और फिजिकल टीचर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे ध्यान में रखते हुए हमलोगों ने इन कर्मियों की मानदेय राशि में बढ़ाते हुए इसे दोगुना करने का निर्णय लिया है। शिक्षा विभाग के अंतर्गत मिड-डे मील में कार्यरत रसोइयों के मानदेय में दोगुनी करते हुए 1650 रूपए से 3300 रूपए करने का निर्णय लिया गया है। वहीं माध्यमिक/उच्च शिक्षा स्कूल में कार्यरत नाइट गार्ड का मानदेय 5000 रूपए से दोगुना करते हुए इसे अब 10000 रूपए करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही फिजिकल टीचर का मानदेय 8 हजार रूपए से दोगुना करते हुए अब 16 हजार रूपए करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही इनकी वार्षिक वेतन बढ़ोतरी 200 रूपए की जगह 400 रूपए करने का निर्णय लिया गया है। इससे कार्यरत कर्मियों के मनोबल में वृद्धि होगी और वे अधिक उत्साह से अपना काम करेंगे।

3. 8 हजार से ज्यादा पंचायतों में मैरिज हॉल बनेंगे : चुनावी साल में नीतीश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह कार्यक्रम में सुविधा के लिए करीब 8 हजार से ज्यादा पंचायतों में विवाह भवन का निर्माण कराने का फैसला लिया है। इसका नाम विवाह मंडप योजना दिया गया है। इसके लिए सरकार ने 40 अरब 26 करोड़ 50 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। इन विवाह भवनों का संचालन जीविका दादियों की तरफ से किया जाएगा।

4. सरकारी नौकरी में डोमिसाइल पॉलिसी लागू, राज्य की महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा बिहार सरकार ने महिलाओं के लिए डोमिसाइल पॉलिसी लागू कर दी है। अब सरकारी नौकरियों में महिलाओं को इसका फायदा मिलेगा। बिहार की बाहर की महिलाओं को जनरल कैटेगरी में जोड़ा जाएगा। पहले दूसरे राज्यों की महिलाओं को भी 35 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलता था। अब सिर्फ बिहार की महिलाओं को फायदा मिलेगा।

5. बिहार के 1 लाख युवाओं पर 686 करोड़ रुपए खर्च होंगे, इंटर्नशिप के लिए मिलेंगे 6 हजार बिहार सरकार ने 18 से 28 साल के एक लाख से ज्यादा युवाओं को मंथली 4 से 6 हजार रुपए मंथली इंटर्नशिप दी जाएगी। इन युवाओं को आर्थिक सहायता के साथ-साथ बिजनेस की ट्रेनिंग देने के लिए नीतीश कैबिनेट मुख्यमंत्री-प्रतिज्ञा योजना को मंजूरी दी है।

6. दीदी की रसोई में 40 की जगह 20 रुपए में मिलेगी थाली : सरकार की तरफ से सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय, अस्पतालों और सरकारी संस्थानों में दीदी की रसोई से 40 रुपए प्रति थाली में भोजन उपलब्ध कराया जाता है। बिहार सरकार ने चुनाव साल में इसका रेट कम कर दिया। 40 रुपए की थाली अब 20 रुपए में देने का फैसला लिया गया है। 20 रुपए प्रति थाली की क्षतिपूर्ति राज्य सरकार की तरफ से जीविका को उपलब्ध कराई जाएगी।

7. नई बस खरीदने पर 20 लाख देगी सरकार : राज्य सरकार ने फैसला किया है कि अगर कोई निजी बस ऑपरेटर अन्तरराज्यीय मार्गों के लिए नई एसी बस खरीदेगा, तो सरकार उसे हर बस पर 20 लाख रुपए प्रोत्साहन राशि देगी। 150 बसों के लिए कुल 30 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। साथ ही योजना को सही तरीके से चलाने के लिए 60 लाख रुपए अतिरिक्त खर्च करने की मंजूरी भी दी गई है। कुल खर्च 30.60 करोड़ रुपए होगा।

8. गुरु-शिष्य परंपरा योजना भी मंजूर की गई : कैबिनेट ने विलुप्त हो रही लोक कलाओं को बचाने के लिए मुख्यमंत्री गुरु-शिष्य परंपरा योजना को भी मंजूरी दी है। गुरु को 15000, संगीतकार को 7500 और शिष्य को 3000 मासिक मानदेय दिया जाएगा। सरकार ने विलुप्त हो रही लोक कलाओं को बचाने के लिए योजना बनाई है। इसके तहत लोक गाथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य, लोक संगीत, वाद्य यंत्र, शास्त्रीय कला और चित्रकला जैसी विधाओं को संरक्षित करने के लिए परंपरागत तरीके से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

9. दिव्यांग के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना : चुनावी साल में बिहार सरकार ने एक नई योजना शुरू की है, जिसका नाम दिव्यांगजन सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना है। इसका लाभ दिव्यांग पुरुष पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग अभ्यर्थियों को मिलेगा। हालांकि, ये सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें राज्य की किसी दूसरी सिविल सेवा तैयारी योजना से कोई आर्थिक मदद नहीं मिल रही है। ऐसे में बीपीएससी या यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा पास कर लेते हैं, तो उन्हें मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए 50 हजार रुपए और इंटरव्यू की तैयारी के लिए 1 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी।

10. बिहार में पत्रकारों का पेंशन बढ़कर 15 हजार हुआ

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पत्रकारों के पेंशन बढ़ाने की घोषणा की। बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना÷ के तहत अब पत्रकारों को 6,000 की जगह 15,000 रुपए प्रतिमाह पेंशन मिलेगी। मुख्यमंत्री ने इसे तुरंत लागू करने के निर्देश भी दे दिए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि जिन पत्रकारों की मृत्यु हो चुकी है, उनके आश्रित पति या पत्नी को भी जीवन भर 10,000 रुपए प्रति माह की पेंशन दी जाएगी। पहले यह राशि केवल 3,000 रुपए थी। यह फैसला उनके सम्मानजनक जीवन-यापन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

11. आशा को 3000, ममता कार्यकर्ताओं अब 600 रुपए मिलेंगे

नीतीश सरकार ने बिहार में आशा और ममता कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ा दिया है। आशा कार्यकर्ताओं को अब 1 हजार रुपए की जगह 3 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव 300 रुपए की जगह 600 रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

12. आंगनबाड़ी सेविकाओं को स्मार्टफोन के लिए मिलेंगे 11 हजार रुपए गुरुवार को बिहार सरकार ने आंगनबाड़ी सेविकाओं को स्मार्टफोन खरीदने के लिए 11,000 रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। यह सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। यह राशि वित्त विभाग की ओर से समाज कल्याण विभाग को आवंटित की गई है। सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अकाउंट में पैसे आने के 7 दिनों के अंदर सेविकाओं को स्मार्टफोन खरीदकर उसकी रिपोर्ट जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) को सौंपनी होगी। जिला स्तर पर इस प्रक्रिया की रिपोर्ट आईसीडीएस निदेशालय को भेजी जाएगी ताकि प्रक्रिया में कोई देरी न हो।

13. मिड डे मील रसोइयों को अब 1650 की जगह अब 3300 रुपए मिलेंगे।

14. फिजिकल टीचर को अब 8 हजार की जगह 16 हजार रुपए मिलेंगे।

15. नाइट गार्ड का मानदेय 5000 से बढ़ाकर 10000 हजार किया गया।

1. बिहार में 125 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी

बिहार के लोगों को 125 यूनिट बिजली मुफ्त में मिलेगी। साथ ही अगले तीन वर्षों में घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा का भी लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को एक्स पर इसका ऐलान किया। सीएम ने एक्स पर बताया- हम लोग शुरू से ही सस्ती दरों पर सभी को बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। अब हमने तय कर दिया है कि 1 अगस्त, 2025 से, यानी जुलाई माह के बिल से ही राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली का कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा।

2. 5 साल में 1 करोड़ नौकरियां और रोजगार देगी सरकार

बिहार सरकार ने फैसला किया है कि आने वाले 5 सालों (2025 से 2030 तक) में 1 करोड़ नई नौकरियां और रोजगार के मौके बनाए जाएंगे। इसके लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाई जाएगी, जिसकी अध्यक्षता विकास आयुक्त करेंगे। यह समिति देखेगी कि रोजगार बढ़ाने के लिए और क्या-क्या किया जा सकता है और सरकार को सलाह देगी। इससे राज्य के युवाओं को आर्थिक मजबूती मिलेगी और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। उद्योग बढ़ने से राज्य में निवेश के नए अवसर भी आएंगे। बिहार वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन में लगे बीएलओ-सुपरवाइजर को सालाना मानदेय के अलावा 6000 रुपए देने के फैसले को मंजूरी मिली है।

पटना के स्पा में चल रहा था सेक्स रैकेट, पुलिस ने अचानक मार दिया छापा

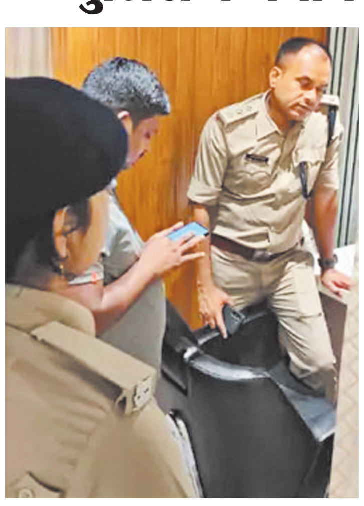

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना के एक स्पा में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। कोतवाली थानांतर्गत डाकबंगला चौराहा स्थित स्पा सेंटर में पुलिस ने गुरुवार शाम छापेमारी की। इस दौरान एक नाबालिग लड़की और एक युवती को पुलिस ने बरामद किया। जबकि स्पा की संचालिका को गिरफ्तार कर लिया गया। स्पा के अंदर से पुलिस ने आपत्तिजनक सामान बरामद किए हैं। दरअसल, पुलिस को यह सूचना मिली कि स्पा में देह व्यापार का धंधा हो रहा है। इसके बाद एकाएक वहां छापेमारी की गई। उसी जगह अंदर युवती एवं नाबालिग बैठी थी। पूछताछ करने पर पता चला कि दोनों को नौकरी का प्रलोभन देकर देह व्यापार के धंधे में धकेल दिया गया था। वहीं पर स्पा की मालकिन भी थी, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने फिलहाल स्पा को सील कर दिया है। डीएसपी विधि व्यवस्था-1 कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि इस मामले में केस दर्ज कर पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है। बता दें कि पटना में अवैध रूप से सेक्स रैकेट चलाने वालों के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। पिछले सप्ताह ही कंकड़बाग थाना क्षेत्र के चिरैयाटांड़ स्थित एक होटल में छापेमारी की गई थी। पुलिस ने होटल के दो मैनेजर को गिरफ्तार किया था। साथ ही दो नाबालिग समेत 6 लड़कियों को मुक्त कराया था। बीते दो महीने से उस होटल में देह व्यापार चलाया जा रहा था।

2 नाबालिग लड़कियों का रेस्क्यू, संचालिका गिरफ्तार

कोतवाली थानेदार राजन कुमार ने बताया कि फ्रेजर रोड स्थित ग्रैंड प्लाजा के अंदर सुकून नाम से ब्यूटी पार्लर है। इसमें अनैतिक तरीके से देह व्यापार के धंधे के बारे में मिशन मुक्ति फाउंडेशन और रेस्क्यू फाउंडेशन की ओर से जानकारी मिली थी। ऑपरेशन नया सवेरा के तहत सिटी एसपी सेंट्रल के नेतृत्व में एसडीपीओ लॉ एंड ऑर्डर 1 और एसडीपीओ सचिवालय टू की टीम गठित की गई। छापेमारी की गई। यहां से दो नाबालिग लड़कियों का रेस्क्यू किया गया है और पार्लर की संचालिका को गिरफ्तार किया गया है।

पार्लर को पुलिस ने किया सील

पार्लर से आपत्तिजनक सामान भी बरामद किए गए हैं। एफएसएल की टीम बुलाकर जांच कराई गई है। आपत्तिजनक सामान को जब्त कर लिया गया है। इसके अलावा पार्लर को सील भी कर दिया गया है। पुलिस ने संचालिका का मोबाइल जब्त किया है। जिसमें देह व्यापार से जुड़े साक्ष्य मिले हैं। कार्यपाल दंडाधिकारी की मौजूदगी में स्पा सेंटर को सील कर दिया गया है। नाबालिग लड़कियों से पूछताछ की जा रही है।

रोज नए-नए लोगों के पहुंचने से हुआ शक

स्पा सेंटर में रोज नए नए युवक और युवतियां पहुंच रहे थे। इसी सूचना के आधार पर कार्रवाई हुई है। पटना के स्पा सेंटरों में दाढ़ी बनाने से लेकर मसाज करने तक के चार्ज अलग-अलग है। 2000 से 3500 स्पा सेंटर में चार्ज किए जाते हैं। अधिकतर स्पा सेंटरों में लड़कियां काम कर रही हैं।

पटना एम्स के डॉक्टर हड़ताल पर गए, मारपीट केस में विधायक चेतन आनंद से बवाल बढ़ा

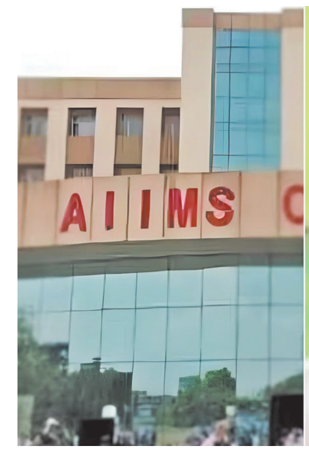

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में एम्स अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर शनिवार को अचानक हड़ताल पर चले गए। अस्पताल स्टाफ ने शिवहर से विधायक चेतन आनंद पर सुरक्षाकर्मियों से मारपीट करने और रेजिडेंट डॉक्टर को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पटना एम्स के रेजिडेंट डॉक्टरों ने चेतन आनंद के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। वहीं, दूसरी ओर विधायक की ओर से फुलवारी थाने में शुक्रवार को एम्स स्टाफ पर मारपीट का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। अब यह माहौल गर्माता नजर आ रहा है। पटना एम्स के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने अस्तपाल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट को पत्र लिखकर हड़ताल की जानकारी दी। डॉक्टरों ने कहा कि 30 जुलाई को रात लगभग 11 बजे ट्रॉमा सेंटर परिसर में मारपीट की घटना हुई थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि शिवहर विधायक चेतन आनंद, उनकी पत्नी डॉ. आयुषी सिंह और उनके हथियारबंद गार्ड जबरन अस्पताल परिसर में घुस आए। फिर उन्होंने सुरक्षाकर्मियों के साथ मारपीट की और हथियार लहराते हुए ड्यूटी पर मौजूद रेजिडेंट डॉक्टरों को जान से मारने की धमकी दी। डॉक्टरों का दावा है कि इतनी गंभीर घटना होने के बावजूद विधायक के खिलाफ अभी तक एफआईआर नहीं दर्ज की गई। उन्होंने एम्स प्रशासन पर स्टाफ की सुरक्षा के लिए कोई भी कदम नहीं उठाने पर भी सवाल उठाए। डॉक्टरों का कहना है कि इस घटना के बाद से उनमें डर का माहौल है और वे लाचार नजर आ रहे हैं। रेजिडेंट डॉक्टरों ने कहा कि जब तक विधायक चेतन आनंद, उनकी पत्नी एवं गार्ड के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं होती और अस्पताल में उचित सुरक्षा व्यवस्था मुहैया नहीं कराई जाती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। उनकी मांगें नहीं जाने पर डॉक्टरों ने इमरजेंसी सेवा भी ठप करने की चेतावनी दी है।

दूसरी ओर, बाहुबली पूर्व सांसद आनंद मोहन एवं शिवहर से जेडीयू सांसद लवली आनंद के विधायक बेटे चेतन ने गुरुवार को पटना के फुलवारी थाने में शिकायत दी थी। इसमें उन्होंने एम्स स्टाफ पर मारपीट करने और आधे घंटे तक बंधक बनाए रखने का आरोप लगाया। बताया जा रहा है कि विधायक चेतन आनंद अपनी पत्नी के साथ बुधवार रात को अंकित शर्मा नाम के किसी करीबी व्यक्ति से मिलने आए थे। तभी उनका रेजिडेंट डॉक्टर और गार्ड से विवाद हो गया था। एम्स प्रशासन ने विधायक की पिटाई की बात से इनकार किया है।

बंद पड़े घर में घुसी पुलिस; अंदर के हालात देख रह गई दंग, सेक्स रैकेट का पर्दाफाश

सीतामढ़ी, एजेंसी। बिहार के सीतामढ़ी जिले के मेहसौल थाना क्षेत्र में सेक्स रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। बसवरिया रेलवे गुमटी के पास पुलिस को एक घर में सेक्स रैकेट चलाने की गुप्त सूचना मिली। जिसके बाद पुलिस जब वहां पहुंची तो घर बंद मिला। लेकिन फिर किसी तरह जब पुलिस कमरे में पहुंची तो हालात देखकर दंग रह गयी। कमरे में बाहर से भाड़े पर महिलाओं को बुलाया गया था। कई शहरों के ग्राहक वहां पहुंचते थे। पुलिस ने 6 महिला सहित दो युवकों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद कार्रवाई करते हुए घर को सील कर दिया गया। मेहसौल थाना प्रभारी फेराज हुसैन ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि वहां देह व्यापार का धंधा चलाया जा रहा है। इसकी सूचना सदर एसडीपीओ राजीव कुमार सिंह को दी गयी। उनके निर्देश पर पुलिस ने धावा बोला। पुलिस को देखकर वहां अफरा तफरी मच गई। पुलिस ने आपत्तिजनक स्थिति में महिला और दो पुरुष को दबोच लिया। कमरे में आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की है। सभी की मेडिकल जांच कर कागजी कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि घर में बीते कई महीनों से देह व्यापार का धंधा चल रहा है।

गोबरसही आरओबी का खत्म हुआ इंतजार, पखवारे भर में चालू होगा बाईपास

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर-रामदयालुनगर रेलखंड की गोबरसही रेलवे गुमटी संख्या चार पर रेल ओवरब्रिज (आरओबी) का इंतजार अब खत्म हो गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को मुजफ्फरपुर प्रवास के दौरान इसका शिलान्यास किया। वर्ष 2023 से यहां आरओबी बनाने की कवायद चल रही थी। इसके साथ ही मुजफ्फरपुर बाईपास पर भी इस पखवारे परिचालन शुरू हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बाईपास के कपरपुरा आरओबी के निरीक्षण के दौरान इसका निर्देश अधिकारियों को दिया। इस बाईपास के चालू हो जाने से उत्तर बिहार के जिलों के लिए राजधानी पटना जाना आसान होगा। शहर को भी जाम से काफी हद तक निजात मिल जाएगी। गोबरसही में आरओबी के निर्माण के लिए 30 महीने की समय सीमा तय की गई है। यहां निर्माण कंपनी खगौल की रचना कंस्ट्रक्शन लिमिटेड कराएगी। निर्माण पूरा होने के बाद गोबरसही गुमटी को रेलवे स्थायी तौर पर बंद कर देगा। गोबरसही गुमटी पर आरओबी की स्वीकृति मुख्यमंत्री ने अपनी दिसंबर 2024 की यात्रा के दौरान दी थी।

आरओबी के चारों ओर होगा ढलान: गोबरसही आरओबी चार आर्म (चारों दिशाओं में ढलान) का होगा। इसका एक आर्म माड़ीपुर बिजली कार्यालय और दूसरा डुमरी रोड में गिरेगा। इससे शहर से सीधे सकरी होकर हाजीपुर-पटना एनएच पर वाहन आ जा सकेंगे। वहीं, भगवानपुर और रामदयालु की ओर एक-एक आर्म गिरेगा। इससे हाइवे पर भी जाम की समस्या समाप्त हो जाएगी। मालूम हो कि गोबरसही रेलवे गुमटी से प्रतिदिन औसतन 102 ट्रेनें व मालगाड़ियां गुजरती हैं। इससे हर 10 से 15 मिनट पर गुमटी बंद करनी पड़ती है।

किशनगंज में युवा इंजेक्शन से ले रहे स्मैक, बस स्टैंड बना मुख्य केंद्र

नशे के कारोबारियों पर कार्रवाई की मांग

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति ने युवा पीढ़ी को अपनी चपेट में ले लिया है। शहर के बस स्टैंड ओवर ब्रिज इलाके में नशे का एक नया और खतरनाक रूप सामने आया है। यहां युवा नशीली दवाओं को इंजेक्शन के माध्यम से अपने शरीर में प्रवेश करा रहे हैं। इस चलन ने स्थानीय समुदाय और प्रशासन को चिंतित कर दिया है।

युवा इविल नामक दवा में स्मैक मिलाकर उसे गर्म करते हैं। फिर सिरिंज के जरिए अपनी नसों में इंजेक्शन के रूप में लेते हैं। यह प्रक्रिया स्वास्थ्य के लिए घातक है और कई युवाओं की जान ले रही है। किशनगंज का बस स्टैंड इस अवैध गतिविधि का मुख्य केंद्र बन गया है। यहां दिन-रात इस तरह की घटनाएं हो रही हैं।

उड़ता पंजाब की कहानी हकीकत में तब्दील स्थानीय निवासी राहुल कुमार का कहना है कि यह समस्या केवल नशे तक सीमित नहीं है। इसके साथ अपराध और सामाजिक असुरक्षा भी बढ़ रही है। युवा पीढ़ी की यह लत फिल्म उड़ता पंजाब की कहानी को हकीकत में बदल रही है। नशे की लत में फंसे युवा अपनी जिंदगी को खतरे में डाल रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, स्मैक और इविल जैसे पदार्थों का सेवन शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नष्ट करता है। यह परिवारों और समाज पर भी गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है।

पुलिस और नारकोटिक्स विभाग ने इस समस्या पर काबू पाने के लिए कई कदम उठाए हैं। लेकिन नशे का यह कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में शुरू किए गए नशा मुक्ति अभियान का जिक्र करते हुए स्थानीय लोग किशनगंज में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों की मांग कर रहे हैं।

कारोबारियों पर कार्रवाई की मांग

स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं और डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि यदि इस समस्या पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया, तो किशनगंज का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। पुलिस से अपील की गई है कि नशे के कारोबारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही युवाओं को जागरूक करने के लिए स्कूल-कॉलेजों में अभियान चलाए जाएं। सदर अस्पताल के चिकित्सक गौरव कुमार ने बताया कि नशा हर रूप में सेहत के लिए नुकसानदेह है। अब युवा वर्ग सूखे नशे के चंगुल में फंस रहा है। नशे के कारण उनका करियर तो बर्बाद हो रहा है, सेहत भी गंवा रहे हैं। नशा करने वाला दिमागी सुनपन और उच्च रक्तचाप की चपेट में आ जाता है। इसका असर स्नायु तंत्र पर तेजी से होता है, लेकिन अधिक सेवन से फेफड़े, किडनी, लीवर के फेल होने का खतरा बढ़ जाता है

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारियों को किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। नीति आयोग द्वारा संचालित संपूर्णता अभियान के तहत हजारीबाग जिला में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रखंड एवं जिला स्तरीय पदाधिकारियों और कर्मियों को शुक्रवार को सम्मानित किया गया। नगर भवन सभागार में आयोजित संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह का शुभारंभ जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता एवं उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। जुलाई से सितंबर 2024 तक चले इस अभियान के दौरान स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, आजीविका, कृषि, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति करने पर 114 अधिकारियों और

कर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कटकमदाग के प्रखंड विकास पदाधिकारी को कॉपर मेडल और चौपारण के बीडीओ को ब्रॉन्ज मेडल प्रदान किया गया। वहीं, जिला स्तर पर सिविल सर्जन, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (स्वास्थ्य), आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, प्रधानाध्यापक, सहिया, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक सहित अन्य विभागीय कर्मियों को भी सम्मानित किया गया। उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद ने कहा कि जिले ने नीति आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तय लक्ष्यों पर प्रभावी कार्य करते हुए राष्ट्रीय सूचकांकों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं, जो पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान सिर्फ एक पुरस्कार नहीं, बल्कि कर्मियों की सेवा भावना और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि हजारीबाग एक आकांक्षी जिला है और चौपारण व कटकमदाग आकांक्षी प्रखंडों में लगातार सूचकांकों पर कार्य किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रम न केवल अधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हैं, बल्कि समाज के समग्र विकास की दिशा में प्रेरणा भी देते हैं। कार्यक्रम में जिला परिषद उपाध्यक्ष, डीआरडीए निदेशक, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी, सम्मानित कर्मी एवं अन्य आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे।

जंगली हाथियों के आतंक से कांपे विष्णुगढ़ के ग्रामीण, कई घरों को किया क्षतिग्रस्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड क्षेत्र इन दिनों जंगली हाथियों के आतंक से सहमा हुआ है। बीते दो दिनों से सात हाथियों के झुंड ने इलाके में भारी तबाही मचाई है। गोविंदपुर और भेलवारा पंचायत के कई गांवों में हाथियों ने न केवल घरों को क्षतिग्रस्त किया, बल्कि अनाज, फसल और घरेलू सामान को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। सोमवार को हाथियों के झुंड ने गोविंदपुर इलाके में कई घरों में घुसकर अनाज और खेतों की फसलों को नुकसान पहुंचाया। इसके बाद गुरुवार की शाम करीब छह बजे भेलवारा पंचायत के महुआटांड़ गांव में झुंड ने भुनेश्वर गंझू, नरेश गंझू और प्रकाश गंझू के कच्चे मकानों को ध्वस्त कर दिया। घरों में रखा गेहूं, चावल एवं अन्य खाद्य सामग्री को हाथियों ने खा लिया और फसलें रौंद दीं। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। वनपाल संजीत दास ने बताया कि ग्रामीणों को जंगली जानवरों से सुरक्षित रखने के लिए वन विभाग की टीम सतर्क है। रतजगा कर मशाल और पटाखों के माध्यम से हाथियों को वापस जंगल की ओर खदेड़ने की कोशिश की जा रही है। वहीं भेलवारा की मुखिया लक्ष्मी कुमारी ने कहा कि हाथियों के हमले से कई गरीब परिवारों पर खाद्यान्न संकट और आश्रय की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। तीन परिवार पूरी तरह से बेघर हो गए हैं। मुखिया प्रतिनिधि गंगाधर महतो ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी से पीड़ितों के लिए त्वरित राहत और आवास की व्यवस्था करने की मांग की। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि जंगली हाथियों की बढ़ती गतिविधियों को रोकने के लिए स्थायी समाधान तलाशा जाए। ग्रामीणों की सुरक्षा और पुनर्वास के लिए अब त्वरित सरकारी कार्रवाई की दरकार है, ताकि आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और पीड़ित परिवारों को सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार मिल सके।

खुदरा शराब दुकानों की बंदोबस्ती को लेकर सूचना जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। वित्तीय वर्ष 2025-26 के शेष अवधि के लिए हजारीबाग जिले में खुदरा शराब दुकानों के बंदोबस्ती को लेकर सहायक आयुक्त उत्पाद, हजारीबाग ने महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। जानकारी के अनुसार, जिले की 59 कम्पोजिट (देशी व विदेशी) एवं 3 देशी शराब दुकानों को कुल 28 समूहों में विभाजित कर ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से बंदोबस्त किया जाएगा। इनमें से 6 समूहों में तीन-तीन तथा शेष 22 समूहों में दो-दो खुदरा दुकानें सम्मिलित की गई हैं। सहायक आयुक्त ने बताया कि इस बंदोबस्ती प्रक्रिया के तहत अनुज्ञप्तियाँ संचालन प्रारंभ की तिथि से सामान्यतः 31 मार्च 2030 तक की अवधि के लिए जारी की जाएंगी। हालांकि अनुज्ञप्तियाँ प्रत्येक उत्पाद

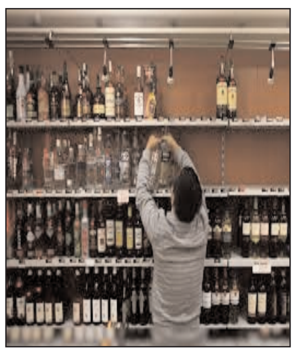

वर्ष या उसके भाग के लिए प्रभावी होंगी, और इनका नवीकरण विभागीय शर्तों की पूर्ति, संतोषजनक संचालन और पूर्व वर्षों में निर्धारित राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति के आधार पर किया जाएगा। जिले के लिए इस अवधि के दौरान कुल 139 करोड़ का राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

हेल्प डेस्क से मिलेगा तकनीकी व प्रक्रिया संबंधी सहयोग

आवेदकों की सुविधा के लिए उत्पाद कार्यालय, हजारीबाग में सात सदस्यीय हेल्प डेस्क का गठन किया गया है। यह हेल्प डेस्क आवेदन प्रक्रिया के सभी चरणों में इच्छुक आवेदकों को मार्गदर्शन, तकनीकी सहायता एवं समस्याओं के त्वरित समाधान में सहयोग करेगा। इच्छुक व्यक्ति कार्यालय अवधि में उत्पाद विभाग, हजारीबाग कार्यालय में उपस्थित होकर हेल्प डेस्क से प्रक्रिया से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि झारखंड उत्पाद नियमावली 2025 के अंतर्गत जिले में खुदरा उत्पाद दुकानों का संचालन 1 सितंबर 2025 से प्रारंभ किया जाएगा। सहायक आयुक्त ने इच्छुक व्यवसायियों से नियत तिथि से पूर्व सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर आवेदन सुनिश्चित करने की अपील की है।

हजारीबाग में उचित मूल्य दुकानदारों का महाधरना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। झारखंड राज्य फ़ेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन के आह्वान पर राज्य के सभी जिलों में शुक्रवार को एक दिवसीय महाधरना आयोजित किया गया। इसी क्रम में हजारीबाग जिला मुख्यालय स्थित उपायुक्त कार्यालय के समक्ष डीलरों ने सुबह 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के पश्चात डीलरों ने उपायुक्त के माध्यम से राज्य सरकार को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। धरने में जिले के सभी प्रखंडों से डीलरों ने एकजुट होकर भाग लिया और कहा कि वर्षों से उचित मूल्य दुकानदारों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने नियमित मानदेय, स्थायीत्व, सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य सुविधाओं की मांग दोहराते हुए कहा कि अगर सरकार शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं करती तो यह आंदोलन और तेज किया

जाएगा।

जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए प्रमुख प्रतिनिधिः

विष्णुगढ़ से टेकोचंद महतो, टाटीझरिया से अरुण सिंह, दारू से राम प्रकाश वर्मा, सदर से धनेश्वर महतो, चुरचू से सुकुल रजक, डाडी से आरती देवी, बड़कागांव से सतेंद्र गुप्ता, केरेडारी से कुंवर साव, कटकमदाग से अरुण राणा, कटकमसांडी से मो. एकराम, इचाक से मनोहर राम, चौपारण से भोला सिंह, बरही से डोमन पांडे, बरकट्ठा से जागेश्वर यादव, चलकुशा से केदार यादव, पदमा से श्याम सुंदर पांडे, एवं शहरी क्षेत्र से चंदन कुमार व अर्चना सिन्हा उपस्थित रहे। धरना सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि सरकार की उदासीनता के कारण उचित मूल्य दुकानदार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। वक्ताओं ने दो टूक कहा कि यदि डीलरों की मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम की अगुवाई हजारीबाग जिला अध्यक्ष एवं झारखंड प्रदेश फ़ेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नंदु प्रसाद ने की। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी भी राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं, बल्कि डीलरों की न्यायोचित मांगों की आवाज है। उन्होंने सरकार से शीघ्र समाधान की अपील की और कहा कि जब तक सकारात्मक निर्णय नहीं आता, संघर्ष जारी रहेगा।

हाथियों के हमले से क्षतिग्रस्त परिवारों को मिला राहत अनाज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

विष्णुगढ़। प्रखंड अंतर्गत गोविंदपुर पंचायत के चितरामो गांव (टोला गिधिनियां) में बीते दिनों सात हाथियों के झुंड ने दो घरों को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया था। इस घटना में मुनिया देवी (पति मोतीलाल मरांडी) और मालती कुमारी (पति छोटू मरांडी) के घरों को भारी नुकसान पहुंचा। हाथियों ने दोनों घरों में रखे सभी अनाज को नष्ट कर दिया, जिससे परिवारों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया था। घटना की जानकारी मिलते ही प्रखंड उपप्रमुख एवं झारखंड लेबर कल्याण मंच (जेएलकेएम) के जिलाध्यक्ष सरयू साव ने तुरंत संज्ञान लेते हुए प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी पीयूष सिन्हा से संपर्क कर पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की। सरयू साव की पहल पर जनप्रणाली विक्रेता टेकलाल महतो की दुकान से दोनों पीड़ित परिवारों को 35-35 किलो अनाज उपलब्ध कराया गया। इस त्वरित सहयोग से दोनों परिवारों को बड़ी राहत मिली है। इस मानवीय सहायता के लिए पीड़ित परिवारों ने प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी पीयूष सिन्हा एवं प्रखंड उपप्रमुख सरयू साव के प्रति आभार जताया। सरयू साव ने कहा कि संकट की घड़ी में पीड़ितों के साथ खड़ा रहना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि वन्यजीवों के बढ़ते हमलों को देखते हुए स्थायी समाधान की दिशा में भी शीघ्र पहल की जाए।

मतदान केंद्रों के नजरी नक्शा को लेकर बीएलओ व पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बड़कागांव (हजारीबाग)। बड़कागांव प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार भवन में मंगलवार को अंचल प्रशासन की ओर से एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण आगामी चुनावी प्रक्रिया के तहत मतदान केंद्रों के नजरी नक्शा एवं क्षेत्रीय सीमांकन को लेकर बीएलओ और पर्यवेक्षकों को दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान कंप्यूटर ऑपरेटर शशि कुमार और अमीन नरेंद्र कुमार महतो ने प्रतिभागियों को मेजर मैप ऐप के माध्यम से कार्य करने की विस्तृत जानकारी दी। बताया गया कि ऐप के माध्यम से मतदान केंद्रों के भौगोलिक क्षेत्र का सीमांकन सटीक रूप से किया जाएगा, जिससे मतदाता सूची एवं क्षेत्र निर्धारण में पारदर्शिता बनी रहे। प्रखंड क्षेत्र में कुल 127 मतदान केंद्र हैं, जिनके लिए 127 बीएलओ नियुक्त किए गए हैं। इनके पर्यवेक्षण हेतु 13 पर्यवेक्षक नामित किए गए हैं। प्रशिक्षण में बताया गया कि पूर्व में तैयार किए गए नजरी नक्शा एवं कीमैप को मेजर ऐप पर अपलोड कर डिजिटल फॉर्मेट में सहेजना अनिवार्य है।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित कर्मियों को कार्य के प्रति संवेदनशील रहते हुए सटीक और समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मनीष कुमार पाठक, भास्कर राज, इंदु कुमारी, किरण कुमारी, बेबी देवी, खुश नारायण मेहता, मोहम्मद हकीम, पुष्पा कुमारी सिन्हा, पूनम देवी, जयंती कुमारी, आशा रानी, कुमकुम पुष्पांजलि, स्मिता राणा, कांति देवी, धनेश्वरी देवी, ममता कुमारी, शबनम बेगम, रुखसाना परवीन, नूतन कुमारी, मंजुला राणा, मेहर खातून, मीना कुमारी सहित अन्य बीएलओ एवं पर्यवेक्षक उपस्थित थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम शांति और व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ तथा सभी प्रतिभागियों ने तकनीकी पहलुओं को गहराई से समझने में रुचि दिखाई।

कर्नाटक में गोविंदपुर के प्रवासी मजदूर शनीचर मरांडी की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत गोविंदपुर पंचायत के चितरामों गांव (टोला गिधिनियां) निवासी 59 वर्षीय प्रवासी मजदूर शनिचर मरांडी की मौत गुरुवार को कर्नाटका के काकीनाडा में हो गई। वे रोजगार के सिलसिले में काकीनाडा में ट्रांसमिशन लाइन प्रोजेक्ट में कार्यरत थे। परिजनों के अनुसार, कार्य के दौरान अचानक हृदयगति रुकने से उनकी मौत हुई। इस हृदयविदारक घटना की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिवार में कोहराम मचा है। मृतक की पत्नी पार्वती देवी और सात बच्चे बेसहारा हो गए हैं। घर में मातम का माहौल है, और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अब पूरे परिवार के समक्ष भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही विष्णुगढ़ के उपप्रमुख एवं झारखंड प्रदेश भाजपा के जिलाध्यक्ष सरयु साव पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और परिजनों को ढाढ़स बंधाया। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है और सरकार को प्रवासी मजदूरों के हित में तुरंत कदम उठाने की जरूरत है।

एनटीपीसी कट-ऑफ विवाद : 53वें दिन जारी युवा विस्थापितों का आंदोलन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। एनटीपीसी की कोल माइंस परियोजना में विस्थापितों के लिए निर्धारित कट-ऑफ डेट (2016) के खिलाफ युवा विस्थापित संघर्ष समिति के नेतृत्व में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना शुक्रवार को 53वें दिन में प्रवेश कर गया। यह धरना 13 माइल के समीप लगातार जारी है, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय विस्थापित युवा शामिल हैं। आंदोलनकारी युवाओं का कहना है कि परियोजना के कट-ऑफ वर्ष को लेकर वर्षों से असमंजस की स्थिति बनी हुई है। विस्थापितों को रोजगार और पुनर्वास से वंचित रखा जा रहा है। समिति ने अब तक जिला प्रशासन, एनटीपीसी प्रबंधन, राज्य सरकार और अन्य संबंधित संस्थानों को कई बार ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें रखी हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। समिति ने प्रेस को जानकारी देते हुए कहा कि अब आंदोलन को और तेज किया जाएगा। यदि शीघ्र सुनवाई नहीं हुई, तो धरना स्थल से निकलकर आंदोलन को मुख्य सड़क पर लाया जाएगा, जिससे सरकार और प्रशासन को मजबूरन उनकी बात सुननी पड़े। इस बाबत राज्य, जिला, प्रखंड और कंपनी के सभी संबंधित अधिकारियों को आंदोलन के अगले चरण की अग्रिम सूचना एवं आवेदन भेज दिए गए हैं।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : एसएएनडीटी/सीओएन/एचडब्ल्यूएच/टीएन/11/2025, दिनांक 31.07.2025, उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (निर्माण), पूर्व रेलवे, हावड़ा, 371, तेलकल घाट रोड, हावड़ा-711101 द्वारा उचित वित्तीय क्षमता एवं पर्याप्त अनुभव के साथ वैध ठेकेदार का लाइसेंस रखने वाले अनुभवी सिग्नलिंग एवं टेलीकम्यूनिकेशन ठेकेदारों, पार्टनरशिप फर्म आदि से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित की जाती हैः **निविदा सं. : एसएएनडीटी-सीओएन-11-2025-एचडब्ल्यूएच, कार्य का नामः** पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल में दुर्गापुर कोक ओवन प्लांट और दुर्गापुर के बीच 5वीं लाइन के कार्य के संबंध में दुर्गापुर कोक ओवन प्लांट में इंलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य। **अनुमानित निविदा मूल्य :** रु.26,49,63,489.91, **बयाना राशि जमा:** रु.14,74,800/- जो एफए एंड सीएओ/कॉन/पूर्व रेलवे/कोलकाता के पक्ष में जमा की जाएगी। **निविदा कागजात का मूल्य:** रु.0.00, (1) प्रस्ताव और बयाना राशि की वैधता निविदा के खुलने की तिथि से 90 दिन रहनी चाहिए। (2) **निविदा की अंतिम तिथि और समयः** दिनांक 22.08.2025 को 11.00 बजे। (3) **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। निविदा कागजात वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है एवं इस निविदा के लिए उल्लिखित अंतिम तिथि और समय पर या उससे पूर्व वर्णित "निविदा कागजात की लागत" एवं "बयाना राशि" के ऑनलाइन भुगतान के बाद बोली उक्त वेबसाइट पर जमा की जा सकती है। इस निविदा के लिए हर पहलू से संपूर्ण निविदा, ऊपर वर्णित सभी कागजातों के साथ **www.ireps.gov.in** पर अपलोड की जानी चाहिए। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं इस प्रकार प्राप्त किसी मैनुअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। निविदा कागजात, निविदा सूचना का विवरण, समय-समय पर जारी शुद्धिपत्र (यदि कोई है) एवं अन्य बुनियादी जानकारी **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। विस्तृत निविदा सूचना उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (निर्माण), पूर्व रेलवे, 371, तेलकल घाट रोड, हावड़ा-711101 के सूचना पट पर भी देखा जा सकता है।

CON-31/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

जल संरक्षण व प्रदूषण उन्मूलन पर छात्रों के प्रोजेक्ट को जिला स्थापना दिवस पर मिली सराहना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जिला स्थापना दिवस के अवसर पर नगर पंचायत घोसी क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में छात्रों द्वारा प्रस्तुत प्रोजेक्टों ने सबका ध्यान आकर्षित किया। विशेष रूप से आदर्श मध्य विद्यालय घोसी के कक्षा अष्टम के तीन छात्रों–अंगद कुमार, समीर पाण्डेय और पवन कुमार–द्वारा जल संरक्षण और प्रदूषण उन्मूलन विषय पर तैयार किए गए प्रोजेक्ट को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। प्रतियोगिता के उपरांत नगर पंचायत कार्यालय में एक सादे समारोह में कार्यपालक पदाधिकारी अन्नु कुमारी ने तीनों छात्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रोजेक्ट न केवल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता

का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि नई पीढ़ी अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति सजग है।

कार्यपालक पदाधिकारी ने कहा आप सभी का कार्य आपके विचारों, भावनाओं और कल्पनाओं को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है। ऐसी रचनात्मक गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं।

इस अवसर पर नगर स्वच्छता पदाधिकारी सिमरन कुमारी, शिक्षक बचन देव कुमार, कार्यालय कर्मी दीनानाथ कुमार समेत कई शिक्षक, अभिभावक और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रतिभागी छात्रों का उत्साह देखते ही बनता था।

धूमधाम से मना 39वां जिला सृजन दिवस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जिले के स्थापना की 39वीं वर्षगांठ पर जहानाबाद में सृजन दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अब्दुल बारी नगर भवन में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से पूरा माहौल उल्लासमय हो उठा। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडेय, पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार, स्थानीय विधान परिषद एवं विधानसभा सदस्यों की उपस्थिति में हुआ। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की गई। इस अवसर पर डीएम अलंकृता पांडेय ने जिले में चल रहे विभिन्न विकास योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण, कृषि और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में जिला प्रशासन ने कई उल्लेखनीय पहल की हैं। उन्होंने आम नागरिकों से भी जिले के विकास में भागीदारी की अपील की। जिले की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता की झलक कार्यक्रमों में साफ दिखाई दी। सृजन दिवस पर जिले के कई विभागों द्वारा प्रदर्शनी और जागरूकता शिविर भी लगाए गए थे, जिससे लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी मिली। जहानाबाद जिला सृजन दिवस के अवसर पर स्वयं सेवी संस्था रक्त सेवा जहानाबाद द्वारा एक महत्वपूर्ण रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, 11 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया, रक्तदान करने के लिए 15 लोग पहुंचे जिसमें से 11 लोगों का रक्त सेवा के लिए अनमोल योगदान मिला। रक्तदान करने वालों में अमन कौशिक, ममता प्रिया, सौरभ कुमार, सचिन कुमार, अमित कैप्टन, धनंजय कुमार, अमित सिन्हा, सर्वोदय कुमार, आदर्श कुमार, राजीव कुमार ने अपना अमूल्य रक्त दान किया। ब्लड बैंक प्रभारी, डॉक्टर अमर कुमार ने इस अवसर पर कहा, रक्तदान एक महान कार्य है और यह समाज के हर नागरिक की जिम्मेदारी बनती है। रक्त सेवा के अमन कौशिक ने बताया कि यह रक्तदान शिविर खास तौर पर थैलीसीमिया से ग्रसित बच्चों के लिए आयोजित किया गया है।

बच्चे की नहर में डूबने से मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। हुलासगंज थाना क्षेत्र के गिदरपुर गांव में गुरुवार की शाम एक दर्दनाक हादसे में तीन वर्षीय मासूम हर्ष राज की नहर में डूबने से मौत हो गई। अचानक हुई बारिश के बीच यह हादसा पूरे गांव को गमगीन कर गया। परिजनों के अनुसार गुरुवार की देर शाम बारिश शुरू होते ही सभी लोग छत पर सूख रहे कपड़े समेटने दौड़े। इसी बीच मासूम हर्ष राज घर से बाहर निकल गया और अचानक लापता हो गया। जब काफी देर तक खोजबीन के बाद भी वह नहीं मिला तो परिजनों को शक हुआ कि कहीं पास की नहर में तो नहीं गिर गया। कुछ घंटे तलाश किये जाने के बाद गांव के पास की नहर में ही बच्चे का शव मिला, जिसे देख परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आवश्यक प्रक्रिया के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है।

नदी में गिरकर पेंटर की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जहानाबाद के जाफरगंज पुल से गिकर युवक की नदी में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान 30 वर्षीय गुलाम शाहिद के रूप में हुई है। शाहिद गुरुवार को भी अपने काम से लौट रहा था। जाफरगंज पुल पर रुका, जहां वह हाथ-मुंह धोने लगा और पुल पर रेलिंग नहीं थी और जलस्तर भी सामान्य से ऊपर था। इसी बीच उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे तेज बहाव वाली नदी में जा गिरा। स्थानीय लोगों ने काफी प्रयास कर उसे बाहर निकाला और अस्पताल भी पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कोहरा गांव से पुलिस ने शराब की बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मखदुमपुर (जहानाबाद)। जिले के टेहटा थाना की पुलिस ने पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शराबबंदी कानून को सफल बनाने के उद्देश्य से अवैध रूप से शराब का कारोबार कर रहे लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कोहरा गांव में छापेमारी कर टुनटुन चौधरी के घर से 65 लीटर शराब बरामद किया है। जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शराबबंदी कानून को सफल बनाने के उद्देश्य से छापेमारी की जा रही है। उसी को लेकर कोहरा गांव में छापेमारी की गई जिसमें टुनटुन चौधरी के घर से 65 लीटर शराब बरामद किया गया। साथ ही उन्होंने बताया कि पुलिस को आता देख कारोबारी भागने में सफल रहा जिसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जल्द उसकी गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

वाहन जांच अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मखदुमपुर (जहानाबाद)। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर टेहटा थाना ने सड़कों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान वाहन चालकों की डिक्की, हेलमेट, सीटबेल्ट, ड्राइवरी लाइसेंस एवं अन्य कागजातों की जांच की गई। जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रत्येक दिन थाना क्षेत्र में वाहन जांच किया जा रहा है।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं. एडीवीटी/एएसएन/एमडीपी/ओएसएन/ग्लोसाइन दिनांक 29.07.2025

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण निम्नानुसार है:

कैटलॉग संख्या : एडीवीटी-एएसएन-एमडीपी-ओएस

नीलामी शुरू होने की तिथि और समय:13.08.2025 को 12.00 बजे। क्रम सं.: एए/1, लॉट सं.: एडीवीटी-एएसएन-एमडीपी-ओएसएन-120-23-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन-डिजिटल)), **विवरणः** मधुपुर स्टेशन के अंदर बैकलिट/ग्लो साइन के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन के लिए अनुबंध (क्षेत्रफल-420 वर्गफीट)। अनुबंध की अवधि तीन वर्ष है। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को उपर्युक्त सूची के अनुसार उक्त ई-नीलामी के लिए संपूर्ण विवरण एवं भाग लेने हेतु वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है।

ASN-141/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 01-08-2025 21:42 Page 1

पिस्तौल की नोक पर यात्री से लूटपाट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। जिले के गिद्धौर रेलवे स्टेशन में लूटपाट की घटना सामने आई है, जहां अपराधियों ने दिन दहाड़े एक रेल यात्री से पिस्तौल की नोक पर लूटपाट की। घटना शुक्रवार शाम चार बजे के आसपास गिद्धौर बाजार की बताई जा रही है। पीड़ित रेल यात्री की पहचान जीत-झिंगोई के सरसा टोला निवासी सुनील चौधरी के रूप में हुई है। पीड़ित ने घटना को लेकर पुलिस से लिखित शिकायत की है।

सुनील चौधरी ने बताया कि वह तमिलनाडु से शनिवार की सुबह टाटानगर जंक्शन पहुंचा था और वहां से टाटानगर दानापुर एक्सप्रेस में सवार होकर दिन के 3:30 बजे गिद्धौर रेलवे स्टेशन पर उतरा। उस वक्त बारिश हो रही थी। पीड़ित ने बताया कि वह अपना समान लेकर गिद्धौर रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ा था, तभी दो व्यक्ति आए और मुझसे पूछा कि कहां जाना है और कोई साथ में है क्या?

अपराधियों के सवाल पर सुनील ने कहा उसे हरदीमोह तक जाना है, तो उन दोनों ने कहा कि बारिश में आटो मिलना मुश्किल है, मैं आपको गिद्धौर बाजार तक छोड़ सकता हूं। इसी बीच एक सफेद रंग की आल्टो कार पास आकर रुकी। जब आरोपी उस कार में बैठे, तो पीड़ित भी अपना सामान लेकर उनकी कार में बैठ गया

पीड़ित ने बताया कि स्टेशन परिसर से बाहर निकलते ही मेरे पीछे बैठे व्यक्ति ने अपने पास से पिस्तौल निकाल मेरे सिर पर सटा कर गोली मार देने की धमकी देते हुए सारा सामान और पैसा देने की बात कही। उसने बताया कि पिस्तौल अपने सिर के ऊपर तना देख मैं अपना बैग व उसमें रखा 22 हजार रुपया, दो मोबाइल फोन, एक सोने की चैन, अंगूठी उन लोगों को दे दी।

यही नहीं आरोपियों ने मोबाइल फोन का लाक खुलवाकर अकाउंट से भी आठ हजार रुपए अपने मोबाइल नंबर पर ट्रांसफर करवा लिया और सारा सामान लूट लिया. इसके बाद सुनील को गिद्धौर बाजार स्थित बजरंग बली चौक पर उतारकर गिद्धौर अस्पताल की तरफ जाने वाली सड़क की ओर भाग निकले।

गाड़ी से उतरते वक्त भी उन लोगों ने हल्ला करने पर गोली मार देने की धमकी दी।

नदी में डूबकर मजदूर की मौत

जहानाबाद ।जिला मुख्यालय से होकर गुजरने वाली दरधा नदी में शुक्रवार को एक मजदूर की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मृतक की पहचान जाफरगंज मोहल्ला निवासी मो. गुलाब के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मो. गुलाब सुबह शौच के लिए नदी किनारे गया था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। स्थानीय लोग उसे बचाने दौड़े, लेकिन तब तक वह पानी में डूब चुका था। काफी मशक्कत के बाद लोगों ने नदी से उसका शव बाहर निकाला और इलाज के लिए सदर अस्पताल जहानाबाद पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और मोहल्लेवासी अस्पताल पहुंच गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने कई बार प्रशासन से गोताखोर बुलाने की मांग की, लेकिन समय पर मदद नहीं मिली।

भाजपा की पंचायत कार्यशाला संपन्न, 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' पर रहा जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। भारतीय जनता पार्टी शिवाजीनगर उत्तरी मंडल के अंतर्गत दहियार रन्ना पंचायत के रन्ना ग्राम स्थित दुर्गा स्थान में शुक्रवार को पंचायत स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पंचायत अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सुमन ने की। बैठक का उद्देश्य भाजपा कार्यकर्ताओं को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देना तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार करना था।

बैठक की शुरूआत मेरा बूथ सबसे मजबूत के नारे के साथ हुई। जिसे लेकर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यशाला में भाजपा द्वारा निर्धारित 12 सूत्री कार्यक्रम पर भी विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने, जनसंपर्क अभियान चलाने, लाभार्थियों से संपर्क बनाए रखने तथा सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुँचाने जैसे मुद्दे शामिल रहे।

कार्यशाला में प्रमुख रूप से सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना, बूथ प्रबंधन और संगठनात्मक मजबूती नए मतदाताओं को जोड़ने की रणनीति, लाभार्थियों के अनुभव साझा कर प्रचार अभियान को बल देना शामिल रहा। कार्यशाला में उपस्थित मुख्य नेताओं में शामिल थे:शिवाजीनगर उत्तरी मंडल अध्यक्ष सरोज कुमार, मंडल मंत्री बूटन सिंह कुमार कार्यकर्ता प्रभाकर, आकाश कुमार, पिंटू कुमार, रामचंद्र सिंह पूज्य बाबा रामकृष्ण दास महाराज, जिनका आशीर्वचन सभी कार्यकर्ताओं को मिला साथ ही, सभी बूथ अध्यक्ष भी इस कार्यशाला में मौजूद रहे।बैठक का माहौल पूरी तरह संगठनात्मक ऊर्जा से भरा हुआ था। वक्ताओं ने कहा कि 2025 के आगामी चुनावों को देखते हुए बूथ स्तर पर मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी ही भाजपा की सफलता की कुंजी होगी। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। यह कार्यशाला पार्टी की जमीनी स्तर पर पकड़ को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

एम्स के डाक्टरों का विरोध प्रदर्शन जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। एम्स में इलाज कराने पहुंचे विधायक और उनके सुरक्षाकर्मियों द्वारा रेजिडेंट डॉक्टरों और सुरक्षा गार्ड पर कथित हमले के विरोध में रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने बड़ा कदम उठाया है। डॉक्टरों ने सभी वैकल्पिक (इलेक्टिव) सेवाओं को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया है और मांगें पूरी नहीं होने की स्थिति में आपात सेवाएं भी ठप करने का एलान किया। रेजिडेंट डॉक्टर अचानक हड़ताल पर चले गए। इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। डॉक्टरों ने विधायक चेतन आनंद पर मारपीट और दुर्व्यवहार का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जब तक आरोपी विधायक के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती और वे माफी नहीं मांगते, तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी। रेजिडेंट डॉक्टर्स द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि यह निर्णय उन्होंने मजबूरी में लिया है, क्योंकि घटना के बाद अब तक न तो एफआईआर दर्ज की गई है और न ही प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई की गई है।

इधर, एम्स पटना के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने विधायक चेतन आनंद के खिलाफ प्रदर्शन किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि वह और उनकी पत्नी डॉ. आयुषी सिंह, साथ में उनके सशस्त्र गार्ड्स, अस्पताल परिसर में जबरन प्रवेश कर गए, सुरक्षा स्टाफ पर शारीरिक हमला किया, रेजिडेंट डॉक्टरों को मौत की धमकी दी और अस्पताल के क्षेत्र में एक आग्नेयास्त्र दिखाया। डॉ. शिशिर ने कहा कि डॉक्टर को धमकाना गलत है। विधायक को माफी मांगनी चाहिए। हम समाज की सेवा करने के लिए यहां हैं। उसे माफी मांगनी चाहिए। अन्यथा, हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा। मामले में फैकल्टी एसोसिएशन ऑफ एम्स पटना की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि फैकल्टी एसोसिएशन ने जूनियर डॉक्टरों के साथ निर्णय लिया कि यदि दोषियों के विरुद्ध अविलंब कार्रवाई नहीं हुई तो वह आंदोलन करेंगे।

देवर संग रचाई शादी

मुजफ्फरपुर। जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक शादीशुदा महिला ने देवर-भाभी के रिश्ते की मर्यादा को तोड़ते हुए अपने देवर के साथ प्रेम विवाह कर लिया। यह मामला जिले के मनियारी थाना क्षेत्र अंतर्गत हरिशंकर मनियारी गांव का है। जानकारी के अनुसार, रिंकू देवी नामक महिला की शादी वर्ष 2004 में सकरा थाना क्षेत्र के गोवर्धनपुर गांव निवासी गरीब नाथ राम से हुई थी। रिंकू देवी दो बेटों की मां हैं, लेकिन अब 40 वर्ष की उम्र में उन्होंने अपने ही 20 वर्षीय देवर रोहित कुमार के साथ प्रेम विवाह कर लिया।

पति गरीब नाथ राम ने आरोप लगाया कि कुछ दिन पहले रिंकू देवी मायके जाने की बात कहकर घर से निकली थीं। वह मायके तो पहुंचीं लेकिन फिर लौटकर नहीं आईं। इसके बाद वह देवर रोहित के साथ फरार हो गईं और साथ में अपने दो साल के बेटे को भी लेकर चली गईं। गरीब नाथ ने आरोप लगाया कि रिंकू देवी जाते-जाते घर में रखे नगदी और जेवरात भी अपने साथ ले गईं। उन्होंने कहा, ₹अब मेरे पास केवल पत्नी और बच्चों की पुरानी तस्वीरें और पुलिस थाने की रसीद बची है।₹ फिलहाल इस मामले में पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है और जांच की प्रक्रिया जारी है।

रेलवे क्वार्टरों की हालत जर्जर, कर्मचारियों की बढ़ी परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। एक ओर रेलवे विभाग आधुनिक ट्रेनों और तकनीकी सुविधाओं की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा है, वहीं दूसरी ओर उसके अपने कर्मचारियों के रहने की स्थिति दयनीय होती जा रही है। स्थानीय रेलवे ने तीन कॉलोनी को तोड़ दिया, जिसमें जर्जर हालत में हो चुके बाबू कालोनी, बिहारी मिल कालोनी, माल गोदाम कॉलोनी में बसे रेलवे कर्मी को हटा दिया गया। आरा जंक्शन के पास महाराजा हाता क्वार्टरों की छतों से लगातार पानी टपकने की समस्या सामने आई है, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश के मौसम में हालात और भी गंभीर हो गए हैं। कई क्वार्टरों में टपकते पानी के कारण दीवारों में सीलन, फर्श पर गंदा पानी और बिजली उपकरणों को करंट का खतरा बना हुआ है।

रेलवे प्रशासन मौन, कर्मचारियों में रोष

आरा जंक्शन पर बने सबसे चिंताजनक स्थिति टीटीई रूम की है, जहां रेल कर्मचारी विश्राम करते हैं। वहां की छत से भी पानी टपक रहा है, जिससे विश्राम के बजाय कर्मचारी परेशान हो रहे हैं। रेल कर्मचारियों की मांग है कि तत्काल मरम्मत हो जी पल्स तीन या चार का फ्लैट बनाने की योजना कई साल से लंबित पड़ी हुई है।

जिसके कारण बारिस में रात भर उठना पड़ता है और सुबह ड्यूटी जानी पड़ती है। रेलवे क्वार्टरों में रहने वाले कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने कई बार रेलवे प्रशासन से मरम्मत की मांग की, लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिला है। एक कर्मचारी ने बताया, हम हर दिन रिसते हुए पानी के साथ जी रहे हैं। पंखे, स्विचबोर्ड और वायरिंग पूरी तरह भीग चुके हैं। कभी भी हादसा हो सकता है।

रेलवे कर्मचारियों के परिवार, खासकर बच्चे और बुजुर्ग, इस स्थिति से बुरी तरह प्रभावित हैं। कई लोगों को फर्श पर प्लास्टिक की चादर बिछाकर सोना पड़ता है। बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है।

महिलाएं दिन भर बाल्टी और तसली लेकर पानी समेटने में लगी रहती हैं।

अभी तक रेलवे प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय यूनियन मनोज पांडेय सहित नेताओं ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ, तो वे आंदोलन और हर घर के माध्यम से आवाज उठाने को मजबूर होंगे।

गंगा के बढ़ते जलस्तर ने बढ़ायी लोगों की चिंता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। गंगा के जलस्तर में चौथी बार अचानक हो रही वृद्धि ने सिमरी प्रखंड के दियारा क्षेत्र के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर श्रीकांत राय के डेरा गांव की स्थिति अत्यंत भयावह हो चुकी है। बाढ़ के पानी से पूरा गांव चारों ओर से घिर गया है, जिससे बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा है। अब ग्रामीणों का आवागमन पूरी तरह नावों पर निर्भर हो गया है।

स्थानीय पंचायत के पूर्व बीडीसी कृष्ण कुमार यादव, सुरेश कुमार व मनजी यादव समेत अन्य ने बताया कि न सिर्फ लोग, बल्कि मवेशी भी गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। उधर बड़कागांव से लेकर केशोपुर तक गंगा का पानी अब बक्सर-कोईलवर तटबंध तक पहुंच गया है तथा इसका प्रवाह अब मैदानी भाग की ओर तेजी से बढ़ रहा है। परसनपाह पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव के अनुसार, गुरुवार की रात से

नावों पर ही निर्भर हैं ग्रामीण

जलस्तर में अत्यधिक तेजी दर्ज की गई है। अगर यह रफ्तार यूं ही बनी रही, तो अगले तीन-चार दिनों में दियारा का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो जाएगा।

गंगा के किनारे बसे गुरुदेव नगर, भिक्षु के डेरा, दादाबाबा के डेरा, बेनीलाल के डेरा, टेकमन के डेरा, लाल सिंह के डेरा, सुचित के डेरा, बिगु के डेरा, गर्जन पाठक के डेरा और तिलक राय के हाता के लोग डरे हुए हैं। उन्हें हर समय आशंका है कि कब उनका घर पानी से घिर जाए। गंगौली-जनेश्वर मिश्र सेतु मुख्य मार्ग तथा तवकल राय के डेरा से गुरुदेव आश्रम जाने वाली सड़क पर पानी चढ़ जाने से आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। गंगौली के पास प्रशासन ने खतरे का संकेतक बोर्ड लगा दिया है, जबकि कुछ लोग अब भी जान जोखिम में डालकर उस रास्ते से गुजर रहे हैं, जिनमें छोटे बच्चे भी शामिल हैं।

दो शिक्षकों के भरोसे 232 छात्रों का भविष्य

हाल पीएम श्री विद्यालय योजना का

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। शाम्हो के कल्याण सिंह प्लस टू विद्यालय को केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम श्री विद्यालय योजना' के तहत चुना गया है। इस सत्र में कक्षा छठी से आठवीं तक के 232 बच्चों का नामांकन मध्य विद्यालय सरलाही से स्थानांतरित कर इस विद्यालय में किया गया है।

हालांकि, नाम के अनुरूप विद्यालय से लाभ अब तक बच्चों को नहीं मिल पा रहा है। न तो आधारभूत संसाधन दिया गया है और न ही शिक्षकों की संख्या ही बढ़ाई गई है। आखिर पठन-पाठन की गुणवत्ता तो अच्छे शिक्षकों के पदस्थापना से ही संभव है। जो अब तक विभागीय स्तर से नहीं हो पाया है।

विद्यालय में केवल दो शिक्षक हैं. जिसमें से एक सामाजिक विज्ञान एवं एक गणित विषय के हैं। दो ही शिक्षक विद्यार्थी के बड़े समूह को संभाल रहे हैं। मसलन यूं कहें कि बच्चों को विद्यालय में केवल रोककर रख रहे हैं।

प्रभारी प्राचार्य राजेश सिंह ने बताया कि एमडीएम योजना शुरू नहीं हो सकी है। चूंकि रसोइया की नियुक्ति और रसोई के लिए बर्तन-चूल्हे आदि की भी खरीद नहीं हो सकी है। इसके अलावा, बच्चों के लिए किताबें, बेंच, डेस्क, प्रयोगशाला उपकरण जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं।

वर्तमान में विद्यालय के पुराने भवन में ही पीएम श्री के बच्चों की कक्षाएं जैसे-तैसे चल रही है। जबकि पहले से ही उच्च और प्लस टू कक्षाओं के लिए भवन की कमी थी। इस संबंध में जब प्रखंड शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने सवाल सुनते ही फोन काट दिया।

स्थानीय अभिभावकों में विद्यालय की स्थिति को लेकर असंतोष व्याप्त है। पीएम श्री विद्यालय योजना का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, लेकिन संसाधन और शिक्षकों की कमी के कारण यह विश्वसनीयता खो रहा है।

जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी और सुविधाओं की कमी इस योजना को केवल कागजी बनाकर छोड़ दिया है। यह स्थिति न केवल बच्चों की शिक्षा पर सवाल उठाती है, बल्कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना की जमीनी हकीकत को भी उजागर करती है।

अनियंत्रित वाहन की ठोकर से बाइक सवार गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कैमूर। जिले के दुर्गावती थाना क्षेत्र अंतर्गत कर्मनाशा पावर ग्रिड के समीप शुक्रवार को एक तेज रफ्तार अनियंत्रित वाहन ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल दुर्गावती प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

घायल युवक की पहचान उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के सैदराजा थाना क्षेत्र के बाबूलाल यादव, पिता सखी लाल यादव के रूप में हुई है। दुर्गावती पीएचसी की महिला चिकित्सक डॉ. कल्पना सिंह ने बताया कि घायल को पुलिस द्वारा अस्पताल लाया गया था। वह अचेत अवस्था में था और प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर किया गया।

अब सहरसा में भी 'डॉग बाबू' के निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सहरसा। प्रखंड कार्यालय में अज्ञात व्यक्ति द्वारा गलत तरीके से निवास प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन दाखिल करने का मामला सामने आया है। सिमरीबख्तियारपुर प्रखंड कार्यालय के आरटीपीस में ऐसा पहली बार हुआ, जब किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा गलत तरीके से डॉग बाबू के नाम से निवास प्रमाण-पत्र बनाने के लिए आवेदन दाखिल कर दिया।

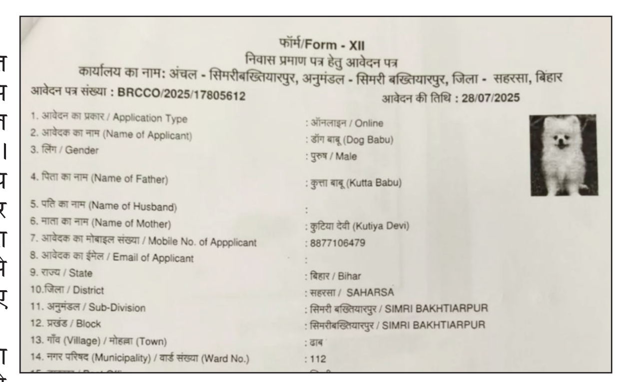

फॉर्म/Form - XII
निवास प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र
कार्यालय का नाम: अंचल - सिमरीबख्तियारपुर, अनुमंडल - सिमरी बख्तियारपुर, जिला - सहरसा, बिहार
आवेदन पत्र संख्या : BRCCO/2025/17805612 आवेदन की तिथि : 28/07/2025

1. आवेदन का प्रकार / Application Type	: ऑनलाइन / Online
2. आवेदक का नाम (Name of Applicant)	: डॉग बाबू (Dog Babu)
3. लिंग / Gender	: पुरुष / Male
4. पिता का नाम (Name of Father)	: कुत्ता बाबू (Kutta Babu)
5. पति का नाम (Name of Husband)	:
6. माता का नाम (Name of Mother)	: कुटिया देवी (Kutiya Devi)
7. आवेदक का मोबाइल संख्या / Mobile No. of Appplicant	: 8877106479
8. आवेदक का ईमेल / Email of Applicant	:
9. राज्य / State	: बिहार / Bihar
10.जिला / District	: सहरसा / SAHARSA
11. अनुमंडल / Sub-Division	: सिमरी बख्तियारपुर / SIMRI BAKHTIARPUR
12. प्रखंड / Block	: सिमरीबख्तियारपुर / SIMRI BAKHTIARPUR
13. गाँव (Village) / मोहल्ला (Town)	: ढाब
14. नगर परिषद (Municipality) / वार्ड संख्या (Ward No.)	: 112

हालांकि जब जांच में इसका खुलासा हुआ तो सीओ शुभम वर्मा ने बख्तियारपुर थाना में लिखित आवेदन देकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाया है। थाना में दिए आवेदन में उन्होंने कहा है कि अंचल कार्यालय सिमरीबख्तियारपुर अंतर्गत निवास प्रमाण-पत्र बनाने के लिए गत सोमवार को एक आवेदन प्राप्त हुआ है।

इस आवेदन का नंबर 2025/17805612 है. इसमें आवेदक का नाम डाग बाबू, लिंग पुरुष, पिता का नाम कुत्ता बाबू, माता का नाम कुटिया देवी, मोबाइल नंबर 8877106479 साकिन ढाब, नगर परिषद वार्ड संख्या 112 सिमरी, थाना अंचल सिमरीबख्तियारपुर और पिन कोड 852127 अंकित किया गया है।

उन्होंने कहा है कि आवेदक द्वारा किये गए आवेदन में दस्तावेज के रूप में आधार कार्ड संलग्न किया गया है। जिसका आधार संख्या 292405675494 है। उन्होंने कहा है कि आवेदक द्वारा किये गए आवेदन से प्रतीत होता है कि अंचल कार्यालय के कर्मी को परेशान एवं अंचल कार्यालय की छवि धूमिल करने के लिए आवेदन किया गया है।

इस संबंध में एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। प्राप्त आवेदन के आलोक में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करते हुए पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

अब प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों के कार्यों की होगी समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में स्कूली शिक्षा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन करने वाले सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों (बीईओ) के कार्यों की समीक्षा होगी। हर जिले में जिलाधिकारी द्वारा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों के कार्यों और उनकी उपलब्धियों की समीक्षा होगी। जिनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं होगा वैसे बीईओ प्रभार मुक्त होंगे या उनके प्रभार बदले जाएंगे।

इस संबंध में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने शुक्रवार को सभी जिलाधिकारियों को आदेश दिया। यह आदेश उन्होंने शिक्षा विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा में प्राप्त फीडबैक के आधार पर दिया है।विगत 25 जुलाई को अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने शिक्षा विभाग द्वारा चलायी जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की थी।

इस समीक्षा में जिला शिक्षा पदाधिकारियों ने अपर मुख्य सचिव को बताया कि कतिपय प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों द्वारा लक्ष्यों के प्रभावी अनुश्रवण एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के अपने दायित्वों का निर्वहन ठीक ढंग से नहीं किया जा रहा है।

इसे गंभीरता से लेते हुए अपर मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को आदेश दिया है कि जिला शिक्षा पदाधिकारी के साथ बैठक कर सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों के कार्यों एवं उपलब्धियों की समीक्षा कर लें। यदि इनके प्रभार में किसी प्रकार की परिवर्तन की आवश्यकता हो तो कार्यहित में इस पर तत्काल कार्रवाई करें।बता दें कि राज्य में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के पद प्रखंड स्तरीय हैं, लेकिन 534 प्रखंडों में से 50 प्रतिशत से ज्यादा प्रखंडों में बीईओ के पद खाली हैं। इन प्रखंडों के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी का प्रभार जिले के दूसरे विभागों के अधिकारियों के जिम्मे है।

कुख्यात धराया

खगड़िया। जिले की पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। एसपी राकेश कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 50,000 के इनामी और कुख्यात अपराधी बौकू शर्मा उर्फ उपेंद्र शर्मा को पटना और पसराहा थाना की संयुक्त कार्रवाई में महेशखूंट चौक से गिरफ्तार कर लिया गया।

गोगरी के डीएसपी रमेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी कि बौकू शर्मा हत्या, लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर मामलों में लंबे समय से वांछित था। उसके खिलाफ पसराहा थाना कांड संख्या 61/25 समेत कुल सात मामले दर्ज हैं। पुलिस को उसकी काफी समय से तलाश थी।

गिरफ्तारी के समय बौकू शर्मा किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ और पसराहा थाना की टीम ने महेशखूँट थाना क्षेत्र के महेशखूँट चौक पर छापेमारी कर उसे दबोच लिया। बताया गया कि बौकू शर्मा का आपराधिक इतिहास वर्ष 2014 से शुरू हुआ था, जब उसके खिलाफ पहली एफआईआर कांड संख्या 26/14 के तहत दर्ज की गई थी।

प्रस्तावित हवाई अड्डे की जमीन की खरीद-बिक्री पर लगी रोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। अजगैबीनाथ धाम में प्रस्तावित हवाई अड्डा की जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी गई है। जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने जिला अवर निबंधक को पत्र लिखकर मौजा मसदी में तीन सौ एकड़, नोनसर में 225 एकड़, राजगंज में 50 एकड़, कसवा में 205 एकड़, सूजापुर में 40 एकड़ और मंझली में 35 एकड़ जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक लगाने का आदेश दिया है।

इसके साथ ही, इसके आसपास की जमीन की खरीद-बिक्री पर भी रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर और भी जमीन का अर्जन किया जा सके। जिलाधिकारी ने जिला अवर प्रबंधक को कहा है कि प्रस्तावित हवाई अड्डा के निर्माण के लिए चिह्नित भूमि के अंतर्गत व्यवहार्यता अध्ययन दल द्वारा प्रतिवेदन की मांग के आलोक में वांछित प्रतिवेदन निदेशक, वायुयान संगठन निदेशालय, मंत्रीमंडल सचिवालय विभाग, हवाई अड्डा पटना को उपलब्ध कराई गई है।

उपलब्ध प्रतिवेदन के आधार पर सुल्तानगंज में हवाई अड्डा का निर्माण प्रस्तावित है, जो कि रैयती खाते की भूमि है।

इस कारण, प्रस्तावित भूमि की खरीद-बिक्री पर तत्काल रोक लगाना आवश्यक है। जमीन की खरीद-बिक्री और निबंधन पर तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए रोक लगाई जाती है। आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की जमीन की तकनीकी जांच के लिए टीम जल्द आएगी। इसको लेकर मुख्यालय के स्तर पर कवायद तेज कर दी गई है। वायुयान संगठन निदेशालय मंत्रीमंडल सचिवालय विभाग हवाई अड्डा, पटना के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण नई दिल्ली के अध्यक्ष को भागलपुर में नए हवाई अड्डा निर्माण के संबंध में पत्र लिखा है।शुक्रवार को भेजे गए पत्र में जिलाधिकारी द्वारा चिह्नित भागलपुर ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की जमीन का प्री फिजिबिलिटी स्टडी और तकनीकी जांच कराने का अनुरोध किया गया है, ताकि जमीन अधिग्रहण से संबंधित आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

पत्र में कहा गया है कि सुल्तानगंज अंचल में नए ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के निर्माण के लिए सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है। नए हवाई अड्डा के निर्माण के लिए समाहर्ता द्वारा एक अक्टूबर 2024 को ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट विकसित करने के संबंध में सुल्तानगंज अंचल अंतर्गत 855 एकड़ भूमि चिह्नित करते हुए प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया है।

मानस बने सबसे कम उम्र के इंटरनेशनल फिटनेस कोच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के युवा मानस वर्मा ने महज 19 वर्ष की उम्र में एक साथ दो उपलब्धियां हासिल कर जिले और राज्य का नाम रोशन किया है। उन्होंने इंटरनेशनल साइंस स्पोर्ट्स एसोसिएशन की परीक्षा पास कर इंटरनेशनल फिटनेस कोच बनने का गौरव प्राप्त किया है। इसके साथ ही दिल्ली में आयोजित स्टेट पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा भी मनवाया।

मानस वर्मा ने बताया कि आइएसएसए की परीक्षा में फिटनेस विज्ञान, व्यायाम तकनीक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी गहन जानकारी पूछी जाती है। इस परीक्षा को उत्तीर्ण कर वे बिहार के सबसे कम उम्र के इंटरनेशनल फिटनेस कोच बन गए हैं।उन्होंने इस उपलब्धि को अपनी मेहनत, समर्पण और फिटनेस के प्रति जुनून का नतीजा बताया। दिल्ली के रोहिणी में 27 जुलाई को आयोजित इंडियन पावरलिफ्टिंग फेडरेशन की स्टेट पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में उन्होंने जूनियर वर्ग के 66 किलोग्राम भारवर्ग में भाग लिया।

उन्होंने स्क्वायड में 155 किग्रा, बेंच प्रेस में 105 किग्रा और डेडलिफ्ट में 200 किग्रा वजन उठाकर कुल 460 किलोग्राम भार उठाया। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक प्राप्त हुआ।

मानस ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, कोच और नियमित अभ्यास को दिया। कहा कि उनका सपना राज्य को अंतरराष्ट्रीय पटल पर लाना है। आने वाले दिनों में वे युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें फिटनेस और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देंगे। अब उनकी नजरें 18 अगस्त को जमशेदपुर (झारखंड) में होने वाली राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता पर टिकी हैं, जहां वे जिले और राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। मानस की इस दोहरी सफलता पर नालंदा जिले में खुशी की लहर है। खेल प्रेमियों, स्थानीय नागरिकों और प्रशिक्षकों ने उन्हें बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मुख्यमंत्री ने 'एशिया रग्बी चैंपियनशिप के 'शुभंकर' एवं 'लोगो' का किया अनावरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 1, अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में बिहार के राजगीर में पहली बार आयोजित होनेवाली 'एशिया रग्बी (अंडर-20) चैंपियनशिप-2025' के 'शुभंकर' एवं 'लोगो' का अनावरण किया। अनावरण के पश्चात मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि बिहार पहली बार 'एशिया रग्बी (अंडर-20) चैंपियनशिप-2025' का आयोजन कर रहा है। आज प्रतियोगिता के 'प्रतीक' एवं 'शुभंकर' का अनावरण किया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार के खिलाड़ी रग्बी में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हुए बहुत तेजी से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। रग्बी खेल बिहार में काफी लोकप्रिय है तथा इस खेल के आयोजन से युवाओं में अच्छा संदेश जायेगा। यह टूर्नामेंट न केवल बिहार की खेल संस्कृति को वैश्विक पटल पर ले जाएगा, बल्कि एशिया के रग्बी जगत में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। ज्ञातव्य है कि बिहार पहली बार 'एशिया रग्बी (अंडर-20) चैंपियनशिप-2025' का आयोजन 09 एवं 10 अगस्त, 2025 को राज्य खेल अकादमी-सह-बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर के परिसर में खेल विभाग, बिहार सरकार के द्वारा किया जा रहा है। राजगीर के इस खेल परिसर में राज्य सरकार ने कई प्रकार के खेलों के प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता आयोजन हेतु विश्व स्तरीय सुविधाएं विकसित की हैं। हाल में ही खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के अंतर्गत कई खेलों का आयोजन इस खेल परिसर में हुआ। इस प्रतियोगिता में भारत के साथ-साथ चीन, संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया एवं नेपाल की टीमें यानी कुल 9 टीमें भाग ले रही हैं। सभी टीमें राजगीर में ही ठहरेंगी। इस खेल के आयोजन के लिए राज्य मंत्रिपरिषद् द्वारा 19 मार्च, 2025 को 4.08 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गयी है। शुभंकर 'अशोक' का नाम सम्राट अशोक से प्रेरित है जो नेतृत्व, दूरदृष्टि और परिवर्तन का प्रतीक है। यह नाम केवल गौरवशाली इतिहास का स्मरण नहीं दिलाता बल्कि खेल की उन मूल भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है जो अनुशासन, साहस और संकल्प से जुड़ी हैं।

नवनियुक्त सिपाहियों का बुनियादी प्रशिक्षण सत्र प्रारम्भ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार राज्य के सभी जिलों में कुल 21,659 नवनियुक्त सिपाहियों का बुनियादी प्रशिक्षण सत्र प्रारम्भ हो गया है, जिसमें पुरुष एवं महिला दोनों प्रशिक्षु शामिल हैं।

यह प्रशिक्षण न केवल जिलों के पुलिस प्रशिक्षण केन्द्रों में बल्कि बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस की विभिन्न वाहिनियों में भी आयोजित किया जा रहा है। इस बुनियादी प्रशिक्षण के अंतर्गत सिपाहियों को शारीरिक दक्षता, कानून व्यवस्था, आधुनिक हथियारों के उपयोग, अनुशासन एवं सामुदायिक पुलिसिंग जैसे आवश्यक कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण के माध्यम से नवनियुक्त सिपाही बिहार पुलिस की सशक्त, संवेदनशील एवं जनसेवा हेतु समर्पित कार्यप्रणाली से परिचित होंगे। भविष्य में यही सिपाही जनता की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण एवं शांति स्थापना के महत्वपूर्ण दायित्व को निभाएंगे।

आपसी सहमति से शिक्षकों की पारदर्शी तबादला नीति से हजारों शिक्षकों को मिली खुशियां

अबतक 17,242 शिक्षकों का पारस्परिक सहमति से किया जा चुका है स्थानांतरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जब नीति में पारदर्शिता हो और नेतृत्व में संवेदना, तो समाज में सकारात्मक बदलाव स्पष्ट रूप से दिखने लगता है। बिहार सरकार की तरफ से आपसी सहमति के आधार पर शिक्षकों के तबादले की नीति ने न केवल राज्य के हजारों शिक्षकों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरी है बल्कि उनके परिवार के लिए भी खुशियों के रंग बिखेर दिए हैं। राज्य में अबतक 17,242 शिक्षकों को उनकी इच्छा के अनुसार उनके पसंदीदा स्थानों पर स्थानांतरित किया जा चुका है। विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने पहली बार इसके लिए विशेष नीति तैयार करके इस जटिल कार्य को सहज तरीके से कर दिया। यह बड़ी उपलब्धि के तौर पर सामने आई है। बारह वर्षों की प्रतीक्षा और संघर्ष के बाद सुमन कुमारी और शिल्पी वर्णवाल को अपने-अपने ससुराल के क्षेत्र में स्थित स्कूलों में पदस्थापना मिली है। विगत गुरुवार को उन्होंने क्रमशः उच्च माध्यमिक विद्यालय, चन्दवारा (जमुई) तथा प्राथमिक विद्यालय, तारडीह (गिद्धौर) में योगदान देकर एक नए जीवन की शुरुआत की है। शिक्षा विभाग की म्यूचुअल ट्रांसफर नीति से 12 वर्ष बाद मिली ससुराल में तैनाती से इन दोनों शिक्षिकाओं की आंखें खुशी से नम हो गईं। यह कहानी सिर्फ इन्हीं दोनों शिक्षिकाओं की नहीं है, बल्कि ऐसी सैकड़ों शिक्षिकाओं को इससे काफी फायदा हुआ है। ज्ञात हो कि पिछले दिनों शिक्षा विभाग द्वारा म्यूचुअल ट्रांसफर नीति को प्रभावी रूप से लागू किया गया है। इसी नीति के अंतर्गत दोनों शिक्षिकाओं ने 'ई-शिक्षा कोष' मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से म्यूचुअल ट्रांसफर हेतु आवेदन किया था। दोनों शिक्षिकाओं के लिए हैरानी की बात यह रही कि मात्र पांच दिनों में ही उनके स्थानांतरण से सम्बंधित आदेश जारी कर दिए गए। जो कभी असंभव प्रतीत होता था, आज वह एक प्रेरक सच्चाई बनकर सामने है। शिक्षा विभाग की आपसी सहमति (म्युचुअल) नीति से तबादले के तहत सभी समूह के शिक्षक एक ही कैटेगरी यथा नियमित से नियमित शिक्षक, विशिष्ट शिक्षक से विशिष्ट शिक्षक, एक विद्यालय अध्यापक से विद्यालय अध्यापक और एक ही विषय जैसे गणित से गणित, भौतिक शास्त्र से भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र से रसायन शास्त्र इत्यादि के हैं।

नीतीश सरकार की पहल से विपक्ष की थोथी घोषणाएं हुईं धराशायी : संतोष सुमन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हम (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष सुमन ने कहा है कि बिहार में नीतीश सरकार की पहल से विपक्ष की थोथी और खोखली घोषणायें धराशाही हो गई हैं। नीतीश सरकार केवल न्याय के साथ विकास ही नहीं, प्रदेश के हर वर्ग और नागरिक के सम्मान की भी गारंटी है। डॉ. सुमन ने कहा कि मुख्यमंत्री ने मध्यान्ह भोजन योजना के तहत कार्यरत रसोइयों का मानदेय 1650 रुपये से बढ़ा कर 3300 रुपए, नाइट गार्ड का मानदेय 5000 रुपए से बढ़ा कर 10000 रुपये और शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशकों का मानदेय 8 हजार से बढ़ा कर 16 हजार रुपये करने का एलान कर विपक्ष को मुद्दाविहीन बना दिया है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार केवल घोषणाएं ही नहीं कर रही है, बल्कि उस पर अमल भी कर रही है। सरकार ने सामाजिक सुरक्षा के तहत वृद्ध, विधवा व दिव्यांगों की पेंशन राशि 400 से बढ़ा कर 1100 रुपये प्रति माह करने की घोषणा की और पिछले माह की 11 तारीख को 1.11 करोड़ लाभार्थियों के खाते में बढ़ी हुई राशि पहुंच गई। श्री सुमन ने कहा कि आशा और ममता कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाने, दीदी की रसोई में 40 की जगह 20 रुपए में भोजन की थाली देने, दिव्यांगों के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना, 8 हजार से अधिक पंचायतों में कन्या विवाह भवन बनाने, पत्रकारों की पेंशन बढ़कर 15 हजार करने की घोषणाएं सरकार की सर्वस्पर्शी लोकहितकारी प्रयास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा युवाओं को इंटर्नशिप के लिए 6 हजार देने, 5 साल में 1 करोड़ नौकरियां देने, प्रदेश के 1.67 करोड़ परिवारों को प्रतिमाह 125 यूनिट बिजली फ्री देने, गुरु-शिष्य परंपरा योजना की मंजूरी, आंगनबाड़ी सेविका को फोन खरीदने के लिए मिलेंगे।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों के कार्यों की होगी सघन समीक्षा

अपर मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शिक्षा विभाग के तहत राज्यभर में संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों के सुचारु संचालन को लेकर सरकार सख्त हो गई है। विभागीय समीक्षा में प्रखंड स्तर पर कार्य निष्पादन में लापरवाही सामने आने के बाद अब सभी जिलों में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों (बीईओ) के कार्यों और उपलब्धियों की गहन समीक्षा की जाएगी। इस संबंध में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। 25 जुलाई 2025 को आयोजित वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक में कई जिलों के शिक्षा पदाधिकारियों ने यह जानकारी दी कि कुछ प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्यों की प्राप्ति, योजनाओं के अनुश्रवण और उनके गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन में अपेक्षित तत्परता नहीं बरत रहे हैं। इस पर गंभीरता दिखाते हुए अपर मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) के साथ समन्वय कर बीईओ के कार्यों की समीक्षा करें। यदि कहीं कार्य निष्पादन में निरंतर लापरवाही या क्षमतागत बाधा पाई जाती है, तो कार्यहित में उनके प्रभार में आवश्यक संशोधन या परिवर्तन सुनिश्चित किया जाए। इस निर्देश की प्रतिलिपि सभी प्रमंडलीय आयुक्तों, उपविकास आयुक्तों, शिक्षा विभाग के सभी निदेशकों, सचिवों तथा शिक्षा मंत्री के आप्त सचिव को सूचनार्थ भेजी गई है। साथ ही सभी क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी को भी इसकी जानकारी दी गई है। शिक्षा विभाग के इस कदम को जमीनी स्तर पर शैक्षिक व्यवस्थाओं की निगरानी मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सीनियर अकाउंटेंट के पद से सेवानिवृत्त हुए रेलकर्मी अरविंद कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय दानापुर के अकाउंट्स डिपार्मेंट में पदस्थापित तथा रेल कर्मियों एवं अधिकारियों के बीच में समान रूप से लोकप्रिय अरविंद कुमार सिन्हा 31 जुलाई 2025 को सेवानिवृत हुए। श्री सिन्हा ने अपनी रेल सेवा की शुरुआत पूर्व रेलवे, फेयरली प्लेस, कोलकाता में जूनियर अकाउंट्स अस्सिटेंट के रूप में की थी तथा पिछले 22 वर्षों से दानापुर मंडल में एक कर्मठ कर्मचारी के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल रहे।

बिहार में बदलाव चाहने वाले सभी लोगों का जन सुराज में स्वागत : प्रशांत किशोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जन सुराज पार्टी ने आज पटना के बेली रोड स्थित शेखपुरा हाउस में मिलन समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर की मौजूदगी में भाजपा के महामंत्री रहे सुधीर शर्मा, प्रदेश महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष रहीं विनीता मिश्रा और समस्तीपुर निवासी युवा उद्यमी चेतना झांब समेत कई राजनीतिक दलों के बड़े नेताओं के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं और विभिन्न जिलों के गणमान्य सामाजिक-राजनीतिक व्यक्तियों ने जन सुराज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने सभी को पीला गमछा ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज में वो लोग आ रहे जो बेहतर व्यवस्था बनाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि बिहार सुधरे। हम चाहते हैं कि कर्नाटक-गुजरात की तरह बिहार में भी विकास हो। हमलोग उपरवाले की प्रेरणा से काम कर रहे हैं। भाजपा में जिस चाल चरित्र चेहरा की बात होती थी, उस चेहरे वाले लोग अब जन सुराज में दिख रहे हैं। अभिमन्यु का उदाहरण देते हुए कहा कि उसके बलिदान की ही चर्चा होती है, उसे घेर कर मारने वालों की चर्चा नहीं होती।

सबके सहयोग से चलाया जाएगा नमामि गंगे अभियान : नीतू नवगीत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार शहरी अवसंरचना विकास निगम ने लोक गायिका नीतू कुमारी नवगीत को गंगा स्वच्छता मिशन के तहत ब्रांड एंबेसडर बनाया है। बुडको के प्रबंध निदेशक अनिमेष कुमार पाराशर ने राज्य की प्रसिद्ध लोक गायिका नीतू कुमारी नवगीत को नमामि गंगे अभियान के तहत गंगा नदी की स्वच्छता हेतु प्रचार-प्रसार करने के लिए अभियान का ब्रांड एंबेसडर बनाया है जिसका प्रमाण पत्र नीतू कुमारी नवगीत को सौंपा गया है। इस दायित्व को मिलने के बाद मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए नीतू कुमारी नवगीत ने कहा कि लोकगीत एक ऐसा सशक्त माध्यम है जिससे समाज के सभी वर्गों को किसी उद्देश्य विशेष के लिए आसानी से जागरूक किया जा सकता है। बिहार में लोकगीतों की समृद्ध परंपरा रही है। अनेक लोकगीत मां गंगा को भी समर्पित हैं। भारतीय जीवन दर्शन में प्रकृति की पूजा का विशेष महत्व है। हम प्राचीन काल से नदियों की पूजा भी करते आए हैं जिनमें गंगा नदी सबसे प्रमुख है। नीतू कुमारी नवगीत ने कहा कि गंगा नदी न सिर्फ देश की जीवन रेखा है बल्कि विभिन्न तीर्थ में सर्वोत्तम तीर्थ का स्थान भी इस नदी को प्राप्त है। हरिद्वार काशी और पटना जैसे धार्मिक महत्व के अनेक नगर इस नदी के तट पर बसे हुए हैं। पूरी आर्य सनातन वैदिक संस्कृति का विकास गंगा नदी के तट पर ही हुआ और इसीलिए यह नदी भारतीय संस्कृति का मूलाधार बनी। गंगा नदी को स्वच्छ बनाए रखना हम सब का कर्तव्य है क्योंकि यह मोक्षदायिनी भी है और सुरसरिता भी। गंगा जी की महिमा अपरंपार है। बुडको और इसके प्रबंध निदेशक को धन्यवाद देते हुए नीतू कुमारी नवगीत ने कहा कि जो यह बड़ी जिम्मेदारी मुझे मिली है, उसे पूरा करने के लिए सबकी भागीदारी और सबका सहयोग लेते हुए वह काम करेंगी।

चुनाव आयोग के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मिल कांग्रेस ने दिया सुझाव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने राज्य चुनाव आयोग के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मिलकर आवश्यक सुझाव दिया। बिहार कांग्रेस के प्रतिनिधि के रूप में वरिष्ठ नेता ब्रजेश प्रसाद मुनन ने चुनाव आयोग के समक्ष पार्टी के सुझावों को रखा। कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधि के तौर पर इस बैठक में शामिल वरिष्ठ नेता ब्रजेश प्रसाद मुनन ने कांग्रेस पार्टी की ओर से दिए गए अपने सुझाव में कहा है कि हम विशेष गहन निरीक्षण में संलग्न सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद करते हैं जिनके प्रयास से मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित हुआ। सही मतदाताओं के व्यापक हित में निर्देशानुसार हम आग्रह करते हैं कि 1-1-2003 के मतदाता सूची के अनुसार कितने मतदाता इस प्रारूप सूची में चिन्हित हुये। कितने बगैर किसी दस्तावेजी सबूत के संलग्न किये, निर्वाचन विभाग को प्राप्त हुये।

बिहार में पीएम किसान उत्सव दिवस आज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त के वितरण को लेकर 02 अगस्त, 2025 को पटना स्थित बापू सभागार, गांधी मैदान में भव्य 'पी.एम. किसान उत्सव दिवस' का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी से इस किस्त का ऑनलाइन वितरण करेंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन के मुख्य अतिथि होंगे भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान। विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, पशु और मत्स्य संसाधन मंत्री रेणु देवी तथा मंत्री पथ निर्माण विभाग नीतीन नवीन शामिल होंगे। श्री सिन्हा ने कहा कि कार्यक्रम में बिहार के सभी 38 जिलों से 5000 से अधिक किसान, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक, कृषि विभाग के अधिकारी और कृषक मित्र भाग लेंगे। इस अवसर पर 74,00,000 किसानों के खातों में योजना की राशि अंतरित की जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के लिए यह योजना अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुई है।

डाकबंगला चौराहे पर आइकॉनिक क्लॉक टावर का लोकार्पण कल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। रोटरी क्लब ऑफ पाटलिपुत्रा ने राजधानी की शान और पहचान को निखारने की खास पहल की है। क्लब की ओर से शहर के सबसे व्यस्त और ऐतिहासिक डाकबंगला चौराहे पर निर्मित आइकॉनिक रोटरी क्लॉक टावर का शुभारंभ 3 अगस्त रविवार को सुबह 9 बजे होगा। रोटरी पाटलिपुत्र की पास्ट प्रेसीडेंट स्वाति मोदी ने बताया कि यह घड़ी यूरोपियन टेक्नोलॉजी से बनी है जो बंद नही होगी। 3 फीट डायामीटर की ये घड़ियां दूर से ही दिखाई देती है और रात में घड़ियों में लाइट की भी व्यवस्था है, लाइट भी जलेगी। मौसम का कोई दुष्प्रभाव इन घड़ियों पर नहीं पड़ेगा क्योंकि ये वेदर प्रूफ भी है। इन घड़ियों का संचालन बिजली से होगा, लेकिन बिजली नही रहने पर भी ये घड़ियां कुछ घंटे तक चलती रहेगी। मोदी ने कहा कि शहरी सौंदर्यीकरण और धरोहर संरक्षण की दिशा में उठाए गए इस अनूठे कदम का लोकार्पण बिहार सरकार के नगर विकास एवं आवास मंत्री जिवेश कुमार करेंगे। कार्यक्रम में पटना नगर निगम के आयुक्त अमरेश पराशर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे जबकि रोटेरियन बिपिन चाचन (आईपीडीजी, आरआईडी-3250) विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल होंगे।

स्वतंत्रता दिवस पर राज्य के श्रेष्ठ करदाताओं को मिलेगा 'भामाशाह सम्मान'

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जारी किया निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार ने करदाताओं के योगदान को मान्यता देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। वाणिज्य कर विभाग के तहत राज्य के प्रत्येक वाणिज्य-कर अंचल से गैर-कॉर्पोरेट क्षेत्र के तीन सर्वाधिक करदाताओं को इस वर्ष 'भामाशाह सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री सह वाणिज्य कर मंत्री सम्राट चौधरी ने इस आशय का पत्र जारी किया है। पत्र में कहा गया है कि यह सम्मान उन व्यवसायियों को दिया जाएगा जिनका राज्य के कर संग्रहण में उल्लेखनीय योगदान रहा है। सम्मान स्वरूप उन्हें एक प्रशस्ति पत्र के साथ नगद पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा। यह पहल अन्य करदाताओं को भी प्रेरित करेगी और राज्य के राजस्व तंत्र को और अधिक सशक्त बनाएगी। उपमुख्यमंत्री ने सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, जो कि कैमूर जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं, से आग्रह किया है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले के मुख्य समारोह में, मुख्य झंडोत्तोलन मंच से चयनित व्यवसायियों को अपने हाथों से सम्मानित करें। सरकार का यह निर्णय करदाताओं और व्यापार समुदाय के बीच सकारात्मक संदेश देने वाला है।

मोहम्मद रफी को दी गयी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/मौर्य विहार। प्रसिद्ध गायक मोहम्मद रफी की पुण्यतिथि के अवसर पर देव एंड फ्रेंड्स म्यूजिकल ग्रुप एवं देव आर्ट एंड म्यूजिक सोशल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में एक भावपूर्ण संगीतमय संध्या 'तुम मुझे यूं भुला न पाओगे' का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य रफी साहब के अमर गीतों के माध्यम से उन्हें स्वरांजलि अर्पित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत रफी साहब की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ की गई। इस अवसर पर खगौल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुशील कुमार सिंह, देव एंड फ्रेंड्स के कलाकारों एवं देव आर्ट एंड म्यूजिक स्कूल के विद्यार्थियों ने श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। सांगीतिक प्रस्तुति की शुरुआत गायक एस. रमन द्वारा रफी साहब के अमर गीत 'तुम मुझे यूं भुला न पाओगे' से हुई जो पूरे कार्यक्रम का शीर्षक भी था। इसके बाद गायिका पूर्णिमा ने 'एहसान तेरा होगा मुझ पर', नीलोफर शबनम ने 'वो जब याद आए' और 'दीवाना हुआ बादल' जैसे भावुक गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में गौतम बनर्जी ने 'तेरी आंखों के सिवा', रामकुमार लाल, डॉ. सुभाष, प्रशांत, ममता, सानवी, निलेश करण, हर्ष राज और समृद्धि सहित कई कलाकारों ने रफी साहब के लोकप्रिय गीतों को सुरों के माध्यम से भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की संगीत संगत में प्रमुख रूप से रवि रंजन प्रसाद सिंहा (कीबोर्ड), काजल चक्रवर्ती (गिटार), संतोष सिंहा (ऑक्टोपैड), चंदन (ढोलक) और देव कुमार लाल (तबला) शामिल रहे जिन्होंने सभी गायन प्रस्तुतियों को सुरमयी स्पर्श प्रदान किया। इस सुरमयी शाम में डॉ. सुशील कुमार सिंह के साथ बिंदु कुमारी, वंदिता कुमारी, निलेश कुमार, ख्याति श्री, सृष्टि सिंहा, अंशिका और देव आर्ट एंड म्यूजिक स्कूल के अन्य विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मिथिला पेंटिंग को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। श्रम संसाधन विभाग के अंतर्गत बिहार कौशल विकास मिशन के सौजन्य से शुक्रवार से मिथिला पेंटिंग प्रशिक्षण केंद्र का शुभारम्भ पटना के मैनपुरा, राजापुर पुल स्थित पोखर भवन के निकट किया गया जिसमें प्रशिक्षित युवाओं विशेषकर महिलाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा। इसकी जानकारी बिहार कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक और लवली क्रिएशन द्वारा दी गयी है। राज्य की पारंपरिक लोक कलाओं को प्रोत्साहित करने और स्थानीय युवाओं को कौशल के माध्यम से रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं, विशेषकर महिलाओं को मिथिला पेंटिंग जैसे पारंपरिक और समृद्ध लोककला में दक्ष बनाना है। ताकि वे न केवल अपनी कला को निखार सकें, बल्कि उसे आय के साधन में बदल सकें। यह पहल राज्य के सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देगी। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी सहायक सिद्ध होगा। प्रशिक्षुओं को निःशुल्क प्रशिक्षण, आवश्यक सामग्री और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। ताकि वे खुद का व्यवसाय शुरू कर सकें या सरकारी व निजी परियोजनाओं में रोजगार पा सकें। भविष्य में विभाग द्वारा इस तरह के अन्य स्थानीय कलाओं में प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की जायेगी जिससे बिहार के स्थानीय कलाओं को प्रोत्साहन मिलेगा एवं राज्य के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इससे न केवल बिहार की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान मिलेगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए स्थायी रोजगार के द्वार भी खुलेंगे।

अजीत सिंह की 18वीं पुण्यतिथि पर शहरी सहकारी बैंक में श्रद्धांजलि कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्व सांसद अजीत सिंह की 18वीं पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए उनके द्वारा स्थापित दी अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, न्यू डाक बांग्ला रोड की मुख्य शाखा में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ हुई। बैंक के कार्यपालक अधिकारी रणधीर कुमार सिंहा, प्रबंधक अर्जुन कुमार सिंह और शिवराज कुमार सोनू ने संयुक्त रूप से दीप जलाया। इस मौके पर बैंक के कर्मचारियों और उपस्थित ग्राहकों ने पुष्प अर्पित कर अजीत सिंह को स्मरण किया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने एक स्वर में ह्लअजीत बाबू अमर रहें!ह्न के जयघोष के साथ उन्हें श्रद्धांजलि दी। अजीत सिंह बिक्रमगंज से लोकसभा सांसद रह चुके थे और सहकारिता क्षेत्र में उनके योगदान को आज भी महत्वपूर्ण माना जाता है। उन्होंने नेफ़ेड, इफको, कृभको, एनसीसीएफ, एनसीयूआई, नाबार्ड, बिस्कोमान, भूमि विकास बैंक और अन्य सहकारी संस्थाओं के माध्यम से किसानों और आम लोगों को सशक्त करने का कार्य किया।

खोया मोबाइल लौटा पुलिस ने 22 हजार 980 लोगों के चेहरे पर लौटाई मुस्कान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मोबाइल फोन आज की जीवनशैली का अभिन्न अंग बन गया है। किसी का मोबाइल फोन गुम होने या चोरी होने का मतलब है, उसकी तमाम जानकारी, सूचना, सहेजकर रखे दस्तावेजों समेत तमाम यादों या अन्य का गुम हो जाना है। पुलिस की तरफ से ऐसे खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन को खोजकर इसके वास्तविक मालिक तक पहुंचा रही है। ऑपरेशन मुस्कान नाम के इस अभियान के तहत पुलिस पिछले तीन वर्षों के दौरान 22 हजार 980 लोगों के चेहरे पर मुस्कान लौटा चुकी है।

राज्य में जल्द होगी सैनिक कल्याण निगम की स्थापना : अरविंद चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य के पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों और शहीद सैनिकों की विधवाओं के उत्थान के लिए बिहार सैनिक कल्याण निदेशालय के अधीन जल्द ही सैनिक कल्याण निगम की स्थापना की जाएगी। साथ ही राज्य के एक दर्जन अन्य जिलों में सैनिक कल्याण केन्द्रों की भी स्थापना की जाएगी। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविन्द कुमार चौधरी ने शुक्रवार को शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं एवं पूर्व सैनिकों की आश्रित पत्नी व बेटियों को स्वाबलंबी बनाने के उद्देश्य से सैनिक कल्याण निदेशालय द्वारा राज्य में पहली बार आयोजित दस दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण शिविर के बाद 20 वीरांगनाओं के बीच स्वचालित सिलाई मशीन और सिलाई प्रशिक्षण से संबंधित प्रमाण पत्र का वितरण कर रहे थे। इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सैनिक कल्याण निदेशालय, भारतीय स्टेट बैंक और एक गैर सरकारी संगठन नव अस्तित्व के संयुक्त तत्वावधान में राजधानी के अल्बर्ट एक्का भवन में किया गया था। इस मौके पर श्री चौधरी ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए सैनिक कल्याण निदेशालय का आभार व्यक्त किया और वीरांगनाओं से कहा कि सिलाई की यह कला सिखने के बाद आपको काम की कमी नहीं होगी।

CMYK

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, शनिवार 2 अगस्त 2025

संपादकीय

टीआरएफ पर फिर फंसा पाकिस्तान

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मॉनिटरिंग रिपोर्ट में पहलगाम हमले में आतंकी संगठन टीआरएफ की भूमिका का जिक्र होने के बाद अब पाकिस्तान के लिए बचने का कोई रास्ता नहीं रह गया है। उसका यह झूठ दुनिया के सामने बेनकाब हो चुका है कि भारत में हुए आतंकवादी हमले से उसका नाता नहीं। यह भारत के लगातार किए गए कूटनीतिक प्रयासों की जीत है। मॉनिटरिंग टीम ने रिपोर्ट में लिखा है कि टीआरएफ ने दो बार हमले की जिम्मेदारी ली और यह अटैक पाकिस्तान की जमीन से संचालित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के समर्थन के बिना संभव नहीं था। टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली अंतरराष्ट्रीय एजेंसी एफएटीएफ ने भी कुछ दिनों पहले कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला आर्थिक मदद के बिना नहीं हो सकता। पाकिस्तान के लिए दो-दो ग्लोबल एजेंसियों की फाइंडिंग को झुठलाना आसान नहीं होगा। यह रिपोर्ट इतनी अहम इसलिए है, क्योंकि इसके पीछे भारत ने बहुत मेहनत की है। यूएनएससी को टीआरएफ के बारे में लगातार जानकारी मुहैया कराई गई - लश्कर के साथ जुड़ाव के सबूत सौंपे गए। पिछले साल मई में विदेश मंत्रालय की अगुआई में एक डेलिगेशन ने न्यू यॉर्क में यूएन अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। पाकिस्तान ने हर सबूत को झुठलाने की कोशिश की और इसमें उसे चीन का भरपूर साथ मिला। इस बार भी उसे भरोसा था कि एनएससी में चीन बचा लेगा। पिछले दिनों पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने अपने यहां की संसद में दावा किया था कि उन्होंने एनएससी के प्रेस स्टेटमेंट से टीआरएफ का नाम हटवा दिया है। हालांकि इस बार चीन पाकिस्तान का गठजोड़ नाकाम हो गया। यह हार पाकिस्तान के प्रॉक्सी वॉर की भी है। लश्कर-ए-तैयबा घोषित अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन है। इस पर कार्रवाई का दबाव बढ़ने के बाद पाकिस्तानने 2019 में टीआरएफ को खड़ा किया था । एलईटी के लड़ाकों और हथियारों का इस्तेमाल कर टीआरएफ आतंक फैलाने में लगा हुआ था। लेकिन, इस बार दुनिया ने उसकी प्रॉक्सी टैक्टिक्स को पहचान लिया। मॉनिटरिंग रिपोर्ट को सुरक्षा परिषद के सभी सदस्य आम सहमति से अपनाते हैं यानी पाकिस्तान अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकता। पिछले कुछ अरसे से कूटनीतिक मोर्चे पर वह घिरता जा रहा है। पहले क्वाड के संयुक्त बयान में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र आया और फिर अमेरिका ने टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया। भारत के लिए यह बिल्कुल सही समय है, जब वह आतंकवाद के प्रायोजक अपने इस पड़ोसी पर शिकंजा और कस सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25त्न टैरिफ लगाकर न केवल द्विपक्षीय संबंधों में खटास पैदा की है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को 'डेड एकानामी' कह कर अमेरिकी राष्ट्रपति पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई है। यह बयान स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि ट्रंप व्यापार और भू-राजनीतिक मुद्दों को दबाव की राजनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन भारत का रुख इस बार बिल्कुल अलग रहा। उसने न केवल व्यापार समझौते को लेकर अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार कर दिया, बल्कि रूस से संबंधों को लेकर अमेरिकी दबाव को भी ठुकरा दिया। इससे ट्रंप का यह दावा भी कमजोर हो गया कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर केवल अमेरिकी दबाव और संभावित व्यापार समझौते के लालच में रोका था। भारत के इस रुख के पीछे कई ठोस कारण हैं। दरअसल रूस भारत का दशकों पुराना रणनीतिक साझेदार है, जिसने परमाणु ऊर्जा, रक्षा और ऊर्जा सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत को लगातार सहयोग दिया है। आज भी भारत के 60 प्रतिशत से अधिक रक्षा उपकरण रूसी मूल के हैं और सस्ते रूसी तेल ने भारत को वैश्विक ऊर्जा संकट के समय राहत दी है।

दबाव के आगे नहीं झुक कर मोदी ने ट्रंप का झूठ उजागर किया और रूस से दोस्ती का मान भी रखा

(नीरज कुमार दुबे)

भारत ने यह दिखा दिया है कि वह वैश्विक शक्ति-संतुलन में किसी का मोहरा नहीं बनेगा। रूस के साथ संबंध बचाने के लिए अमेरिकी दबाव को ठुकराना केवल कूटनीतिक कदम नहीं, बल्कि यह संदेश है कि भारत अपने दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा,चाहे कीमत कुछ भी हो।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25त्न टैरिफ लगाकर न केवल द्विपक्षीय संबंधों में खटास पैदा की है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को 'डेड एकानामी' कह कर अमेरिकी राष्ट्पति पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई है। यह बयान स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि ट्रंप व्यापार और भू-राजनीतिक मुद्दों को दबाव की राजनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन भारत का रुख इस बार बिल्कुल अलग रहा। उसने न केवल व्यापार समझौते को लेकर अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार कर दिया, बल्कि रूस से संबंधों को लेकर अमेरिकी दबाव को भी ठुकरा दिया। इससे ट्रंप का यह दावा भी कमजोर हो गया कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर केवल अमेरिकी दबाव और संभावित व्यापार समझौते के लालच में रोका था।

भारत के इस रुख के पीछे कई ठोस कारण हैं। दरअसल रूस भारत का दशकों पुराना रणनीतिक साझेदार है, जिसने परमाणु ऊर्जा, रक्षा और ऊर्जा सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत को लगातार सहयोग दिया है। आज भी भारत के 60 प्रतिशत से अधिक रक्षा उपकरण रूसी मूल के हैं और सस्ते रूसी तेल ने भारत को वैश्विक ऊर्जा संकट के समय राहत दी है। अमेरिका की पैनल्टी झेलने और राष्टपति की नाराजगी का जोखिम उठाकर भी भारत रूस के साथ संबंध बचाने को तैयार है, क्योंकि यह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का मूलभूत हिस्सा है।

देखा जाये तो वैश्विक राजनीति पर इसका बड़ा असर पड़ेगा क्योंकि भारत का यह संदेश स्पष्ट है कि वह किसी भी महाशक्ति के दबाव में अपनी विदेश नीति नहीं बदलेगा। इस कदम से न केवल भारत की कूटनीतिक साख बढ़ी है, बल्कि दुनिया के अन्य मध्यम और छोटे देशों को भी यह विश्वास मिला है कि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में दबाव की राजनीति को चुनौती दी जा सकती है। दूसरी ओर, अमेरिका के लिए यह स्थिति असहज है। भारत उसके लिए इंडो फेसिफ रणनीति का प्रमुख साझेदार है और ट्रंप की बयानबाजी व टैरिफ की नीति इस भरोसे को कमजोर कर सकती है। यदि अमेरिका भारत जैसे लोकतांत्रिक साझेदार को अपमानित करता है, तो वह चीन और रूस के खिलाफ बने गठबंधनों में अपनी स्थिति कमजोर कर लेगा। ट्रंप की यह टिप्पणी उनके उस लंबे इतिहास से मेल खाती है जिसमें वे अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को केवल व्यापार और अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के नजरिए से देखते हैं। भारत के टैरिफ और रूस के साथ उसके संबंधों पर सवाल उठाना एक अलग विषय है, लेकिन इन मुद्दों को हल करने का रास्ता अपमानजनक भाषा नहीं, बल्कि परिपक्व वार्ता है। भारत सरकार ने सही कहा है कि वह राष्ट्रीय हित से समझौता नहीं करेगी।

भारत ने यह दिखा दिया है कि वह वैश्विक शक्ति-संतुलन में किसी का मोहरा नहीं बनेगा। रूस के साथ संबंध बचाने के लिए अमेरिकी दबाव को ठुकराना केवल कूटनीतिक कदम नहीं, बल्कि यह संदेश है कि भारत अपने दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा- चाहे कीमत कुछ भी हो। ट्रंप

की ओर से टैरिफ लगाये जाने की चेतावनियों के बावजूद भारत ने न तो रूस से ऊर्जा खरीद कम की है और न ही रक्षा सहयोग में कोई कटौती की है। यह रुख बताता है कि भारत अपनी विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। ट्रंप का अतिरिक्त शुल्क भारत को रूस से दूर करने की कोशिश है। लेकिन यह रणनीति अब तक विफल रही है। दरअसल अमेरिका यह दिखाना चाहता है कि जो देश रूस के साथ व्यापार करेंगे, उन्हें दंडात्मक कार्रवाई झेलनी पड़ेगी। यह संदेश चीन जैसे देशों के लिए भी है, जो रूसी तेल के बड़े खरीददार हैं। भारत का रूस के साथ संबंध मजबूत रखना अमेरिका के लिए चिंता का विषय है इसलिए वह चाहता है कि भारत क्वाड में मजबूत हो मगर इंडो फैसिफ रणनीति के तहत रूस से दूरी बनाए।

मगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह साफ कर दिया है कि भारत किसी के दबाव में अपने रणनीतिक निर्णय नहीं बदलेगा। अमेरिका के साथ व्यापार समझौता नहीं हो पाने का बड़ा कारण यही है कि भारत ने कृषि, डेयरी और टैरिफ में अपनी शर्तों से समझौता करने से इंकार कर दिया है। साथ ही भारत ने दिखा दिया है कि रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा संबंध केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक महत्व रखते हैं। देखा जाये तो अमेरिका के आगे नहीं झुक कर भारत की वैश्विक स्थिति तेजी से मजबूत हो रही है। अमेरिका की पेनल्टी के बावजूद भारत पर दबाव काम नहीं कर रहा, जो यह दिखाता है कि भारत अब वैश्विक मंच पर एक स्वतंत्र शक्ति है।

साथ ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप के दबाव और अपमानजनक बयानों के आगे न झुककर विश्व राजनीति को एक स्पष्ट और मजबूत संदेश दिया है। भारत अब किसी का जूनियर पार्टनर नहीं है, बल्कि वैश्विक मंच पर एक आत्मनिर्भर और आत्मसम्मानी शक्ति है। मोदी सरकार ने साफ शब्दों में कहा है कि वह राष्ट्रीय हित से समझौता नहीं करेगी और किसी भी व्यापारिक समझौते में किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई के हित सर्वोपरि रहेंगे। यह रुख बताता है कि भारत अब केवल आर्थिक या कूटनीतिक दबावों के आधार पर निर्णय नहीं लेता।

यह कदम केवल अमेरिका को नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को यह संदेश देता है कि भारत अपनी शर्तों पर साझेदारी करता है। चाहे ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस के साथ संबंध हों या पश्चिमी देशों के साथ व्यापार समझौते- भारत संतुलन बनाए रखने में सक्षम है और दबाव के आगे झुकने वाला देश नहीं है। इसका सबसे बड़ा महत्व यह है कि भारत ने यह दिखा दिया है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में उसका स्थान स्थायी और स्वतंत्र है। अमेरिका, चीन, रूस या कोई अन्य महाशक्ति अब भारत को केवल एक 'निर्भर सहयोगी' की तरह नहीं देख सकती। यह आत्मविश्वास भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत, सामरिक क्षमताओं और वैश्विक कूटनीतिक साख का प्रमाण है।

जहां तक यह सवाल है कि भारत-रूस संबंधों पर क्यों खफा हैं ट्रंप? तो आपको बता दें कि यूक्रेन युद्ध से पहले भारत का रूस से तेल आयात कुल आयात का 2 प्रतिशत से भी कम था, जो जून 2024 तक 40 प्रतिशत से अधिक हो गया है। इसके अलावा, रूस भारत का सबसे बड़ा रक्षा आपूर्तिकर्ता है और कम कीमत, लचीली शर्तों व संवेदनशील तकनीक उपलब्ध कराने के कारण यह संबंध भारत के लिए रणनीतिक हैं। साथ ही रूस लंबे समय से भारत का परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में साझेदार रहा है। इन संबंधों ने अमेरिका को असहज कर दिया है, खासकर तब जब पश्चिमी देश रूस को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप ने टैरिफ को लेकर भारत पर जिस तरह हमला बोला है उससे उनका ही पुराना दावा कमजोर पड़ गया है। हम आपको बता दें कि ट्रंप लगातार यह कह रहे हैं कि 10 मई को मोदी सरकार ने उनके दबाव में पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' को रोक दिया था, क्योंकि उन्होंने धमकी दी थी कि यदि भारत ने कार्रवाई नहीं रोकी तो अमेरिका भारत के साथ व्यापार बंद कर देगा। लेकिन भारत पर टैरिफ लगा कर ट्रंप ने अप्रत्यक्ष रूप से अपने दावे का सच उजागर कर दिया है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में स्पष्ट रूप से कहा था कि भारत पर किसी वैश्विक नेता ने हमले रोकने का दबाव नहीं डाला था। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान के हवाई ठिकानों पर भारतीय वायुसेना की भीषण बमबारी ने इस्लामाबाद को 10 मई को शांति के लिए मजबूर किया था। इससे पहले भी भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि व्यापार समझौते या टैरिफ का पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने से कोई संबंध नहीं था। भारत ने यह भी बार-बार कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापार को जोड़ना अनुचित है।

जहां तक यह सवाल है कि अमेरिका के साथ समझौते को लेकर भारत क्यों नहीं झुका? तो आपको बता दें कि अमेरिका ने पिछले कुछ महीनों में यूरोपीय संघ, जापान, ब्रिटेन और वियतनाम को अमेरिकी वस्तुओं के लिए अपने बाजार खोलने पर मजबूर किया, जिसके बदले टैरिफ कम किए गए। लेकिन भारत इस समझौते के लिए तैयार नहीं हुआ। इसके पीछे कई कारण थे। दरअसल भारत अमेरिकी मांगों के अनुरूप कृषि और डेयरी उत्पादों में रियायत देने को तैयार नहीं था। इसके अलावा, भारत चाहता है कि अमेरिका कपड़ा, चमड़ा, फुटवियर और ऑटो पार्ट्स पर पर्याप्त टैरिफ कटौती करे, लेकिन अमेरिका इसके लिए तैयार नहीं था। साथ ही भारत ने अमेरिकी रहृत, उर्वरक और रक्षा उपकरण की अधिक खरीदारी के लिए संकेत दिए, लेकिन अमेरिकी मांगें लगातार बढ़ती गईं। इसलिए मोदी सरकार का स्पष्ट रुख था कि वह किसी भी 'औसत दर्जे के समझौते' के लिए तैयार नहीं होगी।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका चाहता है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं के लिए अपने बाजार खोले और रूस से रक्षा व ऊर्जा खरीद में कटौती करे। लेकिन भारत अपने राष्ट्रीय हित और बाजार क्षमता का इस्तेमाल कर अमेरिका को झुकाने की कोशिश कर रहा है। यह टकराव दीर्घकालिक व्यापार युद्ध का रूप भी ले सकता है, जिससे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं। भारत को अब अपनी निर्यात रणनीति और विकल्प बाजारों को मजबूत करना होगा।

शतरंज के वैश्विक बोर्ड पर भारत का दिव्य अधिकार

(मृत्युंजय दीक्षित)

नागपुर की रहने वाली 19 वर्षीया दिव्या देशमुख भविष्य में कई युवाओं को उसी प्रकार से खेल के प्रति उत्साहित करने में सक्षम हो गई हैं जैसे कि भाला फेंक प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा कर रहे हैं। दिव्या के पिता डा. जितेंद्र और माता नम्रता देशमुख दोनों ही चिकित्सक हैं।

वैश्विक शतरंज में वर्ष 2025 एक ऐसी दिव्य उपलब्धि लेकर आया है जिसे तब तक स्मरण किया जाएगा जब तक वैश्विक मंच पर शतरंज खेला जाएगा और शतरंज के प्रेमी रहेंगे। भारत की 88वीं ग्रेंड मास्टर बनीं 19 वर्षीय दिव्या देशमुख ने जार्जिया के बाटुमी में हुए फिडे महिला शतरंज विश्व कप प्रतियोगिता में अपने ही देश की कोनेरू हंपी को पराजित करते हुए इतिहास रच दिया। इसके साथ ही दिव्या वर्ष 2024 में बुडापेस्ट में 45वें शतंरज ओलम्पियाड में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया और वर्ल्ड टीम रैपिड और बिल्ट्ज शतरंज प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन किया। दिव्या की बड़ी बहन बैडमिंटन खेलने के लिए जाती थीं और उनके साथ दिव्या भी जाती थी किंतु उन्हें शतरंज में रूचि थी और वे उसी में रम गईं आज वह शतरंज की सर्वोत्कृष्ट खिलाड़ी हैं।

वर्ष 2025 में दिव्या ने चीन की 22 वर्षीय ग्रैंडमास्टर झू जिनर को हराकर शानदार जीत हासिल की, वहीं दूसरी भारतीय महिला खिलाडी कोनेरू हंपी ने भी चीनी खिलाड़ी को ही हराकर फिडे शतरंज विश्वकप में चीन का दबदबा ध्वस्त कर दिया है। यह भारत के लिए बड़ी अभूतपूर्व दोहरी सफलता रही है कि फिडे विश्व कप के फाइनल में दोनों ही खिलाड़ी भारतीय रहे।

शतरंज के खेल की नई सनसनी बन गई हैं। अभी तक दिव्या को 15वी वरीयता प्राप्त थी किंतु दृढ़ता और ओपनिग की तैयारियों ने दिव्या को चैपिंयन बना दिया है।

नागपुर की रहने वाली 19 वर्षीया दिव्या देशमुख भविष्य में कई युवाओं को उसी प्रकार से खेल के प्रति उत्साहित करने में सक्षम हो गई हैं जैसे कि भाला फेंक प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा कर रहे हैं। दिव्या के पिता डा. जितेंद्र और माता नम्रता देशमुख दोनों ही चिकित्सक हैं। दिव्या ने सबसे पहले 2012 में अंडर-सात में राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। दिव्या ने 214 में दक्षिण अफ्रीका के डरबन में अंडर 10 और 2017 में ब्राजील में अंडर -12 वर्ल्ड यूथ खिताब जीते। वह 2021 में विदर्भ क्षेत्र की पहली महिला ग्रैंड मास्टर बनीं। उन्होंने 2023 में इंटरनेशनल मास्टर की प्रतियोगिता जीती। फिर उन्होंने ग्रैड मास्टर आर. बी. रमेश के मार्गदर्शन में चेन्नई के शतरंज गुरूकुल में अपनि प्रतिभा का परिचय दिया।

दिव्या शतरंज ओलम्पियाड में तीन बार की स्वर्ण पदक विजेता हैं। दिव्या ने एशियन चैम्पियनशिप और वर्ल्ड जूनियर चैम्पियनशिप में भी स्वर्णपदक जीता। दिव्या ने

अब विश्व शतरंज में भारत की धमक बढ़ रही है और भारत के खिलाड़ी देश का ध्वज शतरंज के बोर्ड पर लहरा रहे हैं। इससे पूर्व पुरुष शतरांज में 18 वर्षीय डी. गुकेश ने चीन के डिग लिरेन को हराकर कीर्तिमान रचा था। उनकी यह उपलब्धि सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि ही नहीं थी अपितु भारतीय शतरांज की एक बड़ी छलांग थी। विगत वर्ष सितंबर माह में ही भारत ने बुडापेस्ट में हुए 45वें शतरंज ओलम्पियाड में भी शानदार प्रदर्शन किया थ जिसमें महिला और पुरुष दोनों ही टीमों ने स्वर्ण पदक जीतकर देश को गर्व से भर दिया था। भारत के कई अन्य ग्रैंड मास्टर भी वैश्विक जगत में अपनी चमक बिखेर रहे हैं। जिसमें आर. प्रगनानंद, विदित गुजराती, अर्जुन ऐरिगिसी, आर वैशाली और डी. हरिका जैसे युवा खिलाड़ी प्रमुख हैं।

आज पूरा भारत शतरंज की दुनिया में अपनी बेटियो की सफलता पर गर्व का अनुभव कर रहा है। भविष्य में यही युवा खिलाड़ी अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्वर बनने जा रहे हैं। अब शतरंज के आकाश पर भारत का राज स्थपित हो रहा है। यह पल भारत के लिए बेहद गर्व के पल हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पीएम-किसान: किसानों के सशक्तिकरण का भारत का वैश्विक खाका

डॉ. प्रमोद मेहरदा, अतिरिक्त सचिव
अरिंदम मोदक, सलाहकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

समावेशी विकास और ग्रामीण समृद्धि के सफर में, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना, भारत सरकार की एक अग्रणी पहल के रूप में उभर कर सामने आई है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 24 फरवरी 2019 को शुरू की गई, इस पहल ने लाखों छोटे एवं सीमांत किसानों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है और पूरी तरह से डिजिटल, कुशल एवं पारदर्शी प्रणाली के जरिए प्रत्यक्ष आय सहायता प्रदान करने के एक वैश्विक मॉडल के रूप में खुद को स्थापित किया है।

प्रत्यक्ष समर्थन के जरिए किसानों का सशक्तिकरण: मूल रूप से, पीएम-किसान योजना पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की सहायता प्रदान करती है। यह सहायता राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के जरिए 2,000 रुपये की तीन बराबर किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में जमा की जाती है। इस सुव्यवस्थित एवं तकनीक-संचालित कदम से बिचौलियों की भूमिका, लाभ मिलने में होने वाली देरी और त्रुटि की गुंजाइश खत्म होती है और एक-एक पाई इच्छित लाभार्थी तक पहुंचना सुनिश्चित होता है।

इस योजना की शुरुआत से लेकर अब-तक, कुल 3.69 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों को हस्तांतरित की जा चुकी है। इस प्रकार, पीएम-किसान दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल रूप से क्रियान्वित नकद हस्तांतरण कार्यक्रमों में से एक बन गया है। आंकड़ों से परे, यह कदम सब्सिडी से हटकर सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ने संबंधी एक बदलाव का प्रतीक है। बात चाहे बीज की हो या उपकरण या शिक्षा या फिर स्वास्थ्य की, इस योजना से किसानों को यह तय करने की आजादी मिलती है कि वे इस सहायता का सबसे बेहतर इस्तेमाल कैसे करें।

भारत के छोटे किसानों के हित में एक परिवर्तनकारी कदम: दो हेक्टेयर से कम जमीन वाले भारत के 85 प्रतिशत से अधिक किसानों के लिए ये लाभ बुवाई या कटाई के मौसम में एक अहम आर्थिक सेतु का काम करते हैं। ये लाभ अल्पकालिक नकदी प्रवाह के तनाव को कम करते हैं, अनौपचारिक ऋण पर निर्भरता में कमी लाते हैं और संकट के समय एक सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं।

वित्तीय सहायता से कहीं बढ़कर, पीएम-किसान योजना समावेशिता, सम्मान और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में एक भागीदार के रूप में किसान की मान्यता का प्रतीक है।

डिजिटल शासन की श्रेष्ठता: पीएम-किसान की सफलता का श्रेय भारत के मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे को जाता है। जेएएम की तिकड़ी - जन धन बैंक खाते, आधार बायोमेट्रिक पहचान और मोबाइल कनेक्टिविटी - ने बड़े पैमाने पर लाभ के निर्बाध वितरण को संभव बनाया है। स्व-पंजीकरण से लेकर भूमि स्वामित्व के सत्यापन और डीबीटी द्वारा समर्थ भुगतान तक, इस पूरी योजना का जीवनचक्र डिजिटल है।

राज्य सरकारों के सहयोग से, पीएम-किसान डिजिटल रूप से समन्वित तथा एक छोर से दूसरे छोर तक आसानी से पहुंचने वाले शासन के एक बेहतरीन मॉडल के रूप में कार्य करता है। इसने विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में भूमि अभिलेखों, लाभार्थियों के डेटाबेस और भुगतान प्रणालियों को सफलतापूर्वक समन्वित किया है और इससे दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में किसान-केन्द्रित एक उत्तम संरचना का निर्माण हुआ है।

पीएम किसान ने कृषि से जुड़े इकोसिस्टम में किसान ई-मित्र वॉयस-आधारित चैटबॉट और एग्री स्टैक जैसी नवीन परियोजनाओं को भी प्रेरित किया है। एग्रीस्टैक व्यक्तिगत, समय पर और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है, जिससे भारतीय कृषि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार हो सके।

वैश्विक मानकों की स्थापना: दुनिया भर में, प्रत्यक्ष लाभ कार्यक्रमों को गरीबी उन्मूलन के कारगर साधनों के रूप में तेजी से मान्यता मिल रही है। फिर भी, पीएम-किसान की कुछ अनूठी विशेषताएं हैं – इसका विशाल आकार, गति और डिजिटल विश्वसनीयता इसे बिखरी हुई कृषि सहायता प्रणालियों में सुधार के लिए प्रयासरत देशों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बनाती है।

आईएफपीआरआई, एफएओ, आईसीएआर और आईसीआरआईएसएटी जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने छोटे किसानों की आय बढ़ाने, ऋण की सुलभता में सुधार, असमानता को कम करने और आधुनिक कार्यप्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में पीएम किसान की भूमिका पर प्रकाश डाला है। कई देशों में जारी सशर्त हस्तांतरण के उलट, इसका विश्वास-आधारित व बिना शर्त वाला दृष्टिकोण, सहभागी एवं सम्मान-आधारित कल्याणकारी वितरण की दिशा में एक बड़ी छलांग है।

ग्रामीण विकास को गति देना: पीएम-किसान का सकारात्मक प्रभाव केवल व्यक्तिगत लाभार्थियों तक ही सीमित नहीं है। इसके तहत होने वाले अनुमानित नकदी प्रवाह ने ग्रामीण बाजारों को पुनर्जीवित किया है, कृषि-उत्पादों की मांग को प्रोत्साहित किया है और घरेलू उपभोग के पैटर्न को मजबूत किया है। इसने महिलाओं को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, खासकर उन मामलों में जहां बैंक खाते संयुक्त रूप से खोले जाते हैं।

इसके अलावा, यह एक समग्र और परस्पर संबद्ध ग्रामीण विकास इकोसिस्टम का निर्माण करके मृदा स्वास्थ्य कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम फसल बीमा योजना और ई-नाम जैसी अन्य प्रमुख योजनाओं का पूरक है। किसानों के लिए एक पेंशन योजना, पीएम-किसान मानधन योजना के साथ इसका एकीकरण, भारत के कृषि कार्यबल के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।

सुनहरे भविष्य का एक दृष्टिकोण- दृढ़ता, समानता और स्थिरता: पीएम-किसान एक वित्तीय सहायता तंत्र से कहीं बढ़कर है। यह भारत सरकार के किसानों के नेतृत्व वाले विकास का एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है। अधिकार से सशक्तिकरण की ओर, सहायता से स्वायत्तता की ओर स्थानांतरित होकर, यह राज्य और किसान के बीच अनुबंध को नए सिरे से परिभाषित करता है।

भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखता है, ऐसे में पीएम-किसान जैसी पहल समावेशी प्रगति की नींव रखती है। उन्नत तकनीकों के निरंतर एकीकरण और जलवायु परिवर्तन के प्रति दृढ़ता, स्थिरता और सटीक कृषि पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, यह योजना बदलाव की दिशा में एक बेहद शक्तिशाली कदम के रूप में विकसित होने के लिए तैयार है। पीएम-किसान विश्वास, तकनीक और परिवर्तन की कहानी है। यह दुनिया के लिए भारत का योगदान है। यह योजना एक जीवंत उदाहरण है कि कैसे एक दूरदर्शी नीति, डिजिटल नवाचार और राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ मिलकर, लाखों लोगों को सशक्त बना सकती है और 21वीं सदी के शासन को नए सिरे से परिभाषित कर सकती है।

संक्षिप्त समाचार

कालेज कर्मियों के सेवा निवृत्ति कार्यक्रम का आयोजन

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कॉलेज के इतिहास विभाग के डॉक्टर उमेश्वर कुमार सिंह एवं कॉलेज कर्मी श्री बसंत कुमार सिंह , कामदेव ठाकुर, अर्जुन मण्डल, दिलीप श्रीवास्तव को कॉलेज परिवार के तरफ से सेवा निवृत्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉक्टर अनुज कुमार ने किया तथा मंच संचालन डॉक्टर बलभद्र सिंह ने किया कार्यक्रम में सभी सेवानिवृत कर्मियों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए उनको अंग वस्त्र ,पुष्प गुच्छ के साथ रिटायरमेंट पेपर प्राचार्य के द्वारा भेंट किया गया किया गया इस कार्यक्रम में शिक्षक संघ के सचिव डॉक्टर एस एन सिंह के साथ प्रोफेसर बी एस त्रिपाठी प्रोफेसर सतीश कुमार यादव प्रोफेसर नयन कुमार सोरेन ,प्रोफेसर विनीता कुमारी, प्रोफेसर धर्मेंद्र कुमार कॉलेज कर्मी पंकज प्रियदर्शी शैलेश प्रसाद, प्रदीप कुमार सभी महाविद्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे..

आने जाने वाले लोगों को भी काफी कठिनाइयों से गुजरना पड़ता : नौशाद अहमद चांद

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। महानगर उपाध्यक्ष नौशाद अहमद चांद के प्रयास से वार्ड नंबर 27 में काफी गंदगी के साथ जब भी बरसात होती है तो पूरे नाली व कई जगह पर पानी भर जाता है, जिससे यहां के लोगों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, और शहर के विभिन्न जगहों से आने जाने वाले लोगों को भी काफी कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है, फिर झामुमो के महानगर उपाध्यक्ष नौशाद अहमद चांद व वहां के स्थानीय लोगों की प्रयास से नगर आयुक्त के द्वारा साफ सफाई का कार्य प्रारंभ किया गया, जिसके बाद झामुमो के महानगर उपाध्यक्ष साथ यहां के स्थानीय लोगों के द्वारा नगर आयुक्त को दिल से आभार व्यक्त किए, साफ सफाई को लेकर नौशाद अहमद सहित यहां के स्थानीय लोगों ने नगर आयुक्त का धन्यवाद व शुक्रिया अदा किया।

सर्पदंश से वृद्धा की मौत

मझौलिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। थाना क्षेत्र के भरवलिया वार्ड संख्या 5 में सर्पदंश से एक वृद्धा की मौत हो गई। मृतका की पहचान 65 वर्षीय मु.शांति देवी के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय मोहन तिवारी की पत्नी थीं। शांति देवी का ससुराल पाटवन्दी में था, लेकिन वह अपने मायके में भाई ज्ञानचंद्र पाठक के घर भरवलिया में ही रह रही थीं।

प्यारे अंगद बने अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं ने किया सम्मानित

मांझी (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के मांझी मध्य मंडल अंतर्गत घोरहट पंचायत के पंचायत समिति सदस्य प्यारे अंगद को भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा का सारण जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। बुधवार को भाजपा सारण जिला पश्चिमी के जिलाध्यक्ष बृजमोहन सिंह ने पत्र जारी कर उनकी नियुक्ति की घोषणा की। इस अवसर पर मांझी प्रखंड मुख्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अंग वस्त्र पहनाकर उन्हें सम्मानित किया। सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्यारे अंगद ने अपने संबोधन में कहा कि सारण जिले में अनुसूचित जनजातियों की बड़ी आबादी है और यह उन्हें लिए गर्व की बात है कि उन्हें दूसरी बार इस पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि अपने कार्यकाल में मोर्चे को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। साथ ही उन्होंने जिले के वरीय नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि जो विश्वास उनके ऊपर जताया गया है, उस पर वे पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। इस मौके पर हरिनिवास गोस्वामी, दिलीप प्रसाद, दीपक सिंह, गुड्डू कुमार, अमन गुप्ता, पवन कुमार, राजकपूर कुमार, धर्मेंद्र पाण्डेय, चुन्नू सिंह, मोतीलाल यादव समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सेवानिवृत्ति पर चौकीदार बनारसी मांझी को दी गई भावभीनी विदाई

एकमा/रसूलपुर (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रसूलपुर थाना परिसर में एक सादगीपूर्ण व भावुक समारोह में नवादा के सेवानिवृत्त चौकीदार बनारसी मांझी को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर उन्हें फूल माला, अंगवस्त्र व उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। थानाध्यक्ष प्रभात कुमार व अपर थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने उनके 37 वर्षों की सेवा को सराहते हुए कहा कि बनारसी मांझी कर्तव्यनिष्ठ, ईमानदार व मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति रहे हैं। उन्होंने थाना क्षेत्र में अपनी सेवा के दौरान अनुशासन व जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। सेवानिवृत्त चौकीदार बनारसी मांझी ने समारोह में सभी का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान सभी का भरपूर सहयोग और स्नेह मिला। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि यदि भविष्य में कभी थाने को उनकी जरूरत पड़ी तो वे सहयोग देने को हमेशा तत्पर रहेंगे। समारोह में एसआई प्रीति कुमारी, सुमन कुमार, रणधीर कुमार, विनोद रवि, एएसआई खगेश कुमार, देवेन्द्र कुमार, शैलेन्द्र कुमार, चौकीदार पुत्र मनोज कुमार साह, चौकीदार रामप्रवेश मांझी, सुरेन्द्र मांझी, जगत यादव, सूचित यादव, दीनबंधु, अभिमन्यु कुमार, नितेश कुमार सिंह आदि अन्य लोग मौजूद थे। बहरहाल, इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि वर्षों की ईमानदारी पूर्वक की गई सेवा को याद रखना और उसका सम्मान करना न केवल सेवानिवृत्त कर्मी को गौरव प्रदान करता है, बल्कि सेवा में कार्यरत अन्य कर्मचारियों को भी प्रेरणा देता है।

20 लीटर शराब के साथ बाइक सवार कारोबारी गिरफ्तार

एकमा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। एकमा पुलिस ने शराबबंदी कानून के उल्लंघन के आरोप में एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। यह कार्रवाई तिलकार मिडिल स्कूल के समीप की गई, जहां गश्ती दल द्वारा संदेह के आधार पर तलाशी ली गई। पुलिस निरीक्षक सह एकमा थानाध्यक्ष उदय कुमार के निर्देश पर पुलिस उप निरीक्षक (एएसआई) नवल किशोर सिंह के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में झून्ना नट, पिता दूधनाथ नट, निवासी विशुनपुरा खुर्द को 20 लीटर देशी शराब व एक मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया। आरोपी को थाना लाकर पूछताछ के बाद उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है और इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी होती रहेगी।

राणा फिजिकल एकेडमी का शुभारंभ

मशरक (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के रामघाट गांव स्थित क्रीड़ा मैदान में राणा फिजिकल एकेडमी का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ। एकेडमी के प्रबंधक सिद्धार्थ सिंह उर्फ मोलू द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के बाद लोजपा संसदीय बोर्ड के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह ने फीता काटकर तथा नारियल फोड़कर एकेडमी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अतिथियों और आयोजकों ने मैदान का निरीक्षण किया और वहां की सुविधाओं का जायजा लिया। मुख्य अतिथि मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि युवाओं के भविष्य को देखते हुए मशरक क्षेत्र में एक स्थायी स्टेडियम की जरूरत है, जिसे महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल को बनवाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राणा फिजिकल एकेडमी जैसे प्रयास से स्थानीय युवाओं को सेना, पुलिस, एसएसबी और अन्य बलों की शारीरिक परीक्षाओं की तैयारी में सुविधा मिलेगी। एकेडमी के संस्थापक मोलू सिंह ने बताया कि यहां आर्मी, बिहार पुलिस, होमगार्ड, एसएसबी, जीडी आदि पदों की तैयारी करने वाले युवाओं को उच्चस्तरीय फिजिकल ट्रेनिंग उपलब्ध कराई जाएगी। इस दौरान दवा व्यवसायी गोलू सिंह ने नियमित व्यायाम की महत्ता बताते हुए कहा कि इससे न केवल शरीर बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। व्यायाम तनाव, चिंता और अवसाद जैसे मानसिक विकारों से लड़ने में सहायक होता है। स्थानीय लोगों ने एकेडमी की शुरूआत को क्षेत्र के युवाओं के लिए लाभकारी पहल बताया है।

जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा का भव्य स्वागत

मशरक (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा का मशरक के बड़हिया टोला स्थित पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के आवास पर फूलमाला व अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। वे पटना से गोपालगंज जाते समय यहां रुके थे। स्वागत समारोह का नेतृत्व बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह और पूर्व विधायक रणधीर सिंह ने किया। इस अवसर पर जदयू जिलाध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू, प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू, पूर्व प्रधानाध्यापक रामजीवन सिंह, प्रखंड अध्यक्ष रामाधार सिंह, अशोक कुशवाहा, विक्रमा सिंह, ब्रिज मोहन सिंह, दिलीप कुशवाहा व जितेंद्र सिंह सहित अनेक नेता उपस्थित थे। मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि वे स्व. दीनानाथ सिंह के श्राद्धकर्म में नहीं पहुंच सके थे, इसलिए पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन

प्राप्त शिकायतों पर जांचोपरांत यथोचित कारवाई का मिला आश्वासन

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जनता दरबार आमजन से सीधे संवाद का माध्यम है। इसका उद्देश्य लोगों की वास्तविक समस्याओं को सुनना और उन्हें त्वरित समाधान प्रदान करना है जिला उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने आज अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन किया गया।

आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु आए करीब दर्जनों लोगों से उपायुक्त ने मिलकर उनकी समस्याएं सुनी तथा जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस प्रकार बारी-बारी से लोगों ने विभिन्न प्रकार की समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट भी निष्पादन किया गया। जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, मईया समान योजना से जुड़ी समस्याएं, दिव्यागजन हेतु ट्राई-साइकिल की मांग, भूमि विवाद, दाखिल खारिज, स्वास्थ्य विभाग, पेंशन, राशन, भू अर्जन, पेयजल, अबुआ आवास योजना, शिक्षा विभाग व विद्यालय संचालन से संबंधित मुद्दे, स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता एवं अन्य व्यक्तिगत व सामुदायिक समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। उपायुक्त ने सभी आवेदकों की समस्याएं सहजता, संवेदनशीलता एवं गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया। उपायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें ताकि आमजन को राहत मिल सके।

उपायुक्त ने बताया कि मंगलवार एवं शुक्रवार के अलावा भी आमजन अपनी समस्याओं को लेकर समाहरणालय आ सकते हैं, संबंधित विभाग को अपना आवेदन दे सकते हैं, उनके आवेदन का त्वरित निराकरण किया जायेगा। जिला उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने कहा कि जनता दरबार आमजन से सीधे संवाद का माध्यम है। इसका उद्देश्य लोगों की वास्तविक समस्याओं को सुनना और उन्हें त्वरित समाधान प्रदान करना है। हमारा प्रयास है कि जिला प्रशासन हर नागरिक तक प्रभावी ढंग से पहुँचे और विश्वास का वातावरण बने। गौरतलब हो कि समाहरणालय में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया जाता है, जिसमें जिलेवासी उपायुक्त से मिलकर अपनी समस्याएं साझा करते हैं तथा उनकी समस्याओं का ऑन द स्पॉट निराकरण भी किया जाता है। उपायुक्त ने कहा कि जन समस्याओं का प्राथमिकता के साथ निष्पादन और प्रभावी समाधान करना जनता दरबार का उद्देश्य है।

गंगाजल लाने गए युवक की डूबने से मौत

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। श्रावणी महोत्सव के तहत कलश यात्रा में गंगाजल लाने एनआईटी घाट, पटना पहुंचे फुलवारी शरीफ निवासी युवक की गंगा में डूबने से मौत हो गई. मृतक की पहचान फुलवारी शरीफ थाना के सामने रामदेव मार्केट निवासी स्वर्गीय रामदेव शर्मा के पुत्र कलूट शर्मा के छोटे बेटे सौरभ शर्मा के रूप में हुई है. हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया. वहीं घाट पर अफरा-तफरी और मातम का माहौल बन गया. डेड बॉडी की तलाश के लिए पटना में सुबह से शाम तक एसडीआरएफ ल्ली तलाशी अभियान चलाया लेकिन डेड बॉडी नहीं मिल पाया वहीं पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो रहा है. मृतक सौरभ शर्मा शादीशुदा था और उसे एक छोटा बेटा भी है.

जल्द शुरू होगी टेंडर प्रक्रिया, तैयारी में जुटा विभाग प्रेस वार्ता कर दी गई जानकारी

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। राज्य सरकार द्वारा नई उत्पाद नीति लागू करने के बाद गिरिडीह उत्पाद विभाग ऑनलाइन टेंडर प्रक्रिया कराने में जुट गई है प्रेसवार्ता करदी गई जानकारी उत्पाद अधीक्षक महेंद्र देव सिंह, निरिक्षक रवि रंजन और कुमार महेंद्र ने बताया कि सम्भवतः अगले तीन दिन बाद से ऑनलाइन टेंडर शुरू हो जायगा संभवता होगा कि टेंडर में बाहरी लोग शामिल नहीं हो, इसके लिए निगरानी रखी जाएगी अधिकारियों द्वारा बताया गया कि पूरे जिले मे 7 देशी और 93 कम्पोजीत शराब दुकानों का टेंडर के लिए 45 समूह का ग्रूप बनाया गया है जिसमे हर समूह में दो दुकानों का होना है.जिसमे कि पिछ्ले वित्तीय साल में उत्पाद विभाग को 104 करोड़ रुपये का कमाई हुआ था. और इस साल भी 109 करोड़ का टारगेट रखा गया है. टारगेट थोड़ा अधिक है लेकिन नया नीति लागू होने से पहले चार महीना राजस्व वसूली हो चुका है लिहाजा, 109 करोड़ इस साल रखा गया है. जानकारी दी गई है कि दो दुकानों के एक समूह का औसत टेंडर कीमत 4 करोड़ तक होना तय है एक सवाल के जवाब में उत्पाद अधीक्षक ने कहा कि इस बार बिक्री पर 12 फीसदी कमीशन का फायदा तय किया गया है. उत्पाद विभाग का प्रयास है कि टेंडर में स्थानीय लोग शामिल हो, जिससे यहाँ के अस्थनीय लोगो को रोजगार का अवसर प्राप्त हो सके।

आपका संगठन आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आज राधास्वामी संगठन आपकी संगठन आपके द्वार कार्यक्रम के तहत झारखंड प्रदेश अध्यक्ष मुकेश कुमार सिन्हा सर के नेतृत्व एवं सभी कार्यकताओं के सहयोग से दो जिलों गढ़वा ,पलामू से कार्य का शुभारंभ किया गया जिसमें संगठन की झारखंड की मीडिया प्रभारी अनीशा सिन्हा ने कहा कि राधास्वामी संगठन का उपदेश संगठन आपकी संगठन,आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से आखरी पायदान के हर एक व्यक्तियों को संगठन की सभी योजनाओं का विस्तृत जानकारी देकर संगठन से जोड़कर उनको आर्थिक मजबूती प्रदान करना और वॉइस से ग्रामीणों को जो आज भी आर्थिक रूप से असहाय हैं व जिनकी बेटियों की विवाह में असुविधा होती है ,जिनके बच्चों की शैक्षणिक व्यवस्था में परेशानियां हो रही है , आज 78 वर्ष आजादी के बीत जाने के बाद भी गाँव शहरों में झोपड़ियां ज्यों की त्यों है उसके तहत राधास्वामी आवास योजना की जानकारी राधास्वामी संगठन एफएम सीजी योजना की विस्तृत जानकारी जिसके तहत राधास्वामी संगठन अपने सभी ग्रामीणों को आर्थिक रूप से मजबूती व सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने में एक अहम भूमिका का निर्वहन कर रही है राधास्वामी संगठन का प्रमुख योजना राधास्वामी कन्यादान योजना, आवास योजना, वाहन योजना,नचिकेता छात्रवृत्ति योजना गैस सब्सिडी योजना,एफएमसीजी योजना इत्यादि इन सभी योजनाओं से क्षेत्रवासियों को आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करना मीडिया प्रभारी अनीशा सिन्हा ने यह भी कहा कि अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय दीपक शर्मा सर के दिशा निर्देश में अग्रसर हैं ,और उन के ख़्वाब वर्चस्व को मजबूत करने के लिए हम सब एक हैं, और उनकी मुहिम के तहत पूरे भारत में 20 से 30 करोड़ सदस्य बनाने का संकल्प जो उनका है वो पूरा करने का प्रयास सभी कार्यकर्ता करेंगे जिसके लिए सभी कार्यकर्ता तैयार थे, तैयार है और आगे भी हमेशा तैयार रहेंगे।

झामुमो के जिला प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा और जिला संगठन सचिव अनिल चौधरी का देवरी झामुमो कार्यालय में स्वागत

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड मुक्ति मोर्चा देवरी प्रखण्ड समिति के द्वारा शुक्रवार को झामुमो के नव नियुक्त जिला प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा और संगठन सचिव अनिल चौधरी का झामुमो कार्यालय देवरी में स्वागत किया गया । प्रखण्ड अध्यक्ष मोजाहिद अंसारी और प्रखण्ड सचिव रघु मरांडी ने दोनों नेताओं को हरा गमछा ओढ़ाकर और मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया । इस अवसर पर प्रखण्ड अध्यक्ष मोजाहिद अंसारी ने कहा कि जिला कमेटी में कृष्ण मुरारी शर्मा और अनिल चौधरी के आने से संगठन को मजबूती मिलेगी। और देवरी प्रखंड को भी इसका लाभ होगा । प्रखण्ड सचिव रघु मरांडी ने कहा कि दोनों की नियुक्ति से देवरी प्रखंड में खुशी का माहौल है। झामुमो के प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने कहा कि झारखंड सरकार गरीबों, युवाओं और महिलाओं के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ने महिला सशक्तिकरण कि दिशा में झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना लाकर पूरे देश में एक मिसाल कायम किया है। और अब इसकी चर्चा विश्व स्तर पर हो रही है।इसको देखने वर्ल्ड बैंक के प्रतिनिधि झारखंड आ रहे हैं। जिला संगठन सचिव अनिल चौधरी ने कहा कि जिले के सभी प्रखंडों में संगठन को मजबूत करने की पहल की जाएगी । स्वागत समारोह में कोषाध्यक्ष ब्यास राय , विजय सिंह, रामकिसुन हाजरा, निजाम अंसारी, राजकुमार राम, कासिम अंसारी, शमीम अंसारी, ढेना टुडू, चेतलाल हाजरा, हरिलाल टुडू, पौलूस हांसदा, उदीन अंसारी, कामेश्वर वर्मा , महेन्द्र राणा सहित कई लोग मौजूद थे।

सीनियर एसपी कार्तिकेय शर्मा नगवां पहुंचे, आश्वासन के बाद धरना समाप्त, जांच में जुटी पुलिस

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नगवा गांव की घटना को लेकर जब जनआक्रोश चरम पर पहुंच गया, तब पटना के सीनियर एसपी कार्तिकेय शर्मा खुद मौके पर पहुंचे. उन्होंने धरना स्थल पर विधायक गोपाल रविदास और प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की. उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा. इसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया. सीनियर एसपी के साथ फुलवारी डीएसपी, सीटी एसडीपीओ, फुलवारी थाना अध्यक्ष, नौबतपुर थाना अध्यक्ष और जानिपुर थाना प्रभारी दल-बल के साथ घटनास्थल पहुंचे. उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और आसपास के ग्रामीणों से भी बातचीत कर पूरी जानकारी ली. घटनास्थल पर डॉग स्क्वॉड और एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) की टीमों ने जांच की, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है. इससे जनता की नाराजगी और बढ़ गई है. सिटी एसपी भानु प्रताप ने बताया कि घटनास्थल के पास से बदमाशों की एक टोपी मिली है, जिसकी जांच की जा रही है. उन्होंने कहा कि घटनास्थल और मकान के आसपास काफी कम दूरी पर नशे और शराब का अवैध धंधा चलता है.

जिला उपायुक्तकी अध्यक्षता में आत्मा शासकीय निकाय एवं जिला खाद्य सुरक्षा मिशन कार्यकारिणी समिति की बैठक

गिरिडीह /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। समाहरणालय सभागार में आज जिला उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव की अध्यक्षता में आत्मा शासकीय निकाय एवं जिला खाद्य सुरक्षा मिशन कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आत्मा, गिरिडीह द्वारा संचालित एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत प्रशिक्षण, परिभ्रमण, प्रत्यक्षण, किसान गोष्ठी, कृषक वैज्ञानिक अन्तरमिलन कार्यक्रम एवं कृषक पाठशाला आदि के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन-धान, दलहन, तेलहन, कोर्स सिरीयल एवं न्यूट्री सिरीयल के वार्षिक कार्य योजना के विभिन्न गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई एवं स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही उन्होंने निदेश दिया कि राज्य से बाहर जाने वाले कृषकों का पैमाना तय कर वैसे कृषकों को भेजें जो कुछ सिख कर आए एवं जिले में कृषि तकनीकी अपनाकर खेती करे। इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्र का सहयोग लें। विभिन्न फसलों का प्रत्यक्षण करने वाले कृषकों पर क्या प्रभाव पड़ा इसका अगली बैठक में प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। जिला में तकनीकी ढंग से खेती करने वाले कृषकों का विडियो फिल्म बनाएँ। अधिक से अधिक किसान गोष्ठी करें। इसके साथ-साथ जिला स्तरीय राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन कार्यकारिणी समिति की बैठक भी की गई जिसमें जिले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन योजना के तहत दलहन, मोटा अनाज, तेलहन, धान, न्यूट्री सिरियल एवं तेलहन फसल अंतर्गत जिले के सभी फसलों का वितरण की समीक्षा की गई। निदेश दिया गया कि सभी फसल का प्रत्यक्षण क्षेत्र में दिखना चाहिए। प्रत्यक्षण संकुल में करें एवं प्रत्यक्षण हेतु क्षेत्र का चयन में कृषि विज्ञान केन्द्र का सहयोग अवश्य लें। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि योजना के मार्गदर्शिका के अनुरूप विभिन्न गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जाए।

शास्त्रीनगर, अगाघाट, पचंबा, बिसनपुर आदि जगह की नालियां और पेयजल की सुविधा जल्द ठीक हो वरना नगरनिगम का होगा घेराव : राजेश सिन्हा

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगरनिगम की तमाम जलजमाव वाले, नालियों को साफ करें नगर निगम,साथ ही साथ शास्त्री नगर और अगार्घाट में बड़ी बड़ी नालियां है उसे तत्काल सेल्फ लगवाया जाय,बेहतर करवाया जाय करवाया जाय इस बात को लेकर श्री सिंहा ने उपनगर आयुक्त प्रशांत लायक से बात चित की,उन्होंने अफसरों और सर्वे करने वाले को बुलाकर दोनों बड़े बड़े नालों की नाप लाने को कहा,कागज पर लाने की बात कही,कहा कि फिलहाल बरसात के समय अन्य नालों की सफाई में लगे है दशहरा तक नालों का काम होगा सिन्हा ने बताया कि पिछ्ले कई अफसरों के लापरवाही से गिरिडीह का हाल बरसात में और खराब हो जाता है,किसी किसी नाले का पानी सालों भर रोड में ही आता रहता है सिन्हा ने पेयजल की समस्या पर भी बात की कहा कि पचंबा फोर लेन में रात में सैकड़ों लोग अपने अपने घर में पानी के पाईप में छेद कर के अवैध तरीके से रोड काट काट के पाईप बिछाया गया है* इसकी जांच हम करवाएंगे,इसपर कहा संज्ञान में है,गिरिडीह अर्बन एरिया के अफसर ने कहा समस्या पता है समाधान तब होगा जब जनता भी जागरूक होगी।जब नगरपालिका था गिरिडीह में तो लगभग 550 सफाई कर्मी थे,जिसमे लगभग 100 महिला कर्मी थी आज पांच भी नहीं है,नगरनिगम हो गया,36 वार्ड हो गए,घर 100 गुणा बढ़ गया किंतु सुविधा खत्म हो रही है क्या है इसका कारण,इसकी आवाज भी जोरदार तरीके से माले उठाएगा।

नगमा में भाई-बहन की जलाकर हत्या मामले में सांसद रामकृपाल यादव पहुंचे घटनास्थल

सीनियर एसपी से की बात, कहा-पाताल से भी निकालकर हो अपराधियों की गिरफ्तारी

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पटना जिले के जानीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नगवा गांव में भाई-बहन को जलाकर मारने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है. इस हृदयविदारक घटना के विरोध में जहां स्थानीय लोगों में गुस्सा है, वहीं शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री एवं पटना के सांसद रामकृपाल यादव खुद मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात की. रामकृपाल यादव ने मृतक बच्चों के परिजनों से बातचीत कर पूरी जानकारी ली और ढांढस बंधाया. उन्होंने कहा कि यह इलाका उनका ननिहाल है और वे इसे अपना घर समझते हैं. आज तक इस क्षेत्र में ऐसी दर्दनाक और बर्बर घटना कभी नहीं हुई. उन्होंने इस अमानवीय कांड को समाज और इंसानियत पर हमला बताया. सांसद यादव ने घटनास्थल से ही पटना के सीनियर एसपी से मोबाइल पर बातचीत कर अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की. उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि पाताल में भी छिपा हो अपराधी, तो उसे ढूंढ कर बाहर निकाला जाए और स्पीडी ट्रायल के तहत फांसी की सजा दी जाए. रामकृपाल यादव ने कहा कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त और निर्णायक कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई इस तरह की दरिंदगी करने की हिम्मत न करे. उन्होंने प्रशासन से मांग की कि इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित परिवार को अविलंब न्याय दिलाया जाए और इस केस की मॉनिटरिंग खुद वरिष्ठ अधिकारी करें. उन्होंने कहा कि घटना की जितनी निंदा की जाए, कम है. यह केवल एक परिवार का दुख नहीं है, बल्कि पूरे समाज को झकझोर देने वाली त्रासदी है. उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह स्वयं इस मामले को संसद और केंद्र सरकार तक उठाएंगे और हर स्तर पर न्याय सुनिश्चित कराने के लिए तत्पर रहेंगे. इस दौरान रामकृपाल यादव के साथ लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश महासचिव सुरेश पासवान, पूर्व प्रखंड प्रमुख राधे रमन पासवान, स्थानीय जनप्रतिनिधि व ग्रामीण नेता भी मौजूद रहे. लोगों ने एक स्वर में कहा कि अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी सजा ही इस घटना का एकमात्र जवाब होना चाहिए.

नगवां कांड के विरोध में कैंडल मार्च, हजारों लोगों ने उठाई इंसाफ की मांग

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जानीपुर थाना क्षेत्र के नगवां गांव में दो मासूम भाई-बहन अंशु और अंजलि की निर्मम हत्या के खिलाफ शुक्रवार की शाम जानीपुर बाजार में कैंडल मार्च निकाला गया. इस शांतिपूर्ण लेकिन भावनात्मक मार्च में हजारों की संख्या में बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता, नौजवान और आम लोग शामिल हुए. कैंडल मार्च की अगुवाई स्थानीय विधायक गोपाल रविदास ने की. उनके साथ भाकपा माले के प्रखंड सचिव गुरुदेव दास, जिला परिषद सदस्य दीपक मांझी, प्रखंड प्रमुख मुन्नी देवी, शुभम यादव और बड़ी संख्या में समाजसेवी व आम ग्रामीण शामिल रहे. मार्च जानीपुर बाजार के मुख्य मार्ग से गुजरता हुआ पूरे इलाके में इंसाफ की पुकार बन गया. लोगों ने मोमबत्ती हाथों में लेकर "अंशु-अंजलि को इंसाफ दो", "हत्यारों को फांसी दो", जैसे नारे लगाए.

टमाटर नहीं रहे मजेदार, कीमत 100 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में टमाटर के दाम दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। स्थिति यह है कि अब टमाटर प्रति किलो 100 रुपये के पार पहुंच गया है। कारोबारियों के मुताबिक, मॉनसून की वजह से बेंगलुरु, हिमाचल, हरियाणा में फसल खराब होने के चलते टमाटर की आवक कम हो गई है, जबकि डिमांड तेज है। इसकी वजह से मंडियों में टमाटर का भाव तेज हो गया है। हालांकि, लोगों को टमाटर की महंगाई से राहत दिलाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ की ओर से टमाटर 50 रुपये प्रति किलो

की दर पर पर बेचा जा रहा है। गाजीपुर सब्जी मंडी, ओखला सब्जी मंडी, आजादपुर सब्जी मंडी सहित दिल्ली के सभी मंडियों में इन दिनों टमाटर की आवक कम होने से दाम बढ़ रहे हैं। आजादपुर सब्जी मंडी के एक कारोबारी ने बताया कि मॉनसून की वजह से इन दिनों टमाटर की आवक कम हो गई है, जिससे बीते चार दिनों में टमाटर के रेट मंडी में 40 से 50 रुपये प्रति किलो थोक में बिक रहे हैं।

चार दिन में तेजी

वहीं, धनिया से लेकर गोभी समेत अन्य सब्जियों के रेट में भी उछाल आया है। लक्ष्मी नगर मार्केट के रिटेल कारोबारी ने बताया कि बीते चार दिन पहले टमाटर का रिटेल भाव 50 से 70 रुपये किलो था, लेकिन अब रेट 100 रुपये तक पहुंच गया है। दावा है कि आने वाले दिनों में अगर सप्लाई नहीं बढ़ती है तो रेट और बढ़ेगा।

सुजलॉन एनर्जी के शेयर खरीदने को मची लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के शेयर खरीदने को लूट मची हुई है। इसमें शुक्रवार, 1 अगस्त को 6 प्रतिशत से भी ज्यादा की उछाल दर्ज की गई। यह बढ़त दो बड़ी खबरों की वजह से हुई। कंपनी का फ्यूचर्स एंड ऑप्शन्स सेगमेंट में एंट्री और एक नए बड़े ऑर्डर की घोषणा। सुजलॉन एनर्जी ने आज ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी देते हुए बताया कि उसे जेलेस्ट्रा इंडिया से 381 मेगावॉट का बड़ा ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए है। प्रोजेक्ट्स ऐसे नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र होते हैं, जिनमें बैटरी जैसे एनर्जी स्टोरेज सिस्टम लगे होते हैं, ताकि बिना रुके बिजली आपूर्ति हो सके।

शेयर प्राइस में जबरदस्त उछाल– आज एनएसई पर सुजलॉन के शेयर ने 62.30 रुपये से शुरुआत की। सुबह से ही खरीदारी का दबाव बना रहा और शेयर लगातार ऊपर चढ़ता गया। दिन के सबसे ऊंचे स्तर पर यह 65.50 रुपये तक पहुंच गया, यानी इंट्राडे में 6 प्रतिशत से भी ज्यादा की बढ़त दर्ज की।

कंपनी के वाइस चेयरमैन ने बताया महत्व– सुजलॉन ग्रुप के वाइस चेयरमैन, गिरीश टंटी ने कहा, भारत की ऊर्जा परिवर्तन यात्रा एक अहम मोड़ पर है, जहां 24×7 भरोसेमंद नवीकरणीय बिजली पर फोकस बढ़ रहा है। यह प्रोजेक्ट उसी महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है।

सोना की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी

पांच साल में सबसे कम रह सकती है सोने की मांग; 2025 में घट सकती है बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी। कीमतों में रिकॉर्ड तेजी से देश में 2025 में सोने की मांग पांच साल के निचले स्तर पर पहुंच सकती है। हालांकि, इससे सोने की निवेश मांग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, आभूषणों की कम खरीदारी से इस साल सोने की मांग 600 से 700 टन के बीच रह सकती है, जो 2020 के बाद सबसे कम है। 2024 में मांग 802.8 टन रही थी।

डब्ल्यूजीसी के क्षेत्रीय सीईओ (भारत) सचिन जैन ने कहा, जनवरी से जून तक सोने की कुल मांग करीब 253 टन रही। अगर कीमत के स्तर पर स्थिरता रही, तो इस साल मांग 700 टन के ऊपरी स्तर पर पहुंच सकती है। हालांकि, वैश्विक अनिश्चितता और अन्य वजहों से अगर कीमतें 10-15 फीसदी बढ़ती

हैं, तो सोने की मांग में गिरावट आ सकती है। घरेलू बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक 28 फीसदी बढ़ी हैं।जून में यह 1,01,078 रुपये प्रति 10 ग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाईपर पहुंच गई थी।

स्वर्ण आभूषणों की मांग में 17 फीसदी की गिरावट

स्वर्ण आभूषणों की मांग दूसरी तिमाही में 17 फीसदी घटकर 88.8 टन रही।2024 की समान तिमाही में यह 106.5 टन थी। हालांकि, मूल्य के आधार पर आभूषणों की मांग 20 फीसदी बढ़कर 80,150 करोड़ रुपये पहुंच गई। एक साल पहले की समान तिमाही में यह 66,810 करोड़ रुपये थी।

वैश्विक स्तर पर तीन फीसदी बढ़ी मांग

डब्ल्यूजीसी के मुताबिक, सोने की वैश्विक मांग दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर तीन फीसदी बढ़कर 1,249 टन पहुंच गई। गोल्ड ईटीएफ में निवेश की कुल मांग में महत्वपूर्ण भूमिका रही। सोने के बिस्कुट और सिक्के में निवेश भी 11 फीसदी बढ़कर 307 टन पहुंच गया। दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने सोने की खरीदारी जारी रखी है। दूसरी तिमाही में पोलैंड, तुर्किये और अजरबैजान के केंद्रीय बैंकों ने कुल 166 टन सोने की खरीदारी की है।

महंगाई घटने से 76.6 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने बढ़ाया खर्च

सरकारी मदद से भी मिली राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। महंगाई की चिंता कम होने से 76.6 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने अपना खर्च बढ़ा दिया है। नाबार्ड के ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं भावना सर्वे (आरईसीएसएस) के मुताबिक, ग्रामीण आर्थिक स्थिति में तेजी के संकेत मिल रहे हैं। 78.4 फीसदी से अधिक परिवारों का मानना है कि मौजूदा महंगाई दर 5 फीसदी या उससे कम है, जो बेहतर मूल्य स्थिरता को दर्शाता है।

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के मुताबिक, ग्रामीण महंगाई मार्च के 3.25 फीसदी से कम होकर अप्रैल में 2.92 फीसदी और मई में 2.59 फीसदी रह गई ।खाद्य महंगाई भी घटकर 1.36 फीसदी रह गई, जिससे वित्तीय सेहत सुधरी है ।20.6 फीसदी परिवारों ने कहा, उनकी बचत अधिक हो रही है। 52.6 फीसदी लोग ऐसे हैं, जिन्होंने सिर्फ औपचारिक संस्थानों से कर्ज लिया है ।सर्वे में कहा गया है कि कर्ज के विभिन्न अनौपचारिक स्रोतों में मित्रों और रिश्तेदारों का हिस्सा साहूकारों से अधिक रहा ।आशावाद के संबंध में 74.7 फीसदी लोगों को अगले वर्ष आय में वृद्धि की उम्मीद है। 56.2 फीसदी से अधिक लोगों को अल्पावधि में बेहतर रोजगार मिलने की उम्मीद है। सर्वे में कहा गया है, ये निष्कर्ष ग्रामीण भारत में बढ़ती आय, बढ़ते वित्तीय समावेशन और बढ़ते घरेलू आशावाद की उत्साहजनक तस्वीर पेश करते हैं।

9.70 करोड़ परिवारों को मिलेगा पीएम किसान का पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार वह घड़ी अब आ ही गई, जब किसानों के खातों में पीएम किसान की 20वीं किस्त का 2000 रुपये क्रेडिट होंगे। सरकार ने कंफर्म कर दिया है कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त 2 अगस्त 2025 को सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। इसकी सूचना पीएम किसान पोर्टल पर भी जारी की गई है। पोर्टल पर कहा गया है कि माननीय प्रधानमंत्री 2 अगस्त 2025 को वाराणसी से पीएम किसान योजना की 20वीं किस्त जारी करेंगे। पीएम किसान योजना में पंजीकृत किसानों के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य है। ओटीपी आधारित ई-केवाईसी पीएम किसान पोर्टल पर उपलब्ध है या बायोमेट्रिक आधारित ई-केवाईसी के लिए निकटतम सीएससी केंद्रों से संपर्क किया जा सकता है।

9.70 करोड़ किसानों को मिलेगा पैसा

पीएम किसान की 20वीं किस्त 31 जुलाई तक किसानों के खातों में आ जानी चाहिए मगर इस बार दो दिन लेट से आएगी। पीएम किसान स्कीम के तहत सरकार हर साल 6,000 रुपये सीधे किसानों के खाते में देती है, जो तीन किस्तों में 2,000-2,000 की राशि के रूप में ट्रांसफर होती है।

टॉप अफसर ने दिया इस्तीफा, शेयर बेचने की लग गई होड़

15 प्रतिशत से ज्यादा टूट गया दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को बाजार खुलते ही धड़ाम हो गए हैं। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस के शेयर शुक्रवार को क्रैश में 15 पर्सेंट से ज्यादा लुढ़ककर 824.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ गिरीश कौसगी ने अपना कार्यकाल खत्म होने से पहले ही गुरुवार को अपना इस्तीफा दे दिया है, इसी वजह से पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस के शेयरों में यह तेज गिरावट देखने को मिली है। गिरीश कौसगी की अक्टूबर 2022 को चार साल के कार्यकाल के लिए नियुक्ति हुई थी। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि मैनेजमेंट जल्द ही नए सीईओ की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करेगा।

पंजाब नेशनल बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ अशोक चंद्रा ने निवेशकों को आश्वस्त किया है कि पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ गिरीश कौसगी के इस्तीफे के पीछे कोई

आंतरिक चिंता या बिजनेस से जुड़ा मुद्दा नहीं है।

उन्होंने कहा है कि कौसगी के इस्तीफे की वजह पूरी तरह से व्यक्तिगत है। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस में पंजाब नेशनल बैंक की 28 पर्सेंट से ज्यादा हिस्सेदारी है।

घटा दिया शेयरों का टारगेट प्राइस

विदेशी ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टैनली ने पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस के शेयरों पर ओवरवेट रेटिंग बनाए रखी है। हालांकि, ब्रोकरेज हाउस ने हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के शेयरों का टारगेट प्राइस घटा दिया है। मॉर्गन स्टैनली ने पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस का टारगेट प्राइस घटाकर 1100 रुपये कर दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने पहले कंपनी के शेयरों के लिए 1300 रुपये का टारगेट दिया था।

बड़े आईपीओ में घटाया जाए रिटेल निवेशकों का कोटा

सेबी ने पेश किया नया प्रपोजल

नई दिल्ली, एजेंसी। सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने एक बड़े बदलाव के लिए प्रस्ताव पेश किया। सेबी के इस नए प्रस्ताव के अनुसार बड़े आईपीओ में क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स की हिस्सेदारी बढ़ाई जाए। वहीं, खुदरा निवेशकों की रिजर्व लिमिट को घटाया जाए। सेबी का इस प्रस्ताव के पीछे की तर्क है कि बीते कुछ सालों के दौरान खुदरा निवेशकों की आईपीओ में योगदान स्थिर रहा है।

क्या है सेबी का प्रस्ताव– रेगुलेटर का प्रस्ताव है कि 5000 करोड़ रुपये से अधिक के साइज वाले आईपीओ में रिटेल निवेशकों का हिस्सा 35 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत कर दिया जाए। वहीं, इंस्टीट्यूशनल इंवेस्टर्स की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दी जाए। इसके अलावा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और

पेंशन फंड को म्यूचुअल फंड्स के साथ एंकर निवेशकों वाली रिजर्व कैटगरी में रखने का प्रस्ताव सेबी ने भेजा है।

क्या है सेबी की दलील– मार्केट रेगुलेटर सेबी का कहना है कि आईपीओ का औसतन साइज बीते कुछ सालों के दौरान बढ़ा है।

लेकिन इसके बाद भी रिटेल निवेशकों की डायरेक्ट हिस्सेदारी अभी भी स्थिर ही है। वहीं, बड़े आईपीओ के लिए रिटेल सब्सक्रिप्शन अब भी कम ही है।

110 रुपये पर लिस्ट हुआ यह सस्ता आईपीओ

कमजोर मार्केट में पटेल केम स्पेशलिटीज आईपीओ की मजबूत लिस्टिंग हुई थी। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई में 30 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ 110 रुपये पर हुआ था। लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयरों में और तेजी देखने को मिली। जिसकी वजह से स्टॉक का भाव 114 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। लेकिन उसके बाद कंपनी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। पटेल केम स्पेशलिटीज का शेयर 5 प्रतिशत लुढ़कने के बाद बीएसई में 104.50 रुपये पर आ गया। जब इस कंपनी का आईपीओ आया था तब उसका प्राइस बैंड 84 रुपये निर्धारित किया गया था। बता दें, इस एसएमई आईपीओ को 167 गुना सब्सक्राइब किया गया था।

बीएसई-100 कंपनियों में सीईओ का वेतन पांच वर्षों में 114 प्रतिशत बढ़ा

एऑन की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारियों की छंटनी के बीच कॉरपोरेट में शीर्ष स्तर पर वेतन में जबरदस्त वृद्धि हो रही है। एऑन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई की शीर्ष-100 कंपनियों के प्रमुखों का कुल फिक्स्ड वेतन पांच वर्षों में 114 फीसदी बढ़ा है। इस दौरान लंबे समय के प्रोत्साहन (एलटीआई) के बिना कंपनियों की कुल लागत (टीसीसी) में 156 फीसदी की वृद्धि हुई है। एलटीआई के साथ टीसीसी में 2019 से 108 फीसदी की तेजी देखी गई है। इससे पता चलता है कि उच्च प्रदर्शन वेतन की ओर स्पष्ट बदलाव दिख रहा है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में वेतन में काफी असमानता भी दिखाई दे रही है। उदाहरण के तौर पर, वित्तीय क्षेत्र के संस्थानों के सीईओ, विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के प्रमुखों की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक कमाई करते हैं। प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता वस्तुएं और लाइफ साइंस क्षेत्र भी नेतृत्व क्षमता एवं नवाचार की बाजार मांग के कारण प्रतिस्पर्धी मुआवजा प्रदान करते हैं। पेशेवर सीईओ को निश्चित वेतन, कम समय का प्रोत्साहन (एसटीआई) और एलटीआई के रूप में मिश्रण वाला वेतन मिलने की अधिक संभावना होती है। मुख्यत : विनियामक कारणों से प्रमोटर सीईओ स्टॉक लिंक्ड रिवॉर्ड के कम उपयोग के साथ निश्चित मुआवजे को पसंद करते हैं।

50 फीसदी निजी कंपनियां संस्थापकों को पेशेवर सीईओ से अधिक वेतन देती हैं। इसके पीछे का प्रमुख कारण भूमिका की जटिलता और क्रॉस फंक्शनल निरीक्षण होता है। 89 प्रतिशत कंपनियां सीईओ के वेतन वृद्धि के लिए प्राथमिक आधार के रूप में बाजार के रुझान का उपयोग करती हैं। दीर्घकालिक प्रोत्साहनों का महत्व बढ़ रहा है। उदाहरण के तौर पर स्टॉक ऑप्शन 57 फीसदी के साथ सबसे प्रचलित एलटीआई साधन है।

कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस

सिलेंडर की कीमतों में कटौती की है। 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में 33.50 रुपये की कमी की गई है, जो 1 अगस्त 2025 से प्रभावी होगी। नई कीमतें लागू होने के बाद दिल्ली में 1 अगस्त से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1631.50 रुपये हो जाएगी, जिसकी मौजूदा कीमत 1665.00 रुपये है। हालांकि आम उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिली है। 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडरों के दामों की समीक्षा की जाती है। इस बार बदलाव केवल कमर्शियल सिलेंडर पर सीमित रहा है।इससे पहले 1 जुलाई 2025 को भी कॉमर्शियल एलपीजी की कीमतों में 58.5 रुपये की कटौती की गई थी। यह लगातार 5वां महीना है जब गैस की कीमतों में कटौती की गई है। इससे जुलाई से पहले जून में 24 रुपये, मई में 14.50 रुपये और अप्रैल में कमर्शियल रसोई गैस की कीमतों में 41 रुपये की कटौती की गई थी।

सामने आई अनिल अंबानी की गुप्त कंपनी! 17,000 करोड़ की हेराफेरी का आरोप

प्रवर्तन निदेशालय का अनिल अंबानी को समन

कई ठिकानों पर छापेमारी के एक हफ्ते बाद किया गया तलब

मुंबई, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस समूह के मुखिया अनिल अंबानी को 5 अगस्त को पूछताछ के लिए तलब किया है। अनिल अंबानी को उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ कथित ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में समन किया गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से शुक्रवार को बताया कि 66 साल के अनिल अंबानी को दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। मामला भी यहीं दर्ज किया गया है। एजेंसी धन शोधन निवारण अधिनियम

(पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज करेगी। यह समन पिछले हफ्ते संघीय एजेंसी की ओर से उनके व्यावसायिक समूह की कई कंपनियों और अधिकारियों के खिलाफ छापेमारी के बाद किया गया है। 24 जुलाई को शुरू की गई यह छापेमारी तीन दिनों तक चली थी।

3,000 करोड़ रुपये के अवैध ऋण डायवर्जन का आरोप

ईडी सूत्रों ने बताया था कि जांच मुख्य रूप से 2017-2019 के बीच यस बैंक की ओर से अंबानी समूह की कंपनियों को दिए गए लगभग 3,000 करोड़ रुपये के अवैध ऋण डायवर्जन के आरोपों से संबंधित है। समूह की दो कंपनियों रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया था कि छापों का उनके व्यावसायिक संचालन, वित्तीय प्रदर्शन, शेयरधारकों, कर्मचारियों या किसी अन्य हितधारक पर बिल्कुल कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

- **2017 से 2019 के बीच का है ऋण धोखाधड़ी मामला–** ईडी सूत्रों ने कहा कि वे 2017 और 2019 के बीच यस बैंक से लगभग 3,000 करोड़ रुपये के अवैध ऋण डायवर्जन के आरोपों की जांच कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, ईडी को पता चला है कि ऋण दिए जाने से ठीक पहले यस बैंक के प्रमोटरों को उनके व्यवसाय में धन प्राप्त हुआ था। इसे देखते हुए एजेंसी रिश्वत और ऋण के इस गठजोड़ की जांच कर रही है। सूत्रों ने बताया कि संघीय एजेंसी रिलायंस अनिल अंबानी समूह की कंपनियों को यस बैंक की ओर से ऋण स्वीकृतियों में घोर उल्लंघनों के आरोपों की पड़ताल कर रही है। ईडी की कार्रवाई राष्ट्रीय आवास बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए), बैंक ऑफ बड़ौदा और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज दो एफआईआर सहित कई नियामक और वित्तीय निकायों से प्राप्त इनपुट पर आधारित है।
- **एसबीआई ने आरकॉम और अनिल अंबानी को फ्रॉड की श्रेणी में रखा –** ईडी की छापेमारी एसबीआई की ओर से हाल ही में अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) को फ्रॉड के रूप में वर्गीकृत करने के बाद हुई थी। 13 जून, 2025 को, धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी दिशानिर्देशों और अपनी आंतरिक नीति के अनुसार,

New page 9_page 12 29.05.2025.qxd 01-08-2025 21:45 Page 1

धरती के भगवान का यह रूप

मृत बच्चे के इलाज का चार दिनों तक चलता रहा खेल

वेंटिलेटर पर रख ऐंठते रहे पैसे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। अरगोड़ा स्थित लिटिल हार्ट हास्पिटल ने एक मृत बच्चे को चार दिनों तक वेंटिलेटर में रखा। लिखित शिकायत मिलने पर पुलिस प्रशासन ने नवजात के शव को कब्जे में लेकर गुरुवार को रिम्स में पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम करने वाला डाक्टर नवजात का शव देख हैरान रह गए। डाक्टरों ने स्वजनों को बताया कि बच्चा का शरीर देखकर ही लग रहा है कि इसकी मृत्यु काफी पहले ही हो चुकी है। पूरा शरीर सड़ने की स्थिति में है और बदबू भी आ रही है। हालांकि पूरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट पुलिस को सौंपी जाएगी।इसके बाद आगे का अनुसंधान चलेगा। पोस्टमार्टम के बाद शव को स्वजनों के हवाले कर दिया गया।

इसे लेकर बच्चे के स्वजन अरगोड़ा थाना पहुंचे और पुलिस से पोस्टमार्टम रिपोर्ट की मांग की। पुलिस ने बताया कि रिपोर्ट आने में 10-15 दिन का समय लगेगा, उसके बाद आगे की कार्रवाई होगी। पुलिस प्रशासन ने स्वजनों को आश्वस्त किया कि जो भी दोषी होंगे उस पर कड़ी कार्रवाई होगी।

इससे पहले नवजात की मौत के बाद उसके पिता विद्यानगर हरमू निवासी मुकेश सिंह थाने में प्राथमिकी दर्ज करा चुके हैं। नवजात का पोस्टमार्टम करने के बाद प्रबंधन ने पिता के हाथ में ही बच्चे को थमा दिया। हाथ में शव लेने के बाद पिता दहाड़ मार रोने लगे। इसे देख वहां मौजूद सभी लोगों की आंखे भर आईं।

इसके बाद पिता ने बाइक से ही नवजात को लेकर अरगोड़ा थाने की ओर निकल गए। उन्होंने बताया कि शायद अब पुलिस ही उनकी मदद कर सकेगी। जिस तरह से मृत बच्चे को वेंटिलेटर में रख डाक्टरों ने मानवता को शर्मसार करने वाला काम किया है उसे कभी माफ नहीं किया जाएगा। मृत नवजात को इलाज के नाम पर चार-पांच दिनों तक वेंटिलेटर में रख स्वजनों से लाखों रुपये ऐंठने का आरोप अस्पताल प्रबंधन पर लगाया गया है।

स्वजनों ने बताया कि यह कोई पहला मामला नहीं है बल्कि कई नवजात की जान से खिलवाड़ यहां किया जा रहा है।

मृत नवजात को तब तक वेंटिलेटर में रखा जाता है जब तक उसके शरीर से बदबू नहीं आने लगती। इसके बाद ही बच्चे को वेंटिलेटर से तुरंत निकाल उसे स्वजनों को सौंप दिया जाता है। यह खेल यहां कई वर्ष से चल रहा है, लेकिन इस बार ये रंगे हाथ पकड़े गए हैं। अस्पताल में नवजात शिशु की मौत के मामले में डा आशुतोष और डा सत्यजीत के खिलाफ अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी हुई है। मुकेश सिंह के बयान पर केस हुआ है। मुकेश ने शिशु की मौत को छिपाकर इलाज जारी रखने और अभिभावकों से पैसे वसूलने का गंभीर आरोप लगाया है। मुकेश सिंह ने अपनी शिकायत में बताया कि उनका बेटा 4 जुलाई को रांची सदर अस्पताल में पैदा हुआ था।8 जुलाई को उसे इंफेक्शन के कारण बेहतर इलाज के लिए लिटिल हार्ट सेंटर रेफर कर दिया गया। उसी दिन बच्चे को भर्ती कर लिया गया और इलाज शुरू हुआ। अस्पताल ने 15 दिनों तक बच्चे से मिलने नहीं दिया और स्थिति की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। हर दिन डाक्टरों द्वारा दवा और खून की मांग की जाती रही।

जब अभिभावकों ने बच्चे से मिलने की जिद की, तो अस्पताल के मालिक द्वारा उन्हें धमकाया गया। 30 जुलाई को जब अभिभावकों ने बच्चे की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की, तो डाक्टरों ने कहा कि बच्चे को रेफर किया जा रहा है और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने को कहा। लेकिन जब स्वजनों ने पहले बच्चे को देखने की बात कही तब उन्हें बच्चा सौंपा गया जो मृत था। स्वजनों अनुसार देखने से लग रहा था कि बच्चे की मृत्यु चार से पांच दिन पहले ही हो चुकी थी। लेकिन उसके बावजूद डाक्टर इलाज के नाम पर पैसे लेते रहे।

जांच का जिम्मा पुलिस अधिकारी गौतम कुमार राय को सौंपा गया है। मुकेश सिंह ने मांग की है कि इस अमानवीय कृत्य में शामिल सभी दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो और अस्पताल की कार्यप्रणाली की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।

बेटे के शव को सात किमी कंधे पर ढोया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। जिले के प्रतापपुर प्रखंड के कुब्बा गांव में बुनियादी सुविधाओं की घोर कमी एक बार फिर सामने आई है। गांव के 10 वर्षीय अजय कुमार की तालाब में डूबने से मौत हो गई। परिजनों ने एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन गांव तक पक्की सड़क नहीं होने के कारण वाहन वहां तक नहीं पहुंच सका। पुलिस की गाड़ी भी लोहड़ी पंचायत के फटियाही टोला में ही रुक गई, जो कुब्बा से करीब सात किलोमीटर दूर है। इस विषम परिस्थिति में मृत बच्चे के पिता भोला गंझू ने बेटे के शव को कंधे पर उठाया और पहाड़ी पगडंडी, जंगल और कीचड़ भरे रास्तों से होते हुए फटियाही तक सात किलोमीटर पैदल यात्रा की।

यह दृश्य जितना मार्मिक था, उतना ही प्रशासनिक तंत्र की विफलता का प्रतीक भी। कुब्बा जैसे सुदूर गांवों में सड़क, परिवहन और स्वास्थ्य सेवाओं की हालत बेहद दयनीय है। गांव में बिरहोर, भोक्ता और गंझू समुदाय के लोग निवास करते हैं, जिन्हें हर रोज समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है। प्रतापपुर प्रखंड में यह कोई पहला मामला नहीं है। 23 जुलाई को भूगाड़ा गांव में सड़क के अभाव में एक गर्भवती महिला की जान चली गई। वहीं, हिंदिया खुर्द में एक महिला ने जंगली रास्ते में ही बच्चे को जन्म दिया, क्योंकि एंबुलेंस नदी पार नहीं कर सकी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बार-बार निवेदन के बावजूद प्रशासन ने अब तक गांव तक सड़क नहीं बनवाई। जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

स्कूल बस और हाईवा की टक्कर

शिक्षिका सहित आधा दर्जन बच्चे घायल

अभिभावकों सहित शिक्षकों में मची रही अफरा तफरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। स्कूल बस और तेज रफ्तार मिनी हाईवा के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। घटना में करीब आधा दर्जन बच्चे समेत एक शिक्षिका घायल हो गईं। यह तो गनीमत थी कि स्कूल बस के चालक ने सूझबूझ से बड़ी घटना को टाल दिया। घटना गोड्डा- महागामा राष्ट्रीय उच्चमार्ग-133 पर महागामा थाना क्षेत्र के गम्हरिया के पास की शुक्रवार की सुबह की है।

घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि संत माइकल एंग्लो इंडियन स्कूल मोहनपुर की बस पथरगामा की ओर से बच्चों को लेकर आ रही थी, इसी दौरान गम्हरिया के पास विपरीत दिशा महागामा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार मिनी हाईवा ने बच्चों से भरी स्कूल बस को सामने से जोरदार टक्कर मार दी।

घटना को अंजाम देकर चालक भागने में सफल रहा। इधर स्कूली बस में धक्का लगते ही बच्चों के बीच अफरातफरी मच गई। बच्चों की चीख-पुकार एवं तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़ते हुए घटनास्थल पर पहुंचे।

जहां घबराए बच्चों को ढांढस बंधाते हुए शांत किया गया फिर, घटना की सूचना स्कूल प्रबंधक को दी गई। स्कूल प्रबंधक शिक्षकों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे साथ ही बच्चों के अभिभावक भी पहुंच गए। घटना की सूचना मिलते ही महागामा पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन की साथ ही मिनी हाईवा को जब्त कर थाना ले गई।

ग्रामीणों ने बताया कि मिनी हाईवा चालक नशे में धुत था जिसके कारण गाड़ी को तेज रफ्तार से चला रहा है। हालांकि, लोगों ने भाग रहे चालक और उपचालक को खदेड़ कर पकड़ने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली।

छात्रा रश्मि बिरहोर से मिलीं राष्ट्रपति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपने दो दिवसीय दौरे में इन दिनों झारखंड में है। इस दौरान उन्होंने झारखंड के विशेष रूप से वंचित जनजातीय समूह (पीवीटीजी) समुदाय की एक मेधावी छात्रा रश्मि बिरहोर से गुरुवार को रांची स्थित राजभवन में मुलाकात की।

रश्मि के साथ टाटा स्टील फाउंडेशन (टीएसएफ), वेस्ट बोकारो के सामुदायिक विकास सहायक प्रबंधक दीपक कुमार श्रीवास्तव भी थे। रश्मि की यात्रा टीएसएफ की आकांक्षा परियोजना के माध्यम से संभव हो पाया है जो गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक अवसर प्रदान करके पीवीटीजी बच्चों की शिक्षा का समर्थन करती है।

रश्मि बिरहोर ने इस बात पर अपार प्रसन्नता और आभार व्यक्त किया कि भारत की राष्ट्रपति ने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर उनके और उनके माता-पिता से मुलाकात की।

इस दौरान राष्ट्रपति ने भी उन्हें सहज महसूस कराते हुए संथाली में रश्मि से बातचीत की। रश्मि ने अपनी शिक्षा में सहयोग के लिए टाटा स्टील फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया, जिसने न केवल उनके जीवन को, बल्कि उनके परिवार और समुदाय के जीवन को भी बदल दिया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी पढ़ाई में कड़ी मेहनत की है और आशा व्यक्त की कि उनकी कहानी उनके समुदाय के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने और नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करेगी। रश्मि का दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा जीवन को आकार देने और नए अवसरों के द्वार खोलने में आधारशिला है।

प्रेमिका ने लगायी नदी में छलांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। सोनारी थाना क्षेत्र दोमुहानी पुल पर शुक्रवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती ने पुल से नदी में छलांग लगा दी। मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर सोनारी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची।

युवती की पहचान बारीडीह निवासी सुमित्रा प्रमाणिक के रूप में हुई है। वह अपनी अपनी सहेली के साथ दोमुहानी पुल की ओर घूमने आई थी और अपने ब्वॉयफ्रेंड से फोन पर बातचीत कर रही थी। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया जिसके बाद युवती ने अचानक पुल से छलांग लगा दी।

जिस युवक से वह बातचीत कर रही थी। वो बिस्टुपुर में काम करता है। पुलिस स्थानीय मछुआरों की मदद से नदी में युवती की तलाश कर रही है। घटना के बाद युवती का कुछ पता नहीं चल पाया है। जानकारी के बाद युवती के स्वजन मौके पर पहुंचे। पुलिस उसकी सहेली से पूछताछ कर रही है।

शराब की बड़ी खेप के साथ दो धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। नावा बाजार थाना की पुलिस ने थाना क्षेत्र में शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कंटेनर से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। इस दौरान दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। बरामद शराब की खेप छत्तीसगढ़ से बिहार भेजी जा रही थी। प्रभारी थाना प्रभारी सुबोध कुमार ने बताया कि 31 जुलाई को गढ़वा की ओर से आ रहे कंटेनर (सीजी 39टी 0957) में अवैध शराब की तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना की पुष्टि होते ही नावा बाजार पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग-98 स्थित चेकपोस्ट पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। जांच के दौरान एक संदिग्ध कंटेनर को रोका गया। चालक और खलासी ने पहले कंटेनर में प्लाईवुड होने की बात कही, लेकिन संदिग्ध व्यवहार को देखते हुए जब कंटेनर की तलाशी ली गई, तो अंदर से शराब की 1,068 पेटियां बरामद की गईं।

जिसमें विभिन्न कंपनी के दस्तावेज मांगने पर वे कोई वैध कागजात नहीं दिखा सके। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राम दिया (32 वर्ष), निवासी भिवानी (हरियाणा) और विजय (34 वर्ष), निवासी जिंद (हरियाणा) के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे चंदन सिंह (पता अज्ञात) के निर्देश पर शराब की यह खेप लेकर बिहार जा रहे थे। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि इस नेटवर्क में कई अन्य लोग भी शामिल हैं।

पुलिस ने इस मामले में नावा बाजार थाना कांड संख्या 58/25, दिनांक 01.08.2025 को भारतीय दंड संहिता की धारा 275/ 292/ 3(5) एवं 47(ं) झारखंड उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में पुअनि. विपिन कुमार, सअनि. हरिदर्शन राम, आरक्षी चंचल कुमार राय, विरेन्द्र कुमार, मुन्ना कुमार, नरेन्द्र कुमार, बृज कुमार वर्मा आदि शामिल थे।

जर्जर सड़क पर धान रोपकर ग्रामीणों ने जताया विरोध

टोल वसूली का होगा विरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सरायकेला। कोल्हान की लाइफ लाइन कही जाने वाली सड़क कांड्रा-सरायकेला-चाईबासा रोड बीमार हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं। इस मार्ग पर तीन-तीन स्थानों पर पर टोल नाका है। बावजूद इसके इस सड़क का हाल बदहाल हो चुका है।

65 किलोमीटर के इस सड़क पर हजारों गड्ढे बन चुके हैं जिसमें जल जमाव से राहगीरों को भीषण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हर दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही है। 24 घंटे इस सड़क पर वीवीआईपी मूवमेंट होता है। करोड़ों का राजस्व इस सड़क के जरिए प्राप्त होता है मगर सरकार और प्रशासन कुंभकर्णी निंद्रा में सोया हुआ है।

उसे जगाने के लिए सरायकेला नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष सह भाजपा नेता मनोज कुमार चौधरी ने तालाब बन चुकी सड़क पर धान रोपनी कर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने साफ कर दिया है कि यदि जल्द जेआरडीसीएल, संबंधित विभाग और जिला प्रशासन इस मामले पर गंभीर नहीं होती है तो इस सड़क पर टोल वसूली का पुरजोर विरोध किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि टोल रोड पर यात्रियों को केवल अच्छा रोड ही नहीं बल्कि कई प्रकार की सुविधाएं स्ट्रीट लाइट, शौचालय, पीने का पानी, चिकित्सा सहायता, वाहन मरम्मती एवं एम्बुलेंस उपलब्ध कराना है, परंतु कांड्रा -चाईबासा टोल रोड पर बने गड्ढे जहन्नुम पहुंचने का रास्ता बन चुके है।

आए दिन इस सड़क की चर्चा सुर्खियों में होने के बावजूद जेआरडीसीएल को कोई असर नहीं पड़ रहा है।

टोल शुल्क का उद्देश्य यात्रियों को अच्छी और सुचारू सड़क सुविधा प्रदान करना है और यदि सड़क खराब स्थिति में है, तो टोल वसूलना उचित सेवा के सिद्धांत का उल्लंघन है। उन्होंने क्षेत्र की जनता से जब तक रोड न बने टोल ना देने की अपील की है।

अधिकारी पर यौन शोषण का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

जादूगोड़ा। पूर्वी सिंहभूम जिले में स्थित भारत सरकार के संस्थान यूसिल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डॉ. संतोष कुमार सतपति पर रेप का आरोप लगा है। कंपनी की ही महिला अधिकारी ने उनके खिलाफ जादूगोड़ा थाना में शिकायत दर्ज कराई है।

पीड़िता अधिकारी यूसिल के एक विभाग में बीते कई वर्षों से पदस्थापित हैं। 31 जुलाई को दर्ज शिकायत के बाद पुलिस ने इसकी जांच शुरू कर दी है। जादूगोड़ा के थाना प्रभारी राजेश कुमार मंडल स्वयं केस के अनुसंधानकर्ता है। उन्होंने कहा कि मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दिया गया है। जांच के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, यूसिल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डॉ संतोष सतपति ने फोन पर कहा कि वे फिलहाल दिल्ली में है, उनपर लगे आरोप बेबुनियाद है। इस सिलसिले में शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अपना पक्ष मीडिया के समक्ष रखेंगे। इधर, इस मामले के बाद कम्पनी में हलचल मच गई है।

छापेमारी में हुआ दूध में मिलावट के खेल का भंडाफोड़

एक टैंकर लेकर चालक हुआ फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। पौष्टिक आहार के नाम पर बच्चों को दूध पिलाने व खुद दूध का सेवन करने वाले और चाय की चुस्की लेने वाले पूरी तरह से सावधान हो जाएं। क्योंकि बाजार में केमिकल के साथ पानी मिला कर इंसानी जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है।

वर्षों से जिले में चल रहे इस धंधे का भंडाफोड़ तब हुआ जब जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपश्री श्रीवास्तव ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। बाइपास फोरलेन के पास स्थित रोबिन होटल प्रांगण में दूध में मिलावट का खेल चल रहा था।

सूचना के तत्काल बाद एफएसओ दीपश्री ने पुलिस को सूचना देते हुए टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंची। एफएसओ के पहुंचते ही दो टैंकर में से एक को लेकर चालक फरार हो गया। दूसरे टैंकर का चालक और उप चालक फरार हो गया।

इसी दौरान एफएसओ ने वहां दूध को दूसरे पिकअप वैन में रखे ड्रम व पानी की टंकी जिस पर टैंकर से दूध खाली कर केमिकल व पानी मिलाया जा रहा था उसे जब्त कर पुलिस को सौंप दिया।

पूछताछ करने पर एफएसओ को होटल संचालक ने बताया कि वह इस धंधा में करीब एक साल से जुड़ा था। उसका काम था पानी, जगह व मोटर मुहैया कराना। इसके एवज में धंधेबाज द्वारा उसे राशि दी जाती थी। इधर, जब्त टैंकर को लेकर बताया गया कि टैंकर में बीस हजार लीटर दूध भरा था।

उसमें से आधा दूध को पिकअप वैन में रखे वर्तन में मोटर के माध्यम से खाली किया जा रहा था। उसके बाद उसमें पानी एवं केमिकल मिलाकर भरा जा रहा था। दूध का सैंपल भी लिया गया है। बताया गया है केमिकल वाला दूध सेहत के लिए खतरनाक है। इसका पूरा पता सैंपल की जांच रिपोर्ट से मिल जाएगी। इसे लैब में भेजा जाएगा। जब्त टैंकर में बीस हजार लीटर दूध बताया जा रहा है। जबकि टैंकर में ओनफ्रेड ओडिशा मिल्क फेडरेशन का सील लगा हुआ है। बताया गया कि यह दूध भरा टैंकर ओडिशा से यूपी जा रहा था। बीच में अनलोड कर तथा पानी व केमिकल मिलाकर इसे सप्लाई किया जाता है।

उसके बाद सप्लायर इसे दुकानों, चाय दुकानों, स्टालों व काउंटर आदि में सप्लाई कर देते हैं। इस धंधे में सरगना को इंसानी जान से खिलवाड़ करने में मोटी रकम की कमाई होती है। बताया गया कि इस धंधे में कई नामचीन व स्थानीय लोग भी शामिल है।

एलएचबी इकॉनमी कोच से चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। गरीब रथ के रैक से चलने वाली धनबाद से जम्मू और चंडीगढ़ की स्पेशल ट्रेन को एलएचबी इकोनामी कोच से चलाने की तिथि की घोषणा हो गई।

शाम पूर्व मध्य रेल ने इससे जुड़ा आदेश जारी कर दिया। धनबाद से चंडीगढ़ की ट्रेन शुक्रवार से एलएचबी इकोनामी कोच से चलेगी। धनबाद-जम्मू स्पेशल दो अगस्त से चलेगी। दोनों ट्रेनों में टिकटों की बुकिंग भी शुरू हो गई है। जम्मू की ट्रेन को फिलहाल दोनों ओर से केवल चार-चार फेरे तक चलाने की घोषणा हुई है।

धनबाद से चंडीगढ़ की ट्रेन दोनों ओर से पांच-पांच फेरा लगाएगी। दोनों ट्रेनों के चलने से धनबाद से दिल्ली के लिए सप्ताह में चार दिन नई ट्रेन मिल जाएगी।

धनबाद से जम्मू तक का किराया 1625 रुपये चुकाना होगा। दिल्ली के लिए 1315 रुपये व धनबाद से चंडीगढ़ तक 1450 रुपये चुकाना होगा। जम्मूतवी एक्सप्रेस की तुलना में इस ट्रेन से जम्मू पहुंचने में समय व किराया दोनों कम लगेगा। जम्मूतवी एक्सप्रेस के थर्ड एसी इकोनामी श्रेणी में 1740 रुपये किराया है। स्पेशल ट्रेन में 115 रुपये कम चुकाना होगा।

03309 धनबाद-जम्मू एसी स्पेशल प्रत्येक मंगलवार व शनिवार को दो से 12 अगस्त तक, 03310 जम्मू-धनबाद एसी स्पेशल प्रत्येक बुधवार शुक्रवार को तीन से 13 अगस्त तक, 03311 धनबाद-चंडीगढ़ एसी स्पेशल प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार एक से 15 अगस्त तक, 03312 चंडीगढ़-धनबाद एसी स्पेशल प्रत्येक गुरुवार व रविवार को तीन से 17 अगस्त तक चलेगी।

बीमा कंपनी को उपभोक्ता आयोग ने लगायी फटकार

चाईबासा। जिला उपभोक्ता आयोग ने एक महत्वपूर्ण आदेश में टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को आदेश दिया है कि वह वाहन मालिक शशिधर सिंह को 1 लाख 63 हजार 268 रुपये की मरम्मत राशि, 20 हजार रुपये मानसिक प्रताड़ना के लिए और 10 हजार रुपये वाद व्यय के रूप में कुल 1 लाख 93 हजार 268 रुपये चुकाए।बताया गया कि शहर के गुटूसाई खदान रोड निवासी शशिधर सिंह ने आयोग में वाद दर्ज कराते हुए अपनी टाटा सिग्ना 5525 वाहन के बीमा दावे को लेकर बीमा कंपनी पर गंभीर आरोप लगाए थे। शिकायतकर्ता का कहना था कि वाहन का बीमा टाटा एआईजी से शून्य मूल्यह्रास नीति के तहत लिया गया था, जिसकी अवधि 15 फरवरी 2023 से 14 फरवरी 2024 तक थी। 12 फरवरी 2024 को वाहन में बिजली सर्किट में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई, जिससे मुख्य वायरिंग, डैशबोर्ड व अन्य हिस्सों को नुकसान पहुचां।

राशन कार्ड से काटे गये 30 हजार लाभार्थियों के नाम

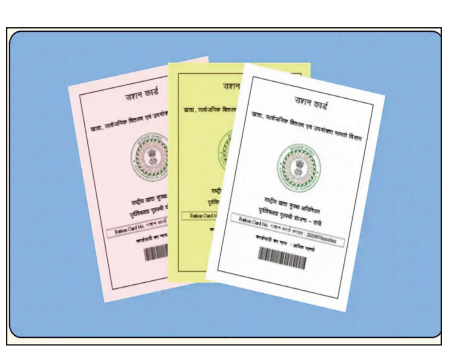

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

साहिबगंज। पिछले आठ माह में जिले में राशन कार्ड से करीब 30 हजार लोगों के नाम काटे गए हैं, जबकि 15 हजार लोगों के नाम जोड़े गए हैं। वहीं, 16966 नए नाम तत्काल जुड़ेंगे। आयकरदाताओं, वाहन मालिकों व अन्य अयोग्य लाभुकों का नाम कटने के बाद रिक्ति और बढ़ेगी। जिसके बाद वर्षों से राशन कार्ड में नाम जुड़वाने के लिए प्रतीक्षा कर रहे गरीबों का नाम जुड़ पाएगा।

अब भी 51826 लोग नाम जुड़ने के इंतजार में हैं। इनमें लाल व हरा दोनों राशन कार्ड के आवेदक शामिल हैं। लाल राशन कार्ड के लिए आवेदन करने वालों को इस साल कार्ड मिल जाने की उम्मीद है जबकि हरा राशन कार्ड के लिए आवेदन करने वालों को अभी इंतजार करना होगा।

केंद्र सरकार ने 2011 की जनगणना के आधार पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सभी जिलों में लाभुकों का कोटा तय कर रखा है। इसके तहत जिले में नौ लाख 51 हजार 274 यूनिट निर्धारित है। यह कोटा 2020-21 में ही भर गया था। इसके बाद राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के राशन कार्ड के लिए आवेदन बंद हो गया। हालांकि, पुराने राशन कार्ड में नाम जोड़ने के लिए आवेदन जारी रहा, फिलहाल वह भी बंद है। इस बीच लोगों की परेशानी को देखते हुए राज्य सरकार ने ग्रीन राशन कार्ड योजना शुरू की। पूरे राज्य में 20 लाख लोगों को अपने स्तर से राशन देने का लक्ष्य सरकार ने निर्धारित किया था। इस साल की शुरूआत में पांच लाख और स्वीकृति दी गई।

इसमें जिले को करीब 25 हजार का कोटा मिला था, जो फरवरी-मार्च में ही भर गया। वर्तमान में एक लाख 19 हजार 542 लोगों को राज्य सरकार अपने स्तर से राशन दे रही है। फिलहाल ग्रीन राशन कार्ड के लिए आवेदन तो हो रहा है लेकिन इस साल नया कार्ड बनने की उम्मीद नहीं है।

सर्च अभियान में भारी मात्रा में अमोनियम नाइट्रेट पाउडर बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खरसावां। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) नक्सली संगठन के उग्रवादियों द्वारा कुचाई थाना के दलभंगा ओपी अंतर्गत मासीबेरा गांव के हिल एरिया के समीप पहाड़ी क्षेत्र में गोला-बारूद छिपाकर रखा गया था। यह सुरक्षाबलों के विरूद्ध उनका अभियान रोकने व लक्षित कर क्षति पहुंचाने के उद्देश्य से कुछ वर्ष पूर्व छिपाकर रखा गया था।

जिसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत को मिलने पर उनके निर्देश पर सरायकेला-खरसावां पुलिस के साथ चाईबासा पुलिस, झारखंड, सीआरपीएफ और एसएसबी का एक संयुक्त अभियान का गठन गया। गुरुवार को कुचाई थाना के दलभंगा ओपी अंतर्गत ग्राम-मासीबेरा हिल एरिया के आस-पास जंगली-पहाड़ी क्षेत्रों में सर्च अभियान चलाया गया।

संयुक्त अभियान दल द्वारा अग्रतर सर्च अभियान के दौरान गुरुवार को कुचाई थाना के दलभंगा ओपी क्षेत्र के पहाड़ी क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा पूर्व में छिपाकर रखे गए एक ब्लू कलर के प्लास्टिक कंटेनर में अमोनियम नाइट्रेट पाउडर 20 पैकेट (प्रत्येक पाकेट एक किलोग्राम) था। वहीं, बड़ा स्टील कंटेनर में अमोनियम नाइट्रेट पाउडर भी था। कुल 60 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट का पाउडर के साथ वैसिलीन पेट्रोलियम जैली-10 पैकेट (प्रत्येक 42 ग्रा0) बरामद कर सुरक्षा के दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता के सहायता से समाप्त किया गया है।

CMYK

डब्ल्यूसीएल 2025

पाकिस्तान के चैंपियंस बनने की राह में मुश्किल पैदा करेगा दक्षिण अफ्रीका

बर्मिंघम, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 (डब्ल्यूसीएल) अपने अंतिम मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। एबी डिविलियर्स की अगुवाई में साउथ अफ्रीका चैंपियंस शनिवार को ग्रैंड फिनाले में पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ आमने-सामने होगी। डब्ल्यूसीएल में इस साल एबी डिविलियर्स फाइनल का ताज पहनने और साउथ अफ्रीका के

लिए खिताब पक्का करने को तैयार हैं। हाशिम अमला, इमरान ताहिर, वेन पार्नेल और क्रिस मॉरिस जैसे शानदार खिलाड़ियों की बदौलत, साउथ अफ्रीका चैंपियंस टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम पर शानदार जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई।वहीं, पाकिस्तान चैंपियंस टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही है। मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, शरजील खान, और सईद अजमल जैसे खिलाड़ियों के दम पर टीम काफी मजबूत दिखाई दे रही है। फाइनल में भी टीम अच्छा प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जहां पर दर्शकों को अपने चहेते खिलाड़ियों को देखने का मौका मिलता है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड की ओर से इस टूर्नामेंट ने विश्व क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों को एक मंच पर लाने का सफल प्रयास किया। इस सीजन में युवराज सिंह, हरभजन सिंह, शिखर धवन, सुरेश रैना, क्रिस गेल, डीजे ब्रावो, ब्रेट ली, क्रिस लिन, शॉन मार्श, इयोन मोर्गन, मोइन अली, और सर एलेस्टेयर कुक जैसे सितारों ने दुनिया भर के प्रशंसकों को आकर्षित किया।

भारतीय फुटबॉल कप्तान ने एएफसी महिला एशियाई कप में सफलता पाने का राज बताया

उदयपुर, एजेंसी। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा क्योंकि उन्हें जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। भारतीय फुटबॉल टीम की कप्तान स्वीटी देवी ने टूर्नामेंट की अच्छी तैयारी के लिए मैत्रीपूर्ण मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत पर जोर दिया है।भारतीय टीम महिला एशियाई कप की शुरुआत ग्रुप सी में 4 मार्च, 2026 को वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद

उनका सामना 7 मार्च को जापान और 10 मार्च को चीनी ताइपे से होगा। उदयपुर के पास जावर में जिंक फुटबॉल गर्ल्स अकादमी के शुभारंभ के दौरान स्वीटी ने कहा, यह टूर्नामेंट हमारे लिए एक कठिन चुनौती होगी, लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं। हम अगले साल मार्च तक कई मैत्री मैच खेलेंगे और उन मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने का लक्ष्य रखेंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) महिला फुटबॉल के विकास के लिए अकादमी को तकनीकी और रणनीतिक सहायता प्रदान करेगा। जिंक फुटबॉल अपनी तरह की एक अनूठी जमीनी स्तर की फुटबॉल विकास पहल है, जिसके मूल में विश्व स्तरीय सुविधाओं वाली एक पूर्ण आवासीय गर्ल्स फुटबॉल अकादमी और देश की पहली तकनीक-आधारित फुटबॉल प्रशिक्षण - अनूठी एफ-क्यूब तकनीक है।

कोको गॉफ की एक और जीत

अंतिम 16 में पहुंचीं, कुदेरमेतोवा को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। कोको गॉफ को फिर से अपनी सर्विस पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा लेकिन 14 डबल-फॉल्ट करने के बावजूद वह रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रही। पिछले दौर में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी डेनियल कोलिंस के खिलाफ 23 डबल-फॉल्ट और तीसरे सेट के टाईब्रेकर से बचने के दो दिन बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त गॉफ ने कुदेरमेतोवा को 4-6, 7-5, 6-2 से पराजित किया। गॉफ का मुकाबला अब कनाडा की 18 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको से होगा, जिन्होंने चेक गणराज्य की की मैरी बोजकोवा को 1-6, 6-3, 6-0 से हराया।

खालिद जमील बने भारतीय फुटबॉल टीम के नए कोच

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मैनेजर 48 वर्षीय जमील को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति ने तीन सदस्यों की सूची में से चुना है। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) ने खालिद जमील को भारतीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया है। शुक्रवार को एआईएफएफ ने इसका एलान किया। खालिद ने 2017 में आइजॉल फुटबॉल क्लब को आई-लीग खिताब दिलाया था। 13 वर्षों में पहली बार किसी भारतीय को भारतीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है।

तीन लोगों की सूची में से चुना गया

पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मैनेजर 48 वर्षीय जमील को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति ने तीन सदस्यों की सूची में से चुना है। अन्य दो दावेदार भारत के पूर्व मुख्य कोच स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्टीफन टारकोविक थे। स्टीफन पहले स्लोवाकिया की राष्ट्रीय टीम के कोच थे।

मेसी दिसंबर में भारत दौरे पर आएंगे

- 4 दिसंबर को मुंबई में एक इवेंट में शामिल होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी दिसंबर में भारत दौरे पर आएंगे। मेसी 14 साल के लंबे समय के बाद भारत आ रहे हैं। वो 13 से 15 दिसंबर तक भारत में रहेंगे और कुल तीन शहरों का दौरा करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, मेसी 13 से 15 दिसंबर तक कोलकाता, दिल्ली और मुंबई का दौरा करेंगे। मुंबई में वानखेड़े स्टेडियम 14 दिसंबर को एक इवेंट में शामिल होंगे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, कुछ क्रिकेटर्स भी इस इवेंट में शामिल होंगे। ईडन गार्डन्स स्टेडियम भी जाएंगे इसके अलावा मेसी कोलकाता भी जाएंगे और वहां उनको ईडन गार्डन में सम्मानित किया जाएगा। इस इवेंट में वेस्ट बंगाल की चीफ मिनिस्टर ममता बनर्जी भी शामिल हो सकती हैं। मेसी कोलकाता में बच्चों के लिए एक फुटबॉल वर्कशॉप भी आयोजित करवाएंगे और साथ ही वो फुटबॉल क्लिनिक भी लॉन्च करेंगे। फ्रेंडली मैच भी खेलेंगे इससे पहले, 6 जून को केरल के स्पोर्ट्स मिनिस्टर वी. अब्दुरहीमन नहीं इस बात की पुष्टि की थी कि अर्जेंटीना फुटबॉल टीम जिनकी कप्तानी लियोनेल मेसी करेंगे वो अक्टूबर या नवंबर में केरल एक फ्रेंडली मैच खेलने आएंगे। ये मुकाबला तिरुवंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। केरल सरकार से इसकी बात हो चुकी है। साल 2011 में भारत आए थे मेसी मेसी सहित अर्जेंटीना फुटबॉल टीम पिछली बार 2011 में वेनेजुएला के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच के लिए भारत आई थी।

दलीप ट्रॉफी में खेलने को तैयार, सरफराज और शिवमने भी जाहिर की इच्छा

टेस्ट टीम में वापसी को आतुर श्रेयस अय्यर!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने पश्चिम क्षेत्र की ओर से दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए खुद को उपलब्ध बताया है। दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से शुरू होगी और क्षेत्रीय चयन शुक्रवार एक अगस्त 2025 की दोपहर को मुंबई में होगा। श्रेयस अय्यर के अलावा मुंबई के मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान और ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी खेलने के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। दोनों ने इस बारे में मुंबई क्रिकेट संघ को सूचित कर दिया है।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक सूत्र ने द इंडियन एक्सप्रेस को इसकी पुष्टि करते हुए बताया, 'श्रेयस अय्यर ने हमें सूचित किया है कि वह दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए उपलब्ध है। सरफराज, शिवम दुबे और तुषार देशपांडे जैसे अन्य खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है।' श्रेयस अय्यर ने भारत के लिए 14 टेस्ट खेले हैं। उसमें उन्होंने 5 अर्धशतक और एक शतक बनाया है। श्रेयस अय्यर ने हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी 2024 के बाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रेड बॉल क्रिकेट (खेल का सबसे लंबा फॉर्मेट) नहीं खेला है। वह हालांकि उस भारतीय टीम का अहम हिस्सा थे, जिसने इस साल के शुरू में दुबई में 50 ओवर्स की चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी।

भारतीय पहलवान रचना और अश्विनी अंडर-17 विश्व चैंपियन

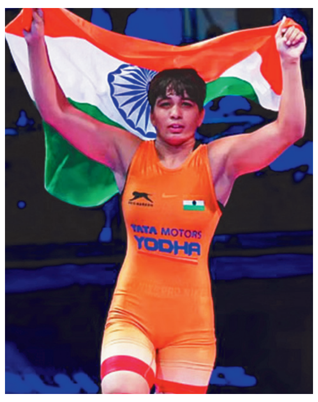

एथेंस, एजेंसी। मोनी को कजाकिस्तान की मदखिया उस्मानोवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 5-6 से मिली हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय पहलवान रचना (43 किग्रा) और अश्विनी विश्नोई (65 किग्रा) गुरुवार को अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में चैंपियन बनीं, जबकि मोनी महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक से चूक गईं। रचना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में चीन की शिन हुआंग को 3-0 से हराया जबकि अश्विनी ने उज्बेकिस्तान की मुखय्यो राखिमजोनोवा को इसी अंतर से मात दी। मोनी को कजाकिस्तान की मदखिया उस्मानोवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 5-6 से मिली हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। कोमल वर्मा ने 49 किग्रा वर्ग में देश को कांस्य पदक दिलाया। उन्होंने कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में एनहेलिना बुर्किना को 8-3 से हराया।

बुमराह को चुनिंदा मैच खेलने का पूरा अधिकार: भारत के सहायक कोच

लंदन, एजेंसी। जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड में पांच में से तीन टेस्ट ही खेलने का निर्णय लिया और भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोइशे के अनुसार टीम प्रबंधन को उनके कार्यभार को देखते हुए इस फैसले का सम्मान करना सही लगा। बुमराह ने हेडिंग्ले में पहला टेस्ट खेला लेकिन एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट से बाहर रहे। इसके बाद लॉडर्स और ओल्ड टैफर्ड में उन्होंने खेला। निर्णायक पांचवें टेस्ट से पहले बुमराह पर फैसला लेने के लिए भारतीय कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर ने ऐन मौके तक इंतजार किया। पांचवें टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद मीडिया से बातचीत में डोइशे ने कहा कि बुमराह जैसे खिलाड़ी को बाहर रखने का फैसला हमेशा कठिन होता है।

उन्होंने कहा, 'बुमराह का मसला पेचीदा है। हम चाहते थे कि वह खेले लेकिन उसके कार्यभार को देखते हुए हमें लगा कि उसे टीम में शामिल करना सही नहीं होगा। उसने काफी ओवर फेंके हैं। मुझे पता है कि ऐसा लगता नहीं क्योंकि उसने तीन ही टेस्ट खेले और मैनचेस्टर में एक ही पारी में गेंदबाजी की। डोइशे ने आगे कहा, 'लेकिन उसका कार्यभार देखें तो उसने काफी ओवर डाले हैं। उसने दौरे से पहले ही कह दिया था कि वह तीन ही टेस्ट खेलेगा और हमें लगा कि उसके फैसले का सम्मान करना चाहिए।ओवल की हरी भरी पिच पर बुमराह काफी उपयोगी साबित होते। क्या वह चोटों से भरे अतीत के कारण अपनी मर्जी से मैच चुन रहे हैं। यह पूछने पर डोइशे ने कहा, 'यह कहना सही नहीं होगा। उसने कहा था कि वह तीन ही मैच खेलेगा और उसने हम पर छोड़ दिया कि वह तीन मैच कौन से होंगे। हमने स्थिति को संभालने की कोशिश की है, यह आदर्श नहीं है, मुझे लगता है कि उन खिलाड़ियों पर ध्यान देना जरूरी है जो नहीं खेल रहे हैं, खासकर जब आपके पास 18 खिलाड़ी हों। उन्होंने कहा, 'उन्हें बताना जरूरी है कि हम सभी फैसले सद्भावना से टीम के सर्वोत्तम हित में ले रहे हैं और इसी वजह से जो खिलाड़ी नहीं खेले हैं, वे शानदार रहे हैं, उन्होंने पूरी टीम को प्रशिक्षित किया है, लेकिन जब उन्हें टीम से बाहर रखा जाता है तो वे निराश होते हैं।

जिंदगी से थक गया, सुसाइड करना चाहता था..., धनश्री से तलाक पर युजवेंद्र चहल ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा का इस साल मार्च में तलाक हो गया था. अब चहल ने धनश्री वर्मा से तलाक पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. इस शादी में क्या-क्या गड़बड़ियां हुई, चहल ने इस बारे में खुलकर बात की. युजवेंद्र चहल ने कहा कि जब इस साल की शुरुआत में उनपर धोखाधड़ी के आरोप लगे थे और तलाक की अफवाहें तेज हो गई थीं, तो वो मानसिक तनाव से गुजरे. युजवेंद्र चहल ने कहा कि उनके मन में आत्महत्या के ख्याल आने लगे थे. चहल ने राज शमानी के यूट्यूब चैनल पर कहा, यह काफी समय से चल रहा था. हमने तय किया कि जब तक उस स्थिति में नहीं पहुंचेंगे जहां से वापसी संभव न हो, हम कुछ नहीं कहेंगे. हम सोशल मीडिया पर एक सामान्य कपल की तरह ही रहेंगे.

जब युजवेंद्र चहल से पूछा गया कि क्या उस वक्त वो सिर्फ दिखावा कर रहे थे, तो इस स्पिन गेंदबाज ने सिर हिलाकर हामी भरी. युजवेंद्र चहल कहते हैं, रिश्ता एक समझौते की तरह होता है. अगर एक नाराज होता है, तो दूसरे को सुनना पड़ता है. कभी-कभी दो लोगों का नेचर आपस में मेल नहीं खाता. मैं इंडिया के लिए खेल रहा था, वह भी अपना काम कर रही थी. यह 1-2 साल से चल रहा था.

युजवेंद्र चहल ने कहा, मैं इधर भी टाइम दे रहा था, उधर भी, पर रिश्ते के बारे में सोचने का वक्त ही नहीं बचा. और फिर हर दिन लगता था कि छोड़ो, रहने देते हैं. हर किसी की अपनी ज़िंदगी होती है और अपने लक्ष्य होते हैं. एक पार्टनर के तौर पर आपको साथ देना होता है.

युजवेंद्र चहल ने बताया, जब मेरा तलाक हुआ, लोगों ने मुझे धोखेबाज कहा. लेकिन मैंने जिंदगी में कभी किसी को धोखा नहीं दिया. मेरी दो बहनें हैं, और मैंने महिलाओं का सम्मान करना अपने माता-पिता से सीखा है. यह जरूरी नहीं है कि अगर मेरा नाम किसी के साथ जोड़ा जा रहा है, तो लोग व्यूज के लिए उसके बारे में कुछ भी लिखें.

क्रिकेट से ब्रेक लेना चाहते थे चहल

युजवेंद्र चहल ने भावुक होते हुए कहा, मेरे मन में आत्महत्या के विचार आते थे, अपनी जिंदगी से थक चुका था. मैं 2 घंटे रोता था, बस 2 घंटे सोता था. ऐसा 40-45 दिनों तक चला. मैं क्रिकेट से ब्रेक चाहता था. मैं क्रिकेट में इतना व्यस्त था कि ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहा था. मैंने अपने दोस्त के साथ इन चीजों को शेयर किया.

युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक पर फैसला 20 मार्च 2025 को मुंबई के बांद्रा हाईकोर्ट में आया था. चहल और धनश्री ने लंबे समय तक डेटिंग के बाद 22 दिसंबर 2020 को शादी की थी. चहल काफी समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. चहल ने भारत के लिए अपना आखिरी मुकाबला जनवरी 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था.

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस ने मराठी फिल्म प्रड्यूसर को किया गिरफ्तार, नुकसान होने पर करने लगा साइबर फ्रॉड

नईदिल्ली, एजेंसी। फिल्मों में पैसा लगाने पर नुकसान होने के बाद एक मराठी फिल्म निर्माता साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम देने लगा। पश्चिमी दिल्ली जिला पुलिस की साइबर थाना टीम ने आरोपी को पुणे, महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी वित्तीय सलाहकार बनकर लोगों से ठगी की वारदात को अंजाम देता था। आरोपी रुग्वेद अश्विन डेंगले के पास से 4 स्मार्टफोन, सिम कार्ड सहित, 14 एटीएम कार्ड, 15 चेकबुक, 6 पासबुक और 3.45 लाख रुपये बरामद किए गए हैं। डीसीपी विचित्रवीर ने बताया 20 मई को साइबर थाना पुलिस को एक शख्स ने अपने साथ हुई 12,85,282 रुपये की ठगी की शिकायत दी। पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया कि टेलीग्राम के माध्यम से एक शख्स ने संपर्क किया। फोन करने वाले ने खुद को वित्तीय सलाहकार बताते हुए क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने की सलाह दी। आरोपी ने बताया कि क्रिप्टोकरेंसी में निवेश पर अधिक रिटर्न मिलेगा। शिकायतकर्ता आरोपी के झांसे में आ गया और उसके द्वारा बताई गई जगह पर 12,85,282 रुपए निवेश कर दिया। जो उसके आरोपी द्वारा बनाए गए खाते में दिखाई देने लगा, लेकिन जब पीड़ित ने अपना पैसा निकालने की कोशिश की तो उसे अनुमति नहीं दी गई। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने तुरंत पुलिस को शिकायत दी। एसएचओ इंस्पेक्टर विकास कुमार, एसआई अरविंद कुमार, हेड कॉन्स्टेबल संजय और कॉन्स्टेबल सुशांत ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपियों ने पीड़ित से निवेश के दौरान 29 अलग अलग बैंक खातों में 12,85,282 रुपये लिए थे। टीम ने पाया कि एक अकाउंट ऐसा था, जिससे पैसा एटीएम के जरिये निकाला जा रहा था। यह अकाउंट पुणे, महाराष्ट्रा में एक्टिव था। पुलिस ने इस अकाउंट की जानकारी जुटाई और पुणे में छापा मारा। इस छापेमारी में आरोपी रुग्वेद अश्विन डेंगले को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को उसके पास से बरामद मोबाइल से वारदात को अंजाम देने से संबंधित सबूत मिले। 25 वर्षीय रुग्वेद अश्विन डेंगले फिल्म निर्माता था। वह मराठी फिल्मों में पैसा लगाता था, जिसमें उसे भारी आर्थिक नुकसान हुआ। अपने नुकसान को पूरा करने के लिए आरोपी ने साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम देना शुरू कर दिया। आरोपी पहले फर्जी खातों की व्यवस्था करता था और यूएसडीटी के बदले में ठगी की गई रकम प्राप्त करता था। वह रकम को विभिन्न बैंक खातों में स्थानांतरित करता था और एटीएम से पैसे निकाल लेता था, लेकिन बाद में वह खुद भी साइबर ठगी करने लगा। आरोपी रुग्वेद अश्विन डेंगले ने केमिस्ट्री में बीएससी की है।

ईवीएम और वीवीपीएटी मशीनें एक और जांच में पास; चुनाव आयोग ने कहा- नहीं हो सकती है छेड़छाड़

नईदिल्ली, एजेंसी। 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जिन ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की बर्न्ट मेमोरी या माइक्रो-कंट्रोलर की जांच की मांग की गई थी, वे सभी मशीनें डायग्नोस्टिक टेस्ट में सफल पाई गई हैं और कहीं भी ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों में कोई अंतर नहीं मिला। यह जानकारी भारत निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को साझा की और कहा कि यह परीक्षण एक बार फिर साबित करता है कि ईवीएम पूरी तरह से सुरक्षित और छेड़छाड़ से मुक्त हैं। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को 8 उम्मीदवारों से आवेदन मिले थे, जिनमें इन 10 विधानसभा क्षेत्रों का उल्लेख था। वे विधानसभा क्षेत्र कोपरी-पाचपाखडी, ठाणे, पनवेल, अलीबाग, खडकवासला, अर्णी, येवला, चंदगड, कोल्हापुर उत्तर और माजलगांव शामिल है। इनमें से कुछ में हारने वाले प्रत्याशियों ने ईवीएम की बर्न्ट मेमोरी यानी कि माइक्रोचिप की जांच की मांग की थी।कैसे हुई जांच? कुल 48 बैलट यूनिट, 31 कंट्रोल यूनिट और 31 वीवीपैट यूनिट्स पर चेकिंग एंड वेरिफिकेशन प्रक्रिया की गई। 8 में से 6 उम्मीदवार और उनके प्रतिनिधि उपस्थित थे। 2 ने भाग नहीं लिया। जांच प्रक्रिया में निर्माता कंपनी ईसीआईएल के इंजीनियरों ने सभी मशीनों पर डायग्नोस्टिक टेस्ट किए और उन्हें सर्टिफाइड किया। पनवेल, अलीबाग, अर्णी, येवला, चंदगड, कोल्हापुर उत्तर और माजलगांव में डायग्नोस्टिक टेस्ट के साथ मॉक पोल भी किया गया। ईवीएम रिजल्ट को वीवीपैट की पर्चियों से मिलाया गया और कहीं भी कोई गड़बड़ी या अंतर नहीं पाया गया। चुनाव आयोग के प्रवक्ता ने कहा, हर मशीन ने टेस्ट पास किया और वीवीपीएटी मिलान में कोई विसंगति नहीं पाई गई।

सरकार कनॉट प्लेस, खान मार्केट सहित कई इलाकों में लगाएगी 'मिस्ट स्प्रेयर'

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार कनॉट प्लेस और खान मार्केट राजधानी के दो दर्जन से अधिक प्रमुख स्थानों पर धूल प्रदूषण से निपटने के लिए एक चरणबद्ध योजना के तहत जल्द 'मिस्ट स्प्रेयर' लगाएगी। यह मिस्ट स्प्रेयर बिजली के खंभों पर लगाए जाएंगे। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि इस पहल के तहत 24 सड़कों और भीड़भाड़ वाले कई अन्य क्षेत्रों को कवर किया जाएगा जिस पर 19 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी तथा इसे तीन चरणों में लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य राजधानी में धूल प्रदूषण के प्रभाव को कम करना है।

अधिकारी के अनुसार, परियोजना के पहले चरण के तहत, सरकार की निकाय एजेंसी बाराखंभा रोड, फिरोजशाह रोड, सिकंदरा रोड और भगवान दास रोड सहित 10 प्रमुख सड़कों पर धूल से निपटने के लिए 'मिस्टिंग सिस्टम' लगाने की योजना बना रही है। पहले चरण के तहत सबसे लंबे मार्गों में मंदिर मार्ग, तिलक मार्ग और सुब्रमण्यम भारती मार्ग शामिल हैं।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, ''यह विस्तार अगले तीन-चार महीनों में सर्दियों की शुरुआत से पहले पूरा हो जाएगा।''

उन्होंने कहा, ''सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए सरकार राजधानी में निवासियों के लिए जहरीले वायु प्रदूषण को कम करने के वास्ते हरसंभव प्रयास कर रही है। हमने यह भी निर्देश दिया है कि सभी चिह्नित 'हॉटस्पॉट्स' में काम किया जाए।''

परियोजना के दूसरे चरण में शाहजहां रोड, अरबिंदो मार्ग, मदर टेरेसा क्रीसेंट और अशोक रोड सहित 14 अतिरिक्त सड़कें शामिल होंगी। 'मिस्टिंग सिस्टम' के तहत 'नोजल' के माध्यम से पानी की एक महीन

फुहार का छिड़काव होता है जिससे आसपास की हवा ठंडी होती है और इसमें मौजूद धूलकण दब जाते हैं। इससे तापमान में सुधार होता है और बेहतर वायु गुणवत्ता बेहतर होती है। वार्ता के अनुसार, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने गुरुवार को कहा कि सरकार ने प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए और इसका परिणाम है कि जुलाई में 31 में से 29 दिन 'गुड' या 'संतोषजनक' श्रेणी में वायु गुणवत्ता दर्ज हुई। सिरसा ने कहा हमने प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी ज़रूरी कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हमारी टीमें 24x7 जमीन पर काम कर रही हैं। वन महोत्सव से हरियाली बढ़ाने, धूल नियंत्रण, ऑटोमैटिक मिस्टिंग, मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग और कचरे के पहाड़ हटाने के लिए बायो-माइनिंग तक, हर कदम असरदार परिणाम दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह सुधार केवल मौसम का असर नहीं, बल्कि तकनीक आधारित योजनाओं को लागू करने का नतीजा है। पर्यावरण मंत्री ने कहा दिल्ली की साफ हवा इस जुलाई में कोई संयोग नहीं; यह नीति, प्रवर्तन और टीमवर्क का परिणाम है। हमने ऐसे सिस्टम बनाए हैं, जो पूरे साल काम करते हैं, जिससे यह प्रगति टिकाऊ बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि जुलाई में 31 में से 29 दिन 'गुड' या 'सैटिस्फैक्ट्री' श्रेणी में वायु गुणवत्ता दर्ज हुई।

कुर्सी पर बैठे-बैठे अचानक गिरा डिलीवरी बॉय, हार्ट अटैक से हुई मौत

नईदिल्ली, एजेंसी।
फरीदाबाद के भतौला गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया, जहां एक ग्रोसरी डिलवरी कंपनी के डिलिवरी बॉय को अचानक हार्ट अटैक आ गया। 30 साल के विकल सिहं परिवार में अकेले कमाने वाले थे। यह घटना तब हुई जब वह कंपनी के स्टोर के बाहर कुर्सी पर आराम फरमा रहा था। तभी वो अचानक गिर गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

ये घटना बीते 29 जुलाई की है। विकल सिंह अपने साथियों के साथ भतौला गांव में जेप्टो के स्टोर के बाहर बैठा था। वह हंस-बोल रहा था, तभी अचानक वह कुर्सी से मुंह के बल जमीन पर गिर पड़ा। पास बैठे साथियों ने तुरंत उसे उठाया, लेकिन विकल की हालत देखकर सभी के होश उड़ गए। आनन-फानन में उसे नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में डॉक्टरों ने हार्ट अटैक को मौत का कारण बताया, हालांकि पोस्टमार्टम

रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पिछले एक साल से डिलीवरी बॉय के रूप में काम कर रहा था। उसके परिवार में उसकी पत्नी और छोटे बच्चे हैं, जिनके लिए वह इकलौता सहारा था। इस घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। परिजनों ने कंपनी के गोदाम पर पहुंचकर मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा किया। परिजनों के हंगामे के बाद जेप्टो कंपनी ने मामले को गंभीरता से लिया। कंपनी ने विकल के परिवार को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही, जब तक इंश्योरेंस की राशि नहीं मिल जाती, तब तक मृतक की पत्नी को 10,000 रुपये प्रतिमाह गुजारा भत्ता देने का वादा किया गया है। खेड़ी पुल थाना प्रभारी नरेश कुमार ने बताया कि मृतक के परिवार और कंपनी के बीच सहमति बन गई है और पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हाथ में ली झाड़ू और सरकारी दफ्तर को कर डाला साफ

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को खुद झाड़ू उठाकर एक सरकारी दफ्तर में साफ-सफाई की। उनकी सरकार ने दिल्ली को कूड़े से आजादी नाम के एक अभियान की शुरुआत की है और एक महीने में तस्वीर बदलने का लक्ष्य रखा है। अभियान की शुरुआत करने के लिए मुख्यमंत्री दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय में पहुंचीं और इसकी हालत देखकर बेहद दुखी हो गईं। दफ्तर के एक हिस्से में झाड़ू लगाते हुए उन्होंने यह भी पूछा कि क्या छह महीने सालभर में भी सफाई नहीं होती?

कश्मीरी गेट स्थित कार्यालय की हालत देखकर मुख्यमंत्री बेहद दुखी हुईं और आम आदमी पार्टी की सरकार को कोसा। उन्होंने कहा, मैं इस दफ्तर में पहली बार आई हूं। यह देखकर दुख हो रहा है कि हमारे अधिकारी ऐसी इमारत में काम कर रहे हैं। पंखा कभी भी गिर सकता है। छत टपक रही है। मुख्यमंत्री दफ्तर के हर कोने में गईं। पुराने इलेक्ट्रॉनिक कबाड़ को हटाया। पुराने पोस्टर और बेकार पड़े फाइल्स को निकाला। फिर उन्होंने एक झाड़ू हाथ में ली और कमरे को साफ करने लगीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस इमारत में 2021 में आग लगी थी, लेकिन अभी तक कोई मरम्मत नहीं कराई गई। पिछली आप सरकार और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए रेखा गुप्ता ने कहा, उन्होंने करोड़ों रुपये शीशमहल पर खर्च किए लेकिन सरकारी दफ्तरों की हालत सुधारने के लिए कुछ नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा, इस दफ्तर की हालत देखकर मैं दुखी हूं। आज से ही नए सचिवालय की प्रक्रिया शुरू होगी जहां सभी विभाग काम कर सकते हैं। हम नए सचिवालय के लिए जगह देखेंगे। कैंपेन को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि इसकी शुरुआत हो गई है और सबसे पहले भी विभाग अपने दफ्तरों की सफाई करेंगे। उन्होंने कहा, हमने ईवेस्ट हटाए, पुराने फाइल्स और कबाड़ पड़े हुए थे। हमें कबाड़ हटाने के लिए सरकारी नियमों को भी दोबारा देखने की जरूरत है।

दिल्ली-एनसीआर में बड़े स्तर पर मॉक ड्रिल, भूकंप और रासायनिक खतरे से निपटने का अभ्यास

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में सायरनों की गूंज और आपातकालीन वाहनों की भागदौड़ ने आज लोगों का ध्यान खींचा। यह कोई असली आपदा नहीं थी, बल्कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा आयोजित एक मेगा मॉक ड्रिल थी। भूकंप और औद्योगिक रासायनिक खतरों से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए सुरक्षा चक्र अभ्यास के तहत 55 से अधिक स्थानों पर यह ड्रिल हुई, जिसमें दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के 18 जिले शामिल थे। सुबह जैसे ही सायरन बजे, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग, एनसीसी और दिल्ली पुलिस की टीमें हरकत में आ गईं। दरियागंज के गोलचा सिनेमा में मॉक ड्रिल हुई, जहां डीडीएमए और स्वास्थ्य कर्मियों ने एक घायल डमी को रेस्क्यू किया। मानो भूकंप ने इमारत को हिला दिया हो, बचाव दल ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। रस्सियों के सहारे लोगों को सुरक्षित निकाला गया और प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भेजा गया। गुरुग्राम के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में भी यही जोश दिखा। सेक्टर 31 के पॉल क्लीनिक में ऊपरी मंजिलों से डमी लोगों को रस्सी से नीचे उतारा गया, जबकि बीके अस्पताल में घायल डमियों को तुरंत भर्ती किया गया। यह सब इतनी तेजी और सटीकता से हुआ कि कुछ राहगीरों को लगा। डीडीएमए के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर भूकंप और औद्योगिक रासायनिक खतरों के लिहाज से संवेदनशील है। हाल ही में मानसून के दौरान आए हल्के भूकंपीय झटकों ने इस खतरे को और रेखांकित किया है। इस ड्रिल का मकसद आपदा के दौरान अंतर-एजेंसी समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। अधिकारियों ने बताया, यह अभ्यास हमें अपनी कमियों को पहचानने और उन्हें सुधारने का मौका देता है। अगर असली आपदा आई, तो हमारी टीमें तैयार रहेंगी। इस ड्रिल में सशस्त्र बल, एनजीओ, बाजार संघ और स्थानीय प्रशासन ने भी हिस्सा लिया, जिससे यह एनसीआर का पहला एकीकृत आपदा प्रबंधन अभ्यास बना।

अचानक टूट गया 360 डिग्री झूला, खुशियों के बीच मच गई चीख पुकार; अब शुरू हुई जांच

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के ताइफ शहर में स्थित एक मनोरंजन पार्क में बड़ा हादसा हुआ है। पार्क में लगे एक 360 डिग्री घूमने वाला झूला अचानक टूट गया। इस हादसे में 23 लोगों के घायल होने की खबर है। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो लोगों को डरा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना 31 जुलाई की है। बताया जाता है कि पार्क में लोग मनोरंजन कर रहे थे, कुछ लोग 360 डिग्री वाले झूले पर झूल रहे थे, इसकी समय झूला बीच में से ही टूट गया। झूले का दोनों हिस्सा जमीन पर आ गिरा। इस हादसे में 23 लोगों की जान गई है। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे लोग झूले का आनंद ले रहे होते हैं। इसी समय झूला बीच से ही टूटता है और जमीन पर आ गिरता है। इस दौरान झूले पर सवार लोग चीखते चिल्लाते हुए नजर आ रहे होते हैं। सामने आया वीडियो लोगों को डरा भी रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज गति से झूले का खंभा पीछे की ओर मुड़ा और दूसरी ओर खड़े कुछ लोगों में जा लगा। कुछ लोग झूला गिरते समय झूले पर ही बैठे थे। इसके बाद सुरक्षा और आपातकालीन सेवाएं तुरंत मौके पर पहुंची और राहत तथा बचाव कार्य में लग गईं।

हार्टअटैक से ही हुई हल्क होगन की मौत, फ्लोरिडा के मेडिकल परीक्षक की रिपोर्ट हुई पुष्टि

फ्लोरिडा , एजेंसी। महान अमेरिकी रेसलर हल्क होगन की पिछले सप्ताह हार्टअटैक से ही मौत हुई थी। इस बात की पुष्टि फ्लोरिडा के मेडिकल परीक्षक की बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को जारी रिपोर्ट में हुई है।

मेडिकल परीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार, जब हल्क होगन की मौत हुई, तब वह 71 साल के थे और उनका असली नाम टेरी बोलिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें पहले से ही ब्लड कैंसर (ल्यूकेमिया) और दिल की धड़कन की बीमारी (एट्रियल फिब्रिलेशन) थी।

गवर्नर ने सम्मान में शुक्रवार को हल्क होगन दिवस घोषित किया: फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने उन्हें सम्मान देने के लिए शुक्रवार को हल्क होगन दिवस घोषित किया है। इस दिन फ्लोरिडा के सभी सरकारी भवनों पर झंडे आधे झुकाए जाएंगे। रिपब्लिकन गवर्नर ने कहा कि हल्क होगन एक सच्चे फ्लोरिडावासी थे।

90 मिनट से भी कम समय में अस्पताल में मृत घोषित किया: पुलिस के मुताबिक, 24 जुलाई की सुबह जब उन्हें दिल का दौरा पड़ा, तो डॉक्टर क्लियरवॉटर स्थित उनके घर पहुंचे। लेकिन 90 मिनट से भी कम समय में उन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि मौत स्वाभाविक कारणों से हुई। हल्क होगन की पत्नी स्काई डेली ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें उम्मीद थी कि होगन अपनी बीमारियों से उबर जाएंगे, लेकिन यह सब अचानक हो गया। उन्होंने कहा, दुनिया के लिए वह एक सुपरस्टार थे, लेकिन मेरे लिए वह मेरे टेरी थे।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के बड़े सितारों में से एक थे हल्क होगन: हल्क होगन डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे बड़े सितारों में से एक माने जाते थे। 1985 में पहले रेसलमेनिया में वह मुख्य आकर्षण थे और उन्होंने कई बड़े पहलवानों से मुकाबला किया था- जैसे आंद्रे द जाइंट, द रॉक, और विंस मैकमोहन। उनकी बेटी ब्रुक बोलिया ओलेक्सी, जिन्हें ब्रुक होगन के नाम से जाना जाता है, ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने पिता को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं बहुत आभारी हूं कि मैं उनके असली रूप को जानती थी।

बांग्लादेश में बीएनपी-एनसीपी समर्थकों में झड़प, 35 घायल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खलिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और छात्रों के नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच एक विरोध रैली के दौरान झड़प हो गई। इसमें पांच पत्रकारों समेत 35 लोग घायल हो गए।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह घटना बुधवार शाम उस समय हुई जब कोमिला में एनसीपी की तरफ से एक रैली आयोजित की गई थी। यह रैली अंतरिम सरकार में शामिल स्थानीय सलाहकार आसिफ महमूद के खिलाफ कथित दुष्प्रचार के विरोध में की गई थी। इसी दौरान एनसीपी और बीएनपी के समर्थक भिड़ गए और दोनों ओर से ईंट और पत्थर फेंके गए, जिससे अफरा-तफरी मच गई।बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के शासन में देश की जेलों में कैदियों को यातना देने और हत्या की घटनाओं की कड़ी आलोचना की है। पार्टी ने कहा कि यूनुस शासन सरकारी मशीनरी का पूरा इस्तेमाल करके जेलों में पूर्व नियोजित हत्याएं करा रहा है।

फिर लोकतंत्र की पटरी पर लौटेगा पड़ोसी देश म्यांमार

यांगून, एजेंसी। पूर्वी पड़ोसी देश म्यांमार के सैन्य शासक वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलेंग ने देश में आपातकाल खत्म करने की घोषणा की है। इसके साथ ही जुंटा शासन ने वहां नयी संघीय सरकार और राज्य सुरक्षा एवं शांति आयोग का गठन किया है। ताकि अगले छह महीने के अंदर चुनाव कराया जा सके। सैन्य शासक,हलेंग ने गुरुवार (स्थानीय समय) को इस बारे में घोषणा की कि अक्टूबर 2024 में होने वाली राष्ट्रव्यापी जनगणना पूरी होते ही इस साल के अंत तक यानी दिसंबर 2025 तक राष्ट्रीय चुनाव होंगे।

जुंटा शासन की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर एक टेलीविजन संबोधन में मिन आंग हलेंग ने कहा कि मतदान जनगणना पूरी होने के बाद होगा। इसके साथ ही उन्होंने देश में बहुदलीय

लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह घोषणा फरवरी 2021 में आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार से सेना द्वारा सत्ता हथियाने के तीन साल से भी अधिक समय बाद हुई है।

तख्तापलट के बाद होगा पहला चुनाव: 2021 में हुए तख्तापलट के बाद यह पहला चुनाव होगा। तख्तापलट ने म्यांमार को गृहयुद्ध और अराजकता में धकेल दिया है। इस वजह से संदेह पैदा हो रहा है कि क्या विश्वसनीय मतदान हो पाएगा। बहरहाल, म्यांमार के अधिकारियों ने भी घोषणा की है कि चुनाव दिसंबर 2025 में होंगे, हालाँकि, इसके लिए सटीक तारीख अभी तय नहीं हुई है।

इस बीच, वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलेंग ने अब भंग हो चुकी राज्य प्रशासन परिषद के प्रमुख और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। हालाँकि, अब वे एक नई व्यवस्था के तहत व्यापक शक्तियों के साथ कार्यवाहक राष्ट्रपति बन गए हैं, जिससे उनका प्रमुख राजनीतिक प्रभाव बरकरार रहेगा। राष्ट्रीय स्वामित्व वाली म्यांमार रेडियो और टेलिविजन की रिपोर्ट के अनुसार अब यू न्यो साव संघीय सरकार में प्रधानमंत्री होंगे और वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलेंग सुरक्षा और शांति आयोग के अध्यक्ष होंगे।रिपोर्ट में बताया गया है कि रक्षा सेवाओं के कमांडर-इन-चीफ को संप्रभु शक्तियाँ हस्तांतरित करने का निर्णय भी रद्द कर दिया है।

31 जुलाई तक रहा आपातकालन्न फरवरी 2021 में तख्तापलट के बाद तब के कार्यवाहक राष्ट्रपति यू मियंट स्वे ने म्यांमार में एक साल के लिए आपातकाल की घोषणा की थी और संप्रभु शक्तियों को रक्षा सेवा के कमांडर-इन-चीफ को स्थांतरित कर दिया था। कमांडर-इन-चीफ ने बाद में राज्य प्रशासन परिषद का गठन किया और मिन आंग हलेंग इसके अध्यक्ष नियुक्त हुए। एनडीसी ने इस साल 31 जुलाई तक कई बार छह -छह माह के लिए आपातकाल का विस्तार किया है।

डीसी-डीडीसी ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को किया रवाना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाज कल्याण विभाग द्वारा अति गंभीर कुपोषित (सैम) एवं मध्यम गंभीर कुपोषित (मैम) बच्चों की पहचान, उपचार एवं प्रबंधन के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से शुक्रवार को समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को उपायुक्त अजय नाथ झा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार आदि ने संयुक्त रूप से समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रथ जिले के प्रभावित क्षेत्रों जरीडीह, कसमार, पेटरवार एवं बेरमो प्रखंड के विभिन्न पंचायत क्षेत्रों का भ्रमण कर विभिन्न आडियो - प्रचार माध्यम से कुपोषित बच्चों के पहचान कर किस प्रकार सामुदायिक स्तर पर प्रबंधन करना है और किस कुपोषित बच्चों को कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) भेजना है। प्रबंधन स्तर पर सेविका/सहायिका - एएनएम के सहयोग से किस प्रकार उन्हें कुपोषण मुक्त किया जाना है, इससे संबंधित जागरूक करेगी। वहीं, जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा भी मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत एक एलईडी जागरूकता रथ को डीसी-डीडीसी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों का भ्रमण कर बाल संरक्षण के विभिन्न पहलुओं जैसे - बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल यौन शोषण, बाल श्रम, गुड टच - बैड टच आदि के संबंध में ऑडियो झ वीडियो संदेश, शिक्षाप्रद लघु फिल्में और सरकारी हेल्पलाइन '1098' की जानकारी जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पहुंचाई जाएगी। इस अवसर पर डीसी अजय नाथ झा ने कहा कि कुपोषण की समस्या से निपटना केवल स्वास्थ्य या पोषण विभाग का काम नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझी जिम्मेदारी है। जन-जागरूकता के माध्यम से ही हम इस लड़ाई को मजबूती से लड़ सकते हैं। इसी उद्देश्य की पूर्ति को लेकर आम जनों में इसको लेकर जागरूकता रहे, इस रथ को रवाना किया गया है। वहीं, डीडीसी शताब्दी मजूमदार ने कहा कि मिशन वात्सल्य जैसी योजनाएं बच्चों के समग्र विकास और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यह एलईडी रथ जागरूकता के माध्यम से एक सकारात्मक वातावरण बनाएगा। मौके पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अनीता कुमारी, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति लीलावती देवी, सदस्य अनामिका, संरक्षण अधिकारी सरिता कुमारी, सुनीता कुमारी, अरविंद, विद्या, प्रीति, वरूण कुमार आदि उपस्थित थे।

सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी का बोकारो दौरा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्री एस एन गुप्ता का 31 जुलाई को देर शाम बोकारो आगमन हुआ. उनके आगमन पर बोकारो स्टील प्लांट के शीर्ष प्रबंधन के साथ निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी ने बोकारो निवास में उनका स्वागत किया. 01 अगस्त को पूर्वाह्न श्री गुप्ता ने जैविक उद्यान में वृक्षारोपण किया तथा जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की. तदुपरांत, बोकारो निवास में बीएसएल के सतर्कता विभाग द्वारा सेल के सतर्कता विभाग के अधिकारियों आयोजित दो दिवसीय छ्एड (लर्निंग फ्रॉम इच अदर) कार्यशाला में श्री गुप्ता बी एस एल के निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. इस दौरान श्री गुप्ता ने बीएसएल सतर्कता विभाग के ई-विजिल मॉड्यूल का उद्घाटन भी किया. उल्लेखनीय है कि छ्एड कार्यशाला में सेल के विभिन्न संयंत्र एवं यूनिट के सतर्कता विभाग के अधिकारी शामिल हो रहे हैं. अपने बोकारो दौरे के क्रम में श्री गुप्ता ने बीएसएल के इस्पात भवन स्थित मॉडल कक्ष में प्लांट के ले-आउट और उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी ली. इस दौरान बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी सहित अधिशासी निदेशक, बीएसएल के अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीवीओ) श्री ज्ञानेश झा एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे. इसके उपरान्त उन्होंने बोकारो स्टील प्लांट के कोक ओवन, ब्लास्ट फर्नेस, एसएमएस-क्क & सीसीएस, और कोल्ड रोलिंग मिल-क्क्क जैसे कुछ प्रमुख इकाइयों का भ्रमण किया और उत्पादन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली. अपराहन श्री गुप्ता ने बोकारो निवास में बीएसएल के अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक और विभागाध्यक्ष स्तर के अधिकारियों से बैठक की. कल दिनांक 02 अगस्त को मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री एस एन गुप्ता बीएसएल के प्लानिंग इंजीनियर्स को भी संबोधित करेंगे, साथ ही अन्य बैठकों में शामिल होंगे.

दुर्घटनाग्रस्थ ठेका श्रमिकों के स्वास्थ्य लाभ की जिम्मेवारी लेना बीएसएल प्रबंधन की नैतिक जिम्मेदारी

जनता दरबार में पहुंचें श्रमिकों एवं उनके परिजनों ने उपायुक्त के समक्ष रखी अपनी व्यथा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय परिसर में प्रत्येक सप्ताह आयोजित होने वाले जनता दरबार में आज कुल 36 से अधिक मामलों पर सुनवाई की गई। इनमें बीएसएल (बोकारो स्टील प्लांट) में कार्यरत ठेका श्रमिकों से संबंधित मामले भी शामिल रहे। जिन्होंने दुर्घटना के बाद समुचित उपचार - आर्थिक सहायता का अभाव, परिवार के भरण झ पोषण की समस्या आदि की शिकायत उपायुक्त अजय नाथ झा के समक्ष रखी। ठेका श्रमिक स्टेशन रोड कुमीर्डीह निवासी रघुनाथ गोराईं, मुकेश कुमार की मां धनपति देवी ने बताया कि बीएसएल के ठेका कंपनियों के माध्यम से प्लांट में कार्य करने के दौरान वह दुर्घटनागस्त हो गएं। रघुनाथ का दोनों पैर कट गया है। वहीं, मुकेश कुमार की मां धनपति देवी ने बताया कि मुकेश के आंखों की रौशनी चली गई है। दोनों के द्वारा बताया गया कि घटना के समय कंपनी द्वारा जो तय किया गया, उसका अनुपालन नहीं हो रहा है। उन्हें लंबे समय तक इलाज की जरूरत है, लेकिन संबंधित कंपनी किसी भी तरह की सहायता देने में आनाकानी कर रही है। उधर, पैर व आंख से दिव्यांग हो जाने के कारण परिवार के समक्ष भरण झ पोषण की भी समस्या उत्पन्न हो गई है। इस पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने गंभीर रुख अपनाते हुए कहा कि बीएसएल में कार्यरत कोई भी कर्मी-चाहे वह स्थायी हो या ठेका श्रमिक-बीएसएल परिवार का हिस्सा है। ऐसे में किसी भी दुर्घटना की स्थिति में उसका इलाज कराना और उसका साथ देना प्रबंधन की नैतिक जिम्मेदारी है। उपायुक्त ने ऐसे मामलों का संवेदनशीलता से निष्पादन के लिए बीएसएल प्रबंधन को इस दिशा में कार्रवाई करने एवं एक स्पष्ट नीति बनाने को कहा। ताकि सभी कर्मियों को यह भरोसा मिल सके कि संकट की घड़ी में संस्थान उनके साथ खड़ा है। उन्होंने दोनों मामलों की जांच एवं बीएसएल प्रबंधन से इस बाबत पत्राचार करने के लिए डीपीएलआर श्रीमती मेनका एवं अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढ़ांडा को निर्देशित किया है। वहीं, जिला प्रशासन की ओर से दोनों दिव्यांग ठेका श्रमिकों की क्या सहायता की जा सकती हैं, किन कल्याणकारी योजनाओं से अच्छादित किया जा सकता है, इस बाबत जरूरी निर्देश दिया एवं सप्ताह भर में इसे सुनिश्चित करने को कहा।

आम लोगों की समस्याओं पर अधिकारी-कर्मी रहे संवेदनशील

जनता दरबार में उपायुक्त ने विभिन्न मामलों की सुनवाई के क्रम में कहा कि प्रखंड व जिला स्तर के अधिकारी सुनिश्चित करें कि आपका व्यवहार आम जनता के प्रति विनम्र, संवेदनशील और सहयोगात्मक होना चाहिए। जब कोई नागरिक/प्रतिनिधि समस्या लेकर आता है, तो उसे सुना जाना चाहिए और यथासंभव समाधान भी तत्परता से किया जाना चाहिए।

कोयला डस्ट ढुलाई वाले वाहनों पर तिरपाल ढ़कना अनिवार्य

जनता दरबार में जन स्वास्थ्य से जुड़े एक गंभीर मुद्दा भी सामने आया। शिकायतकर्ता ने बालीडीह झ स्टेशन रोड/सिवनडीह क्षेत्र में बताया कि कोयला डस्ट ढुलाई कर रहे भारी वाहनों से उड़ती डस्ट से आम नागरिकों को काफी परेशानी हो रही है, विशेषकर स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। इससे दो झ चार पहिया वाहन चालकों को भी काफी परेशानी हो रही है। मौके पर उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी (डीएमओ) और जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) को निर्देश दिया कि वे सभी वाहनों पर तिरपाल कवर करना सुनिश्चित करें। यदि कोई वाहन खुले में कोयला ढुलाई करता पाया जाए तो उस पर कड़ी कार्रवाई करें।

जनता दरबार पहुंचे वृद्ध को दिलाई गई दवा

जनता दरबार पहुंचें माराफारी निवासी सकल देव सिंह ने उपायुक्त से ब्लड प्रेशर (बीपी) का दवा नहीं मिलने की शिकायत की। इस पर उन्होंने तुरंत सदर अस्पताल प्रबंधन को दवा उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने आश्वासन दिया कि आपको प्रतिमाह दवा उपलब्ध हो जाएगा। इस पर उन्होंने उपायुक्त का आभार जताया।

विभिन्न विभागों से संबंधित रही शिकायतें

जनता दरबार में जिन विषयों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उनमें प्रमुख रूप से भूमि अतिक्रमण, जमीन पर अवैध कब्जा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सिविल सर्जन कार्यालय, बीएसएल, जिला कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी चास, भू-अर्जन, राजस्व, जिला शिक्षा पदाधिकारी आदि शामिल रहा। जनता दरबार में डीपीएलआर निदेशक मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

दो दिवसीय आकांक्षा हाट का उपायुक्त ने किया शुभारंभ

आकांक्षी जिले में बेहतर कार्य करने वालों को किया गया सम्मानित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, महिला स्वयं सहायता समूहों को मंच प्रदान करने और आत्मनिर्भरता की दिशा में उन्हें मजबूती देने के उद्देश्य से दो दिवसीय आकांक्षा हाट का आयोजन जिला परिषद कार्यालय परिसर में किया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने इसका उद्घाटन करते हुए 17 विभागों एवं महिला समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉल का क्रमवार निरीक्षण किया और उनके उत्पादों की जानकारी ली। उद्घाटन अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि नई उड़ान है आकांक्षा...। इस मंच के माध्यम से बोकारो के स्थानीय उत्पादों को पहचान मिल रही है। जिलेवासियों से अपील है कि वे यहां आकर समूहों के बनाए सामान खरीदें और उन्हें प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि महिला समूहों एवं स्थानीय कारीगरों द्वारा तैयार उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने एवं बेहतर मार्केट लिंकेज उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन गंभीरता से कार्य कर रहा है। इस उद्देश्य को लेकर दीर्घकालीन कार्ययोजना तैयार की जा रही है। ताकि स्थानीय उत्पादों को राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर के बाजार तक पहुंचाया जा सके।

स्टॉलों में आकर्षण का केंद्र बने स्थानीय उत्पाद

हाट में समूहों द्वारा तैयार हस्तनिर्मित वस्त्र, बांस - जूट उत्पाद, मिट्टी की कलाकृतियाँ, चूड़ियाँ, बाड़ी उत्पाद, वॉल हैंगिंग, आरगेनिक सब्जी/हाइब्रिड पौधे, जलकुंभी के उत्पाद आदि की प्रदर्शनी की गई थी। उपायुक्त - उप विकास आयुक्त व अन्य पदाधिकारियों ने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर महिलाओं - समूह सदस्यों से संवाद किया और उत्पादों की गुणवत्ता एवं बिक्री के संबंध में जानकारी ली। मौके पर कृषि, जेएसएलपीएस,आर सेटी - बैंक आफ इंडिया, लक्ष्मी समूह, जन शिक्षण संस्थान, बोकारो हैंडी क्राफ्ट, जीविका उत्पाद, सहकारिता विभाग बंदियो पैक्स,नाबार्ड, बीएसएल - वेदांता सीएसआर आदि के द्वारा स्टॉल लगाया गया था।

जन सहभागिता के साथ बदलता बोकारो

मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने कहा कि आकांक्षा हाट जैसे आयोजनों से नहीं केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने की दिशा में बल मिलता है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की भावना भी साकार होती है। जिला प्रशासन ऐसे प्रयासों को सतत रूप से प्रोत्साहित करता रहेगा।

कार्य में उत्कृष्टता के लिए मिला सम्मान

इस अवसर पर आकांक्षी जिला - प्रखंड के तहत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों एवं समूह सदस्यों को जिला परिषद सभागार में संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह के तहत सम्मानित भी किया गया।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्य के महामहिम राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार शुक्रवार को कुछ समय के लिए पेटरवार स्थित फारेस्ट गेस्ट हाउस में पड़ाव किए। जहां उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार समेत अन्य वरीय प्रशासनिक पदाधिकारियों की उपस्थिति में पुलिस जवानों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इससे पूर्व उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने गुलदस्ता देकर महामहिम राज्यपाल का स्वागत किया। बाद में, महामहिम को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। उल्लेखनीय हो कि राज्यपाल झारखंड श्री संतोष कुमार गंगवार अपने धनबाद यात्रा से वापस राँची जाने के क्रम में यहां कुछ समय के लिए रूके थे। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एनडीसी प्रभाष दत्ता, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर के कई प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

सेक्टर 5 हटिया में आज से पार्किंग व्यवस्था

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी में रहने वाले लोगों के लिए एक बड़ी खबर है। अगर आप सेक्टर 5 हटिया खरीदारी करने आएंगे तो आपको गाड़ी सुरक्षित रखने के लिए पार्किंग की व्यवस्था मिलेगी। इसके लिए आपको शुल्क भी देना पड़ेगा। जिसकी राशि 2 घंटे के लिए तय की गई है। सेक्टर 5 में बोकारो स्टील के द्वारा शहर को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से पार्किंग की व्यवस्था शुरू की है। जिसका काम स्थानीय विस्थापितों को दिया गया है। जो इस पार्किंग शुल्क से बोकारो स्टील को राजस्व देने के साथ-सा द खुद भी रोजगार करने का काम करेंगे । इस पार्किंग का उद्घाटन बोकारो स्टील के टी ए डिपार्टमेंट के सीजीएम कुंदन कुमार और जीएम लैंड एंड रिवेन्यू ऐ के सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर। कुंदन कुमार ने बताया कि इसकी शुरूआत आज सेक्टर 5 हटिया से की गई है बोकारो के सेक्टर 4 नए और पुराने सिटी सेंटर में भी इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा हम शहर को सजाने और संवारने के उद्देश्य से इस पार्किंग की शुरूआत कर रहे हैं, ताकि लोग भी सुरक्षित रहें शहर भी अच्छा लगे और विस्थापितों को बेरोजगार मिले।

मध्यदेशीय वैश्य सभा बाबा गणिनाथ की पूजा करेगी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अखिल भारतीय मध्यदेशिय वैश्य सभा की बैठक शुक्रवार को पुराना बाजार,टेंपल रोड स्थित वेलकम रेजीडेंशियल में रखा गया। बैठक में 23 अगस्त को बाबा गणिनाथ महाराज की पुजा धूमधाम से बेकार बांध स्थित ब्लेसिंग हॉल में मनाने का निर्णय लिया गया। जिलाध्यक्ष विशाल गुप्ता ने बताया कि पूजा कार्यक्रम के पश्चात समाज के मेधावी छात्र छात्राओ को सम्मानित किया जायेगा।समाज के सभी समाज सेवी एवं स्वजातीय बन्धु जो उत्कृष्ट कार्यों, सरकारी विभाग में अग्रसर है उपस्थित रहेंगे। बताया की मध्यदेशीय वैश्य सभा समाज के हर सदस्यों के साथ हर सुख दुख में साथ खड़ा रहेगा।

सेल के ऑफिसर्स एसोसिएशन सहित सभी प्रमुख संगठनों ने बीएसएल के विस्तारीकरण अभियान का किया समर्थन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के प्रस्तावित विस्तारीकरण को प्रारंभ करने एवं बीजीएच को सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनाने की माँग के समर्थन में 3 अगस्त को सेक्टर 2 कला केन्द्र में संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। विस्तारीकरण के समर्थन में जारी अभियान के तहत सेल के ऑफि सर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अशोक कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारियों एवं एसटी-एससी फेडरेशन के अध्यक्ष श्री एम.के. अभिमन्यु ने फेडरेशन के सदस्यों,

विस्थापित नेता एवं झारखण्ड कामगार समाज के महामंत्री श्री कमलेश ठाकुर, अब्दुल रब अख़्तर ने पीएम को पोस्टकार्ड लिख अभियान को समर्थन दिया है। चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के संरक्षक श्री संजय वैद और अध्यक्ष श्री मनोज चौधरी, बियाडा आफि सर्स हाउसिंग कॉपरेटिव सोसायटी के अध्यक्ष रिटायर्ड आइपीएस श्री जीतेन्द्र सिंह, सुजीत पांडे, अखिल भारतीय सफाई कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री राकेश राम, श्री कृष्णा कालिन्दी, आदिवासी संथाल समाज के श्री कृष्णा हेम्ब्रम, प्रविण हांसदा, हीरालाल माँझी आदि ने भी प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड लिख कर समर्थन जताया है। इस विस्तारीकरण को प्रारंभ करने की माँग को लेकर कुमार अमित ने 21 जून को प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था।

बोकारो में लव जिहाद का एक मामला सामने आया

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के सेक्टर 12 थाना क्षेत्र के लोहांचल में एक लव जिहाद का मामला सामने आया है। उड़ीसा के भुवनेश्वर से 6 महीने से गायब शादीशुदा लड़की को जमील अख्तर नाम के एक युवक भागकर बोकारो में रह रहा था। लड़की के पिता के यहां पहुंचने के बाद यह मामला सामने आया है। पिता ने बताया कि जमील अख्तर की यह चौथी शादी है। इससे पहले वह तीन हिंदू लड़की से भी निकाह कर चुका है। लव जिहाद का मामला सामने आने के बाद विश्व हिंदू परिषद के नेता व कार्यकर्ता के साथ स्थानीय लोग भी मौके पर जुटे और किराए के मकान में रह रहे युवक और युवती को सेक्टर 12 थाना पुलिस के हवाले कराया। हालांकि इस दौरान लोहांचल कॉलोनी के प्लॉट नंबर 161 के मलिक शशि भूषण के द्वारा आम लोगों और मीडिया वालों के साथ दुर्व्यवहार भी किया गया। लव जिहाद का आरोपी शशि भूषण के मकान में किराए पर रह रहा था। लड़की के पिता ज्योति रंजन नाथ राय ने बताया कि मेरी बेटी शादीशुदा है आरोपी जमील अख्तर का मेरे घर में आना-जाना था। कभी मैंने उसे गलत दृष्टि से नहीं देखा। लेकिन 6 महीने पूर्व मेरी बेटी अचानक गायब हो गई। इसको लेकर मैं भुवनेश्वर के थाने में लापता होने की लिखित जानकारी दी। पुलिस के द्वारा सिर्फ मिसिंग रिपोर्ट दर्ज कर दिया गया। मैंने कॉल ट्रेस के आधार पर जब बोकारो पहुंचकर यहां रह रहे मकान मालिक से इन लोगों के रहने की जानकारी पूछी तो उन्होंने झूठ बोल दिया कि यह लोग यहां नहीं है। जब लोग यहां जुट गए तो घर में ही दोनों के होने की जानकारी मिली। पिता ने बताया कि इससे पूर्व जमील अख्तर तीन हिंदू लड़की से शादी कर चुका है यह इसी तरह हिंदू लड़कियों को शिकार बनाता है। पिता ने बताया कि लड़की बालिक है लेकिन उसका तलाक अभी नहीं हुआ है इसीलिए मैं फंसा हुआ हूँ। स्थानीय पुलिस इस मामले की जांच करें और कार्रवाई करें। वही इस जानकारी के मिलने के बाद मौके पर पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री संजीव कुमार ने बताया कि मामला लव जिहाद का है। पहले मकान मालिक ने विरोध किया फिर बताया कि हिंदू नाम का आईडी प्रूफ देकर वह रह रहा है तो यह भी पूरी तरह से गलत है प्रशासन इस पर जांच कर कार्रवाई करें।

पीडीएस दुकानदारों ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिले के 16 सौ पीडीएस दुकानदारों ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पीडीएस दुकानदारों ने आज बोकारो डीसी ऑफिस के पास केंद्र और राज्य सरकार के एक वर्ष से बकाया चले आ रहे कमीशन की राशि और केवाईसी के नाम पर किए जा रहे कथित शोषण के खिलाफ फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन के बैनर तले एक दिवसीय धरना दिया। सरकार को चेतावनी देने का काम किया है। पीडीएस

डीलरों का कहना है कि अगर सरकार हमारी मांग को नहीं मानती है तो हम लोग ईट से ईंट बजाने का काम करेंगे। क्योंकि अगर हम सरकार बनाने जानते हैं तो सरकार को वापस भेजने का भी काम जानते हैं। डीलरों का कहना है कि हम राज्य के जनतांत्रिक सरकार के अधीन जनतांत्रिक तरीके से नहीं जी रहे हैं। हम लोग अभी राजतंत्र के तानाशाही तंत्र के सामंती विचार के साथ जी रहे हैं। राज्य सरकार के किसी भी विभाग में एक साल का पारिश्रमिक बकाया नहीं है लेकिन हम लोगों का एक साल से पैसा बकाया रखा गया है जिसके कारण सभी लोग भूखे मरने को विवश हैं।

ईएसएल स्टील लिमिटेड ने 'प्रोजेक्ट शिक्षा' के तहत दो नए लर्निंग सेंटर का किया उद्घाटन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ईएसएल स्टील लिमिटेड ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत और अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से झारखंड के ढंडाबर और सियालजोड़ी गांवों में दो नए लर्निंग रिसोर्स सेंटर का भव्य उद्घाटन किया। यह पहल प्रोजेक्ट शिक्षा का हिस्सा है, जिसे पहले प्रोजेक्ट प्रेरणा के नाम से जाना जाता था। नाम में बदलाव के साथ यह पहल अब ग्रामीण शिक्षा में बदलाव लाने की एक नई सोच और प्रतिबद्धता को दशार्ती है। ये लर्निंग सेंटर 'वन-स्टॉप एजुकेशन सेंटर' के रूप में तैयार किए गए हैं, जहाँ बच्चों को बाल शिक्षा, आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान, शिक्षा, कंप्यूटर प्रशिक्षण, अंग्रेजी बोलने का अभ्यास, तथा सरकारी परीक्षाओं की तैयारी जैसी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलती हैं। इनका उद्देश्य बच्चों को एक ऐसा वातावरण देना है जो सीखने की जिज्ञासा और समग्र विकास को बढ़ावा दे। धनडबार में उद्घाटन समारोह के दौरान, ईएसएल स्टील लिमिटेड के डिप्टी सीईओ और होल टाइम डायरेक्टर श्री रविश शर्मा ने कहा, शिक्षा ही सबसे ताकतवर साधन है सशक्तिकरण का। 'प्रोजेक्ट शिक्षा' के जरिए हम ऐसा मंच बना रहे हैं जहाँ हर बच्चे को बराबरी से आगे बढ़ने का मौका मिले और उनका भविष्य उज्जवल बने। उन्होंने यह भी दोहराया कि ईएसएल अपने आसपास की समुदायों के प्रति हमेशा समर्पित है और यह मानता है कि आज का युवा ही आने वाला भविष्य है। कार्यक्रम में रविश शर्मा, डिप्टी सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक, ईएसएल स्टील लिमिटेड एवं कुनाल दरिपा, सी एस आर प्रमुख, ईएसएल स्टील लिमिटेड सहित स्थानीय जन प्रतिनिधि उपस्थित थे। ईएसएल सीएसआर एवं ए आई एफ के प्रतिनिधि इन केंद्रों के माध्यम से ईएसएल स्टील लिमिटेड ग्रामीण समुदायों को शिक्षा के जरिए सशक्त बनाने के अपने संकल्प को और मजबूती दे रहा है। प्रोजेक्ट शिक्षा केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व और भविष्य के लिए तैयार होने की क्षमता विकसित करने पर केंद्रित है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com